RNI. NO. RAJHIN/2021/82156
डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -20 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, शुक्रवार 4 अप्रैल, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 10

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

13 घंटे लंबी चर्चा के बाद वक्फ विधेयक पर संसद की मुहर, दोनों सदनों में आसानी से हुआ पास

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

वक्फ संशोधन बिल पर संसद की मुहर लग गई है। राज्यसभा में बिल पर चर्चा पूरी होने के बाद देर रात 2 बजे के बाद वोटिंग कराई गई। इस दौरान सत्ता पक्ष बिल पास कराने में सफल रहा। वक्फ संशोधन बिल के पक्ष में 128 और विपक्ष में 95 वोट पड़े। इस तरह 12 घंटे से ज्यादा की चर्चा के बाद रात 2.32 बजे राज्यसभा से वक्फ विधेयक पारित हो गया। सत्ता पक्ष ने बिल को वोट बैंक की राजनीति से बाहर निकलकर राष्ट्रीय हित की ओर बढ़ाया गया कदम बताया। वहीं विपक्ष ने बिल को संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ करार दिया। चर्चा के दौरान सत्तापक्ष और विपक्ष की ओर से कई मौकों पर गहमागहमी की स्थिति भी देखने को मिली। हालांकि, लोकसभा से बिल पास होने के अगले ही दिन राज्यसभा से भी वक्फ बिल पारित हो गया।

वक्फ बिल से एक मुसलमान का नुकसान नहीं होने वाला

राज्यसभा में वक्फ बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक बिल से किसी एक मुसलमान का नुकसान नहीं होने वाला, करोड़ों गरीब मुसलमानों का फायदा होने वाला है। बिल पास होने के बाद देखिएगा कैसे लोग इसका स्वागत करते हैं। रिजिजू ने इस दौरान विपक्ष पर अटैक करते हुए कि हम नहीं, मुसलमानों को आप डरा रहे हैं। उन्हें मुख्यधारा से बाहर करने की कोशिश कर रहे। सीएए का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष ने इसके पारित होने के बाद कहा था कि मुसलमानों की नागरिकता छिनी जाएगी। क्या किसी की नागरिकता छिनी? रिजिजू ने विपक्ष से सीधा सवाल कर दिया।

यह मुसलमानों के मामलों में हस्तक्षेप

आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने कहा कि सरकार संवैधानिक अधिकारों पर हमला कर रही है। डीएमके सांसद तिरूचि शिवा ने कहा कि एक समुदाय को ही निशाने पर लिया जा रहा है। इ्रस्ऱ कांग्रेस पार्टी के वाई वेंकट सुब्बा रेड्डी ने विधेयक का विरोध करते हुए दावा किया कि यह मुसलमानों के मामलों में हस्तक्षेप है।

किरेन रिजिजू ने पेश किया बिल

राज्यसभा में अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार दोपहर एक बजे राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश किया। रिजिजू ने कहा कि 2006 में आई सच्चर कमिटी की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय देश में 4.9 लाख वक्फ संपत्तियां थी, जिनसे होने वाली आय केवल 163 करोड़ रुपये सालाना थी। आज के दिन 8.72 लाख वक्फ संपत्तियां हैं। अगर इनको ठीक से मैनेज किया जाए तो हजारों करोड़ रुपये की इनकम हो सकती है, जिसका फायदा गरीब मुसलमानों को मिल सकता है।

रिजिजू बोले- हम सुनने वाले लोग हैं

वक्फ संशोधन बिल पास होने से पहले चर्चा का जवाब देते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं यही चाहता हूं कि कोई ये न कहे कि सरकार किसी की बात सुनती नहीं है। हम सुनने वाले लोग हैं। हमने जो ड्राफ्ट किया वही पारित करते तो बिल का स्वरूप अलग होता। हमने चर्चा करके संशोधन के बाद इसे काफी बदलाव के साथ पास कर रहे। कई विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया कि जेपीसी में हमें सुना नहीं गया। ऐसा नहीं है, हमने आपके उठाए गए कई मुद्दों को माना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र का नियम है कि जिसका बहुमत है तो उसी की सरकार होती है। जेपीसी में ठीक है कि आप जितना चाहते होंगे, उतना समय नहीं मिला होगा। जेपीसी के सदस्यों को बताना चाहता हूं कि कई क्लॉज जिसे आपने उठाया हमने उसे माना है। कलेक्टर का मुद्दा हो या ट्राइबल का तीन मेंबर होना चाहिए, हमने वो माना है। रिजिजू ने कहा कि आप लोगों के कहने पर ही वक्फ प्रॉपर्टी बाई यूजर में हमने लिया है। जो एग्जिस्टिंग प्रॉपर्टी में छेड़छाड़ नहीं करेंगे, ये भी आपके सुझाव पर हुआ है। कलेक्टर से ऊपर के अधिकारी को आपके कहने पर ही बनाया। आपने कहा ट्रिब्यूनल में तीन मेंबर होने चाहिए, हमने वो भी माना है।

मुसलमानों में गरीबी है तो ये कांग्रेस का फेल्योर

रिजिजू ने कांग्रेस पर अटैक करते हुए कहा कि आजादी के बाद 60 साल आपने शासन किया। फिर भी मुसलमानों में गरीबी है तो ये फेल्योर आपका है। आप जो काम नहीं कर पाए, वह पीएम मोदी को करना पड़ रहा है। दिनभर इतने वरिष्ठ लोग अपना ही पर्दाफाश कर रहे थे। सोच रहा था कि बाहर बोलूंगा। वक्फ प्रॉपर्टी में कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है। कोई कर भी नहीं सकता। गैर मुस्लिम किसी धार्मिक बॉडी में सदस्य नहीं बनेगा। वक्फ बोर्ड एक स्टैचुएटरी बॉडी होती है।

देश की शांति और सौहार्द को न बिगाड़े सरकार- खरगे

खरगे ने अपील के रूप में सरकार को चेताया भी कि वह देश की शांति और सौहार्द को न बिगाड़े। बिल पर उच्च सदन में चर्चा में देर शाम भाग लेते हुए खरगे ने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक और भारतीय मुस्लिमों के खिलाफ है। इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाने के बजाय सरकार को बिल वापस ले लेना चाहिए। खरगे ने यह आरोप भी लगाया कि सरकार इसके बहाने वक्फ की जमीनें हथियाने की कोशिश कर रही है। ये जमीनें कारपोरेट समूहों को दी जाएंगी। खरगे ने यह भी कहा कि अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए चलाई जाने वाली कुछ योजनाओं को बंद कर दिया गया है।

रामगोपाल यादव और राजद के मनोज झा ने किया विरोध

बिल के विरोध के साथ मुस्लिमों के प्रति सहानुभूति सपा के रामगोपाल यादव और राजद के मनोज झा ने भी दिखाई। रामगोपाल ने कहा कि भाजपा सरकार का अतीत उसके प्रति भरोसा पैदा नहीं करता, खासकर मुस्लिमों के मन में। आज मुसलमान डरे हुए हैं। उन्हें नहीं लगना चाहिए कि उनके साथ अन्याय हो रहा है। मनोज झा ने कहा कि विधेयक की विषय-वस्तु और मंशा सरकार पर सवालिया निशान लगाती है। कांग्रेस की ओर से चर्चा की शुरुआत करने वाले सैयद नासिर हुसैन ने कहा कि भाजपा इसके जरिये समाज में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। जेपीसी में विपक्षी सांसदों की ओर से दिए गए सुझावों को बिल में शामिल नहीं किया गया।

कपिल सिब्बल ने भी उठाए सवाल

निर्दलीय सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि पहले गैर-मुस्लिम भी वक्फ बोर्ड बना सकते थे, लेकिन यह विधेयक अब इसकी अनुमति नहीं देता। आप सदस्य संजय सिंह ने कहा कि यह विधेयक संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस कानून के जरिये मुस्लिम धार्मिक संस्थाओं को नियंत्रित करना चाहती है। तृणमूल के मुहम्मद नदीमुल हक ने कहा कि बिल अनुचित, असंवैधानिक, संघीय ढांचे और बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन करता है।

सुप्रीम कोर्ट इस बिल को खारिज कर देगा- द्रमुक

द्रमुक के तिरुचि सिवा ने कहा कि यह सेक्युलरिज्म के खिलाफ है और पांच किलोमीटर (संसद से) दूर सुप्रीम कोर्ट इसे खारिज कर देगा। शिवसेना यूबीटी के संजय राउत ने सरकार के इस दावे पर सवाल उठाया कि इस विधेयक के जरिये मुस्लिम गरीबों का भला किया गया है।

पूरा मुस्लिम समुदाय इस बिल से चिंतित- बीजद

बीजद के मुजीबुल्ला खान ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि पूरा मुस्लिम समुदाय इससे चिंतित है। यह विधेयक मोदी सरकार के नारे सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के खिलाफ है। राज्यसभा में बीजद के नेता सस्मित पात्रा ने कहा कि पार्टी ने अपने सदस्यों को अंतरात्मा की आवाज पर वोट करने की अनुमति दी है और कोई व्हिप जारी नहीं किया है।

वक्फ बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी डीएमके

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने ऐलान किया कि डीएमके वक्फ (संशोधन) बिल को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। स्टालिन ने कहा, 'तमिलनाडु लड़ेगा और इस लड़ाई में उसे सफलता मिलेगी।' उन्होंने याद दिलाया कि 27 मार्च को तमिलनाडु विधानसभा ने वक्फ संशोधन विधेयक को वापस लेने का आग्रह करते हुए प्रस्ताव पारित किया था। इसमें कहा गया था कि यह धार्मिक सद्भाव को कमजोर करता है और अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय पर उल्टा प्रभाव डालता है।

2013 से माफिया खा रहे थे वक्फ संपत्ति की मलाईः नड्डा

वक्फ संशोधन विधेयक पर राज्यसभा में चर्चा के दौरान भी सत्ता पक्ष और विपक्ष अपना-अपना मोर्चा संभाले रहे। भाजपा के वक्ताओं ने न सिर्फ विधेयक के कानूनी पहलुओं को समझाने का प्रयास किया, बल्कि विपक्ष को भी जमकर आड़े हाथों लिया। राज्यसभा में नेता और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आरोप लगाया कि 2013 से 2025 तक वक्फ संपत्ति का जमकर दुरुपयोग हुआ, माफिया ने मलाई खाई। कांग्रेस पर तंज कसा कि उसे मलाईखोरों से दूर रहना चाहिए, हालांकि आदतन यह मुश्किल है। वहीं, सांसद डा. राधा मोहन दास अग्रवाल ने तीखे तेवर दिखाते हुए आरोप लगाया कि फिल्मी गुंडों की तरह वक्फ के नाम पर संपत्तियों को हड़पा गया। वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि क्या वक्फ की संपत्ति का दुरुपयोग नहीं रुकना चाहिए? क्या वक्फ बोर्ड जवाबदेह नहीं होना चाहिए? नड्डा ने विपक्ष को सलाह दी कि वोटबैंक की राजनीति से बाहर निकलना चाहिए। सब जानते हैं कि पिछले 70 साल में किन लोगों ने मुस्लिमों को अलग रखा? किसने उन्हें डरा कर रखा? यह तंज भी कसा कि आप संविधान जेब में रखते हैं, हम पढ़ते हैं और उपयोग करते हैं। 2013 में यूपीए सरकार द्वारा कराया गया वक्फ संशोधन संविधान की मूल भावना को चुनौती दे रहा था। सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि हम हिंदू हैं, हमने लगातार अपने समाज की बुराइयों के विरुद्ध संघर्ष किया है। इतिहास गवाह है कि हमारे यहां सती प्रथा, बाल विवाह जैसी कुरीतियां थीं, उन्हें अधिनियम लाकर खत्म किया। आश्चर्य होता है कि गरीब मुसलमान की बेहतरी के लिए 75 साल में एक भी सुधार आंदोलन को सदन में नहीं लाया गया। "जैसे फिल्मों में गुंडे होते थे, उसी तरह भू माफिया ने काम किया। जिस जमीन पर हाथ रख दिया, वह वक्फ की हो गई। जदएस से पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने कांग्रेस को आईना दिखाते हुए प्रश्न पूछा कि 40 वर्ष तक साथ देने के बाद मुस्लिमों ने कांग्रेस का साथ क्यों छोड़ दिया?" सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल इसी तरह एनसीपी सांसद प्रफुल्ल पटेल ने भी कांग्रेस और शिवसेना उद्धव गुट को आड़े हाथों लिया। पाकिस्तान का नाम लिए बिना बोले कि मजहब के नाम पर बने मुल्क की हालत क्या हो गई। आज सेक्युलर भारत तो विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया। तीसरे नंबर पर लाने के लिए सबको आगे बढ़ाना होगा। शिवसेना उद्धव गुट की ओर इशारा करते हुए बोले कि अभी जो वक्ता बोलकर गए, उनके नेता कहते थे कि बाबरी मस्जिद यदि किसी ने गिराई है तो मेरे शिवसैनिकों ने गिराई है। मुंबई में बड़े मुस्लिम दंगे और नरसंहार किसने किए, किसने कराए? फिर कांग्रेस व अन्य विपक्षियों की ओर मुखातिब होते हुए प्रफुल्ल पटेल ने चुटकी ली- यह आप लोगों को सोचना चाहिए कि आज किसके साथ बैठे हैं। सत्ता लेने के लिए आपने भी उनके साथ हाथ मिला लिया। तब आपको भारत का संविधान, भारत के मुसलमानों का विचार नहीं आया।

जिन्हें मंत्री बनाया वे संकट में भाग गएः मल्लिकार्जुन खड़गे

राजस्थान के जिलाध्यक्ष ने कहा- पार्टी में चापलूसों को टिकट मिलते हैं, नेता घमंड में चूर

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संकट में पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं पर निशाना साधा। खड़गे ने जिलाध्यक्षों से कहा कि आप लोग संकट में पार्टी के साथ रहे, जमीन पर अब भी संघर्ष कर रहे हो, जिन्हें मंत्री और चेयरमैन बनाया वे पार्टी की जवानी चूसकर संकट के समय भाग खड़े हुए। जिलाध्यक्ष बहादुरी से डटे हैं, यह बड़ी बात है। जो सकंट के समय पार्टी के साथ रहता है, वहीं असली योद्धा होता है। खड़गे दिल्ली में हुई जिलाध्यक्षों की बैठक में बोल रहे थे। बैठक में राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों को पावरफुल बनाने का आश्वासन दिया। राहुल गांधी ने फील्ड में निष्क्रिय और पार्टी बैठकों में नदारद रहने वालों की छुट्टी करने की चेतावनी दी और अच्छा काम करने वालों

को और ज्यादा ताकत देने की बात कही। बैठक में भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने कार्तिकेय और गणेशजी की कहानी सुनाते हुए पार्टी में टिकट वितरण के सिस्टम पर सवाल उठाए। त्रिपाठी ने कहा कि पार्टी में मेहनत करने वाले और लोगों को जोड़ने वाला पीछे रह जाता है। नेताओं की चापलूसी करने वाले टिकट ले जाते हैं। सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद का त्याग किया, लेकिन हमारी पार्टी के नेताओं की हालत देखिए, टिकट तक में त्याग नहीं करते। त्रिपाठी ने राहुल गांधी से कहा- आप तो मोहब्बत की दुकान चला रहे हैं, लेकिन हमारी पार्टी के नेता घमंड में चूर है। हमने लंबे समय तक राज किया, तो नेताओं में विनम्रता होनी चाहिए थी। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार नहीं है, हारने के बावजूद नेताओं में सत्ता जितना ही घमंड है, हमारे नेता घमंड में चूर है। इस घमंड से कार्यकर्ता निराश होता है, उसमें हताशा आती है।

रंधावा, डोटासरा की तारीफ करने लगे तो राहुल गांधी ने टोका

राजस्थान से भीलवाड़ा और सीकर जिलाध्यक्ष को बोलने का मौका मिला। भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष को जब बोलने का मौका दिया तो वे शुरुआत में प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की तारीफ ?करने लगे। इस पर राहुल गांधी ने टोकते हुए कहा कि आप इनकी तरफ न देखकर धरातल की और अपने मन की बात कहिए। इसके बाद त्रिपाठी ने हकीकत बयां करना शुरू किया।

राहुल गांधी बोले- टिकट में जिलाध्यक्षों की राय अहम होगी

बैठक में राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों को आने वाले समय में मजबूती से फील्ड में जुटने को कहा। राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों की राय से ही टिकट देने का सिस्टम शुरू करने की पैरवी की। आगे से टिकटों पर फैसले के लिए होने वाली बैठकों में जिलाध्यक्षों को शामिल कर उनकी राय को प्रमुखता देने की बात कही। जिलाध्यक्षों को स्क्रीनिंग कमेटी से लेकर चुनाव समिति तक की बैठकों में शामिल करने का सिस्टम शुरू करने को कहा है।

मैं मंत्री हूं, 11 साल तक मेहनत की, लेकिन अब मैं थक गयाः नितिन गडकरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

देश में बस हादसों में लोगों की होने वाली मौतों पर केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने चिंता जाहिर की। उन्होंने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि हथौड़े लेकर बस बनाने वालों से हमने कई बार कहा कि अपनी इंडस्ट्री चालू करो, इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की बस बॉडी बनाओ। मैं मंत्री हूं, 11 साल तक मेहनत की, लेकिन अब मैं थक गया। हमने तय किया है कि अब देश में हथौड़ा छाप बस बॉडी बनाना बंद होगी। केवल यूरोपियन स्टैंडर्ड की ही बस बॉडी बनानी होंगी। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब देते हुए नितिन गडकरी ने बताया कि हमारे देश में हथौड़ा लेकर बस बॉडी बनाने का काम चलता है। ऐसी बस बॉडी हरियाणा, पंजाब के लुधियाना और जालंधर समेत मध्य प्रदेश के इंदौर में बहुत बनाई जाती हैं। मैंने दयालु भाव दिखाते हुए इन लोगों को बहुत दिनों तक मोहलत दी कि अच्छी बस बॉडी बनाओ, अच्छा काम करो। लेकिन यह नहीं माने। अब ऐसा और आगे नहीं चल सकता। गडकरी ने महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में स्मृद्धि महामार्ग पर हुए बस हादसे का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां बस गिरने से 40 लोग मर गए थे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि देश में अब हथौड़ा छाप बस बॉडी ना बन सकें, केवल यूरोपियन स्टैंडर्ड की बस बॉडी ही बनें। इसके लिए बस बॉडी कोड भी लागू किया गया है। इसे सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने देश में ड्राइवरों की कमी और काम के अधिक घंटो के सदस्यों के सवालों के जवाब में कहा कि इसमें कई तरह के मसले हैं। 22 लाख ड्राइवरों की कमी है। देश में ट्रेंड कमर्शल ड्राइवर चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ ड्राइवर 16-16 घंटे ड्राइविंग करते हैं। यह लेबर एक्ट के खिलाफ है, लेकिन अगर ड्राइवरों ने आठ-आठ घंटे काम किया तो ड्राइवरों की बड़ी कमी हो जाएगी। देश में ड्राइवरों की कमी पूरी करने के लिए कई फ्रंट पर काम किया जा रहा है। इसके लिए इस साल सात जनवरी को थ्री टायर न्यू पॉलिसी भी लॉन्च की गई। जिसमें देशभर में राज्य, रिजनल और जिला स्तर पर ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर खोलने की बात है। लेकिन राज्य इसमें दिलचस्पी नहीं दिखा रहे। हमारे पास प्रपोजल लाओ, हम उसे फाइनल करेंगे और फिर आप ड्राइविंग ट्रेनिंग, स्क्रैप और फिटनेस सेंटर खोलें। इससे देश में ट्रेंड ड्राइवरों की कमी नहीं होगी। ट्रक केबिन में एसी लगे होने वाली बात को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरीने एक बार फिर से दोहराया। उन्होंने सदन को बताया कि ड्राइवर 46-47 डिग्री टेंपरेचर वाले ट्रक केबिन में 16-16 घंटे तक ड्राइविंग करते हैं। उन्होंने लोकसभा हॉल की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर यहां एसी नहीं होता तो हमारी क्या हालत होती। इसलिए डिपार्टमेंट ने तय किया है कि बिना एसी वाला ट्रक केबिन नहीं बनेगा। उन्होंने देश में आसानी से बन जाने वाले लाइसेंस के बारे में भी बताते हुए कहा कि रोड एक्सीडेंट में हुई एक लाख 80 हजार मौतों में 30 हजार मौतों में ट्रक ड्राइवरों के पास लाइसेंस का ना मिलना रहा। उन्होंने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस के लिए हमें इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बनाने होंगे।

बहन की परीक्षा का फॉर्म भरने गए युवक की सड़क हादसे में मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

थाना क्षेत्र में महराना नांगल के पास हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में एक घायल को जयपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, खदानिया गांव निवासी 19 वर्षीय आसीम पुत्र जमशेद, जो कि 12वीं कक्षा का छात्र था, अपनी बहन की प्रतियोगी परीक्षा का फॉर्म भरने के लिए लक्ष्मणगढ़ गया था। फॉर्म भरकर लौटते समय महराना के समीप पेट्रोल पंप के सामने उसकी बाइक तेज गति से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। दूसरी बाइक पर तीन लोग सवार थे, जो हादसे में घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने आसीम को अलवर रेफर कर दिया। अलवर में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार घायलों में से एक की हालत गंभीर होने के कारण उसे जयपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अलवर में पानी की किल्लत, मिनी सचिवालय पहुंची महिलाएं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर में बढ़ती गर्मी के साथ ही जल संकट भी गहराता जा रहा है। शहर के विभिन्न इलाकों में पानी की किल्लत से लोग परेशान हैं और जलदाय विभाग के चक्कर लगाने को मजबूर हो रहे हैं। बावजूद इसके, विभाग के अधिकारी जनता को संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रहे हैं। इस स्थिति से तंग आकर अब लोग मिनी सचिवालय का रुख करने लगे हैं, ताकि अपनी शिकायतें सीधे जिला कलक्टर तक पहुंचा सकें। इसी तरह का एक नजारा आज मिनी सचिवालय में देखने को मिला, जब मालवीय नगर ब्लॉक बी की स्थानीय महिलाएं पानी की समस्या को लेकर जिला कलक्टर से मिलने पहुंचीं। महिलाओं ने बताया कि क्षेत्र में जल संकट गंभीर होता जा रहा है और गर्मी के इस मौसम में पीने के पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी गायत्री ने बताया कि मालवीय नगर ब्लॉक बी में हर तीसरे दिन पानी की सप्लाई की जा रही है, लेकिन वह भी केवल 15 मिनट के लिए मिलती है। इस कम समय में लोगों के घरों में पर्याप्त पानी नहीं भर पाता, जिससे रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो रहा है। महिलाओं ने जिला कलक्टर से पानी की आपूर्ति का समय बढ़ाने की मांग की। इस पर जिला कलक्टर ने जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान किया जाए। अब देखना यह होगा कि विभाग इस दिशा में क्या ठोस कदम उठाता है और लोगों को कब तक राहत मिल पाती है।

नारायणपुर सीएचसी में बढ़ी सुविधाएँ: अब 50 बेड का अस्पताल, ग्रामीणों में खुशी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

राज्य सरकार की अतिरिक्त बजट घोषणा के तहत 18 साल बाद कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को क्रमोन्नत किया गया। गुरुवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा विभाग ने अस्पताल की बेड क्षमता 30 से बढ़ाकर 50 कर दी। इस क्रमोन्नति के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशक ने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी कोटपुतली से संस्थानों में बेड वृद्धि से जुड़ी स्वीकृत, कार्यरत और रिक्त पदों की जानकारी मांगी है। अस्पताल की क्षमता बढ़ने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ मिलेंगी, जिससे गंभीर मरीजों को इलाज के लिए अन्यत्र जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। सीएचसी के 50 बेड में अपग्रेड होने से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। उन्होंने इसे सरकार की बड़ी सौगात बताते हुए क्षेत्रीय विधायक देवीसिंह शेखावत का आभार जताया है। ग्रामीणों का मानना है कि अस्पताल के उन्नयन से इलाज की सुविधाएँ पहले से बेहतर होंगी और मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

तीन दिवसीय गणगौर पर्व का नौटंकी के साथ समापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने वाले मेलों और त्योहारों में गणगौर महोत्सव का विशेष स्थान है। इस वर्ष भी लक्ष्मणगढ़ में तीन दिवसीय गणगौर महोत्सव परंपरागत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। आदर्श कला मंडल और सार्वजनिक पुस्तकालय के तत्वावधान में नगर पालिका के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव की शुरुआत गणगौरी माता की भव्य सवारी से हुई। इसके अगले दिन पुरानी सब्जी मंडी मैदान में राजा हरिश्चंद्र नाटक का मंचन किया गया, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। अंतिम दिन ब्रज कला संस्थान मथुरा के कलाकारों द्वारा अमर सिंह राठौड़ की नौटंकी प्रस्तुत की गई, जिसे ग्रामीणों ने खूब सराहा। आदर्श कला मंडल के अध्यक्ष रवि कुमार शर्मा ने बताया कि इन प्रस्तुतियों ने प्राचीन लोकसंस्कृति को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लक्ष्मणगढ़ ही नहीं, बल्कि निकटवर्ती ग्राम जावली में भी गणगौर महोत्सव परंपरागत रूप से धूमधाम से संपन्न हुआ। इस महोत्सव ने क्षेत्र में आनंद और उत्साह का माहौल बना दिया।

कार्यशाला में छात्रों को साइबर सुरक्षा के लिए जागरूक किया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

केंद्रीय विद्यालय में गुरुवार को साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित हुई, जिसमें 210 छात्रों ने भाग लिया। सत्र का नेतृत्व मास्टर ट्रेनर सुभाष चंद ने किया। उन्होंने साइबर सुरक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर छात्रों को जागरूक किया। कार्यशाला के दौरान वित्तीय धोखाधड़ी, लॉटरी घोटाले, पहचान की चोरी, फिशिंग, विशिंग और स्मिशिंग जैसी साइबर अपराध की घटनाओं पर चर्चा की गई। इसके अलावा, इंटरनेट ब्राउजिंग की सुरक्षा, साइबर स्वच्छता और अच्छे डिजिटल आदतों को अपनाने की जरूरत पर जोर दिया गया। छात्रों को बताया गया कि इंटरनेट का लापरवाही से उपयोग करने पर किन-किन खतरों का सामना करना पड़ सकता है। विद्यालय प्राचार्य लेखराम सैनी ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा बेहद जरूरी हो गई है। उन्होंने छात्रों को सतर्क रहने और जागरूकता बढ़ाने की सलाह दी। कार्यशाला में छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए और साइबर सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे। कार्यक्रम के अंत में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी छात्रों को सतर्क रहने की शपथ दिलाई गई।

खरखड़ी में रात्रि चौपाल का आयोजन, ग्रामीणों ने हाईवे के लिए उठाई आवाज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

ग्राम पंचायत खरखड़ी में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों को नेशनल हाईवे 248ए को नारायणपुर से निकालने के लिए जागरूक किया गया। इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस आंदोलन के तहत पोस्टकार्ड एवं हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसमें 2000 पोस्टकार्ड लिखने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अब तक 2520 पोस्टकार्ड लिखे जा चुके हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर मोनू शर्मा ने पोस्टकार्ड अभियान में जुटे वॉलंटियर्स को लक्ष्य से अधिक कार्य करने के लिए धन्यवाद दिया। चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों ने एकजुट होकर इस अभियान को और तेज करने का संकल्प लिया। उन्होंने हाईवे की मांग को सरकार तक पहुंचाने और अपने हक के लिए संघर्ष करने का निश्चय किया। इस मौके पर खरखड़ी सरपंच भागीरथ सैनी, सुनील कुमार शर्मा, अशोक सोनी, रामौतार गुर्जर, हवासिंह चौधरी, पिंटूसिंह, किरोड़ी सैनी, हनुमान मीणा, रामसिंह गुर्जर, मुकेश सैन, केसरपाल सिंह शेखावत, शंकर स्वामी, बलबीर सैन, मोहित यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहड़ावती में योग सत्र का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) पहड़ावती में योग प्रशिक्षक डार्विन द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भीखाहेड़ी में योग सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों को योग के विभिन्न आसनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया गया। योग प्रशिक्षक ने छात्र-छात्राओं को अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, उद्गीथ प्राणायाम के साथ पश्चिमोत्तानासन, पवनमुक्तासन, चक्रासन, हलासन, ताड़ासन और सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया। उन्होंने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि योग केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक तनाव को भी दूर करता है। डार्विन ने कहा कि भारतीय दर्शन में योग प्रामाणिक और वैज्ञानिक दोनों है, और आज पूरा विश्व इसकी प्रमाणिकता को स्वीकार कर रहा है। योग प्रशिक्षक ने आयुर्वेदिक औषधियों जैसे नीम, गिलोय, आंवला, एलोवेरा, हल्दी, व्हीट ग्रास, तुलसी और देशी गाय से प्राप्त दूध, दही, घी के औषधीय गुणों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रसोई ही हमारा उपचार केंद्र है और संतुलित आहार से हम रोगों से बच सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि शारीरिक सक्रियता की कमी और आंतरिक अवयवों को पर्याप्त प्राणवायु न मिलना कई बीमारियों का कारण बनता है। नियमित योग और प्राणायाम से शरीर को आवश्यक प्राणवायु मिलती है, जिससे बीमारियों का निवारण संभव होता है। योग शिक्षा को अनिवार्य बताते हुए प्रशिक्षक ने कहा कि प्रत्येक महिला, पुरुष और बच्चे को योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। इस अवसर पर प्रिया, निहारिका, प्रियंका, टीना, कल्पना, साक्षी, गौरा, अंकित, अवधेश, दीपेश, विशाल, लखन, गौर, रुद्राक्ष और विष्णु सहित कई छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

एसडीएम ने अनुभव प्रमाण-पत्र की सत्यता पूछी, लेकिन जिला परिषद में नहीं मिला रिकॉर्ड

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

पंचायती राज लिपिक भर्ती 2013 के तहत उमरैण पंचायत समिति में नियुक्त हुए 40 से अधिक लिपिकों के दस्तावेज सत्यापन की चेकलिस्ट गायब हो गई है। इस चेकलिस्ट पर सत्यापन दल द्वारा टिप्पणियां अंकित कर हस्ताक्षर किए जाते हैं, जिससे दस्तावेजों में किसी भी तरह की कमी या आक्षेप की पुष्टि होती है। इतने बड़े पैमाने पर चेकलिस्ट के लापता होने से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। फिलहाल, लिपिक भर्ती 2013 की नियुक्तियों में संभावित गड़बड़ी की जांच जारी है। विभाग के शासन सचिव ने गत 5 वर्षों में नियुक्त लिपिकों के दस्तावेज सत्यापन के आदेश दिए हैं। हालांकि, अभी तक विकास अधिकारी की ओर से इस मामले में मुकदमा दर्ज कराने का कोई निर्देश नहीं मिला है। गौरतलब है कि दो महीने पहले भी उमरैण पंचायत समिति ने लिपिक रामकरण गुर्जर की चेकलिस्ट सेवा पत्रावली में नहीं होने की सूचना जिला परिषद को भेजी थी। मामले की जांच कर रहे अलवर उपखंड अधिकारी आईएएस यशार्थ शेखर ने 17 फरवरी को जिला परिषद से रामकरण गुर्जर, सीताराम और अखंड प्रताप सिंह के अनुभव प्रमाण-पत्रों की सत्यता की रिपोर्ट मांगी थी। इसके अलावा 15 अन्य अभ्यर्थियों से संबंधित जानकारी भी मांगी गई थी, जिसके लिए चार अलग-अलग पत्र भेजे गए थे। हालांकि, अभी तक जिला परिषद की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। बताया जा रहा है कि अखंड प्रताप सिंह का अनुभव प्रमाण-पत्र वाटरशेड विभाग से जारी हुआ था, लेकिन रिकॉर्ड नहीं मिलने के कारण विभाग इस पर स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रहा है। इस एक प्रकरण की वजह से बाकी अभ्यर्थियों की जानकारी भी लंबित है। लिपिक भर्ती 2013 से जुड़े अन्य मामलों में भी दस्तावेज गायब होने की आशंका जताई जा रही है। वर्तमान में 20 से अधिक लिपिकों की नियुक्तियों में गड़बड़ी की शिकायतें कलेक्टर तक पहुंच चुकी हैं, जिससे अन्य पंचायत समितियों में भी दस्तावेजों के खुर्द-बुर्द होने की संभावना बढ़ गई है। इस पर उमरैण पंचायत समिति की बीडीओ आरती गुप्ता का कहना है कि, "यह चेकलिस्ट कैसे गायब हुई, इसकी जांच की जा रही है। इसकी एक कॉपी जिला परिषद में उपलब्ध है। जांच पूरी होने के बाद एफआईआर दर्ज कराने का निर्णय लिया जाएगा।"

कॉलेज में एबीवीपी का प्रदर्शन, कुलपति के निलंबन की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की आरआर कॉलेज इकाई ने गुरुवार को मत्स्य यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. शील सिंधु पांडे के निलंबन की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। परिषद के कार्यकर्ताओं ने कुलपति पर भवन निर्माण में घोटाला, परीक्षाओं में धांधली, जातिगत भेदभाव और राजभवन के नाम से डराने-धमकाने के आरोप लगाए। कॉलेज इकाई अध्यक्ष प्रिंस अत्री ने बताया कि इन अनियमितताओं के कारण यूनिवर्सिटी में छात्रों की उपस्थिति और नए प्रवेश में भारी गिरावट आई है। जिला संयोजक असदीप शर्मा ने कहा कि कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया पर पहले भी सवाल उठाए गए थे, लेकिन अब स्थिति और गंभीर हो गई है। एबीवीपी के विरोध के बाद राज्यपाल ने मामले की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया है। प्रदर्शन में नगर सहमंत्री पूजा चौधरी, शुभम, कुशल शर्मा, मनोज यादव, दुष्यंत कुमार, मोहित सैनी, दीपांशु सेन, मनराज शर्मा, शिवानी, प्रेरणा, स्नेहा, अमन शर्मा, राम अत्री, मोहित कुमार, अशोक, अरुण, रोहित और शुभम शर्मा सहित कई विद्यार्थी शामिल हुए।

छह महीने बाद पुलिस के हत्थे चढ़े तीन आरोपी, न्यायालय ने भेजा जेल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

थाना क्षेत्र के मालोड़ी की ढाणी में रास्ते को लेकर हुए विवाद में गंभीर मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह महीने से फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा ने बताया कि 23 सितंबर 2024 को रास्ते को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जो हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर जानलेवा हमला किया था। मामले में पहले ही दोनों पक्षों से दो-दो आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। बुधवार देर शाम को पुलिस ने टॉप 10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल मालोड़ी की ढाणी निवासी दुर्गा राम पुत्र सोहन लाल सैनी, लहरी राम पुत्र चौथूराम सैनी और रतन लाल पुत्र चोथमल सैनी को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार यह मामला लंबे समय से लंबित था और आरोपियों की तलाश जारी थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। फिलहाल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट की बैठक संपन्न

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट लक्ष्मणगढ़ की बैठक कस्बे के कठूमर रोड स्थित कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में समाजहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। महामंत्री एडवोकेट नरपत सिंह ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष हरिओम सिंह ने की, जिसमें कार्यकारिणी के पुनर्गठन और विस्तार का प्रस्ताव पारित किया गया। इस दौरान समाजसेवा में सक्रिय भंवर सिंह नरुका (हसनपुर) और जयवीर सिंह (पटाकपुर) को तहसील कार्यकारिणी में शामिल किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि रामनवमी के अवसर पर क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारी तिलक लगाने का कार्यक्रम आयोजित करेंगे। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में समाज की बैठकें आयोजित करने पर भी सहमति बनी। सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा राणा सांगा को लेकर की गई टिप्पणी की बैठक में कड़ी निंदा की गई। इस संबंध में 12 तारीख को आगरा के लिए प्रस्थान करने का निर्णय लिया गया। साथ ही, समाज में एकता बनाए रखने के लिए शपथ भी दिलाई गई। बैठक में युवाओं को शराब और नशाखोरी से दूर रखने के लिए परिवारों से उचित संस्कार प्रदान करने की अपील की गई। इस अवसर पर एडवोकेट नरपत सिंह, जतन सिंह नरूका, कमांडो रामबाबू सिंह शेखावत, पूर्ण सिंह, जयवीर सिंह, भंवर सिंह, रघुवीर सिंह (खोह), राम सिंह (मौजपुर), कृष्ण सिंह, दुष्यंत सिंह, लोकेश सिंह, गोलू सिंह, रोहित सिंह, तनुप्रताप सिंह सहित कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ड्राइविंग ट्रायल ट्रैक खराब, 3 फिटनेस सेंटर भी बंद, वाहन चालकों को हो रही परेशानी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

परिवहन विभाग का ऑटोमेटिक ड्राइविंग लाइसेंस ट्रैक पिछले तीन महीने से खराब पड़ा है, जिससे लाइसेंस बनवाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, शहर के तीन फिटनेस सेंटर भी बंद हो चुके हैं, जिससे वाहन मालिकों को अपने वाहनों की फिटनेस जांच के लिए जयपुर या अजमेर जाना पड़ रहा है। सरकार ने प्रदेश के सभी फिटनेस सेंटरों को 31 मार्च 2025 तक ऑटोमेटिक मशीनों से लैस करने का आदेश दिया था, लेकिन अधिकांश सेंटरों में अब तक मशीनें नहीं लगाई गई हैं। इस कारण से वाहन फिटनेस प्रक्रिया ठप हो गई है। पहले मैन्युअल रूप से वाहनों की जांच की जाती थी, लेकिन अब बिना मशीनों के यह संभव नहीं हो पा रहा है।

ट्रैक खराब, लाइसेंस प्रक्रिया ठप

अलवर आरटीओ में हर महीने 1500 से 2000 ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाते थे, लेकिन ट्रैक खराब होने के कारण यह प्रक्रिया पूरी तरह रुक गई है। 9 जनवरी से हल्के मोटर वाहन व मोटरसाइकिल ट्रायल नहीं हो पा रहे हैं। ट्रैक में तकनीकी समस्या इतनी गंभीर है कि कभी सभी आवेदकों को पास कर देता है तो कभी लगातार फेल कर देता है। परिवहन विभाग ने ट्रैक मेंटेनेंस के लिए जिस कंपनी से अनुबंध किया था, वह केवल एक साल के लिए था और उसकी अवधि समाप्त हो चुकी है। इसके बाद से ट्रैक की मरम्मत नहीं हुई है। इस समस्या को लेकर आरटीओ कार्यालय ने परिवहन विभाग के कमिश्नर को छह बार पत्र लिखे हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है।

फिटनेस सेंटरों की परमिशन पर भी संशय

शहर में मत्स्य फिटनेस सेंटर, अलवर ऑटो मोबाइल और अलवर फिटनेस सेंटर नाम से तीन फिटनेस सेंटर संचालित थे, जहां हर महीने लगभग 500 वाहनों की फिटनेस जांच होती थी। अब इन सेंटरों को बंद कर दिया गया है, क्योंकि सरकार ने केवल जयपुर और अजमेर में ऑटोमेटिक फिटनेस सेंटर खोलने की अनुमति दी है। एक फिटनेस सेंटर संचालक के अनुसार, आधुनिक सेंटर बनाने के लिए करीब 3.5 करोड़ रुपए का खर्च आता है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई स्पष्ट निर्देश नहीं मिले हैं। जब तक गाइडलाइन नहीं आती, तब तक सेंटरों का संचालन शुरू नहीं हो सकता।

समस्या का समाधान कब?

लोगों के लर्निंग लाइसेंस की वैधता समाप्त होती जा रही है, लेकिन परिवहन विभाग न तो ट्रैक की मरम्मत करा रहा है और न ही मैन्युअल ट्रायल की अनुमति दे रहा है। इस मामले की शिकायत केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, वन राज्यमंत्री संजय शर्मा और कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला से भी की गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मुख्यालय को इस समस्या से अवगत करा दिया गया है और जब तक फिटनेस सेंटरों को लेकर कोई नई गाइडलाइन नहीं आती, तब तक वे पूरी तरह बंद रहेंगे। इससे वाहन चालकों की परेशानी बढ़ती ही जा रही है।

विशेष योग्यजन के लिए इलैक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर क्रय के लिए सहायता योजना, 20 अप्रैल तक करें आवेदन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राज्य सरकार द्वारा विशेष योग्यजन को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से इलैक्ट्रिक पावर व्हीलचेयर क्रय हेतु सहायता योजना चलाई जा रही है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक रमेश दहमीवाल ने बताया कि मांसपेशीय दुर्विकार से ग्रसित 40 से 79 प्रतिशत दिव्यांगता वाले "पीला प्रमाण-पत्र" धारक अथवा 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले "नीला प्रमाण-पत्र" धारक विशेष योग्यजन इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। आवेदन करने के लिए पात्र विशेष योग्यजन को 20 अप्रैल 2025 तक ऑफलाइन आवेदन जिला परिवीक्षा एवं समाज कल्याण अधिकारी, खैरथल तिजारा के कार्यालय में जमा करना होगा। आवेदन हेतु पेंशन पीपीओ, आय प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड व जनाधार कार्ड, राशन कार्ड, मूल-निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, फोटो, जन्मतिथि प्रमाण-पत्र होने आवश्यक है।

अलवर जिले में कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी फूलसिंह ओला का कोटकासिम में किया जोरदार स्वागत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

कोटकासिम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव फूलसिंह ओला को अलवर जिले का प्रभारी नियुक्त किए जाने पर कोटकासिम पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया। सरपंच संघ अध्यक्ष कुलदीप सिंह चौधरी के नेतृत्व में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मेवली स्थित कार्यालय में उनका जोरदार स्वागत अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत करते हुए संगठन में नए जोश का संचार किया। इस अवसर पर ओला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता और समर्पण ही पार्टी की असली ताकत है। उन्होंने जिले में संगठन को और मजबूत करने की बात कही और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में स्थानीय कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आस्था यादव ने हासिल की आईबीपीएस प्रोबेशनरी ऑफिसर परीक्षा में सफलता

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में हुआ चयन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

ग्राम चौकी की बेटी आस्था यादव ने अपनी मेहनत और लगन से पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आईबीपीएस प्रोबेशनरी ऑफिसर परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में चयनित होने पर उनके परिवार और गांव में हर्ष का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आस्था यादव पुत्री आदर्श राव (ऑफिस कानूनगो, तहसील कोटकासिम) ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय माता-पिता, दादी कमला यादव (रिटायर्ड टीचर), दादा स्व. लाल सिंह यादव, समस्त परिवार एवं गुरुजनों को दिया। आस्था की इस सफलता पर गांव और परिवार के लोग बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है और परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने इसे आस्था की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का परिणाम बताया। उनका कहना है कि उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा मिलेगी।

भिवाड़ी में बाइक चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में यूआईटी फेज थर्ड थाना पुलिस ने दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भूपेंद्र उर्फ जगपाल सिंह (21) और कुलदीप (20) के रूप में हुई है। भूपेंद्र रेवाड़ी जिले के कसौला थाना क्षेत्र के संगवारी गांव का रहने वाला है और वर्तमान में सांथल्का की चतर कॉलोनी में रह रहा था। वहीं, कुलदीप पलवल जिले के हथीन का निवासी है, जो फिलहाल हरिजन मोहल्ला, सांथल्का में रह रहा था। यूआईटी थानाधिकारी सत्यनारायण ने बताया कि दोनों आरोपी बाबा मोहन राम मेले से चुराई गई बाइक पर बिना नंबर प्लेट लगाए इलाके में घूम रहे थे। क्यूआरटी टीम की सूचना पर पुलिस ने मंशा चौक के पास चेकिंग के दौरान दोनों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है, जिससे अन्य बाइक चोरी की वारदातों का भी खुलासा होने की संभावना है। इस कार्रवाई से शहर में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

लॉजिस्टिक्स हब बनने की ओर अग्रसर राजस्थान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दिवस सात दिवसीय महोत्सव के दौरान जारी की राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025

नीति में आकर्षक छूटों और रियायतों के प्रावधान शामिल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

राजस्थान को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण सुनिश्चित करने के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 जारी की है। यह नीति राज्य में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने और कनेक्टिविटी में वृद्धि करते हुए लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाएगी और राजस्थान को लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करेगी। राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य की भौगोलिक स्थिति इस प्रकार की है कि यहां लगने वाले उद्योग लॉजिस्टिक्स एवं परिचालन लागत को कम रखते हुए निर्यात के साथ-साथ स्थानीय मांग को भी बखूबी पूरा कर सकते हैं। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात के साथ सीमा साझा करते हुए, हमारा राज्य देश के लगभग 40 प्रतिशत बाजार तक पहुंच रखता है। यह भारत के उत्तरी और पश्चिमी भागों के बीच प्रमुख बुनियादी ढांचे की सुविधा के रूप में उद्योगों को कच्चे माल तथा तैयार उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में पूरी तरह से सक्षम है। देश के राष्ट्रीय राजमार्गों का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क और दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क राजस्थान में ही है। इसके अलावा 9

इनलैंड कंटेनर डिपो, 7 एयरपोर्ट और एक एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स हमें लॉजिस्टिक्स और व्यापार के क्षेत्र में मजबूत स्थिति प्रदान कर रहे हैं। राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 राजस्थान की भौगोलिक स्थिति का लाभ लेते हुए औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देगी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाते हुए उद्योगों को भी आगे बढ़ने के भरपूर अवसर प्रदान करेगी।

ईएफसीआई की 25 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी होगी दस वर्षों तक देय

मुख्यमंत्री शर्मा द्वारा जारी राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 में राजस्थान को लॉजिस्टिक्स के लिए पसंदीदा गंतव्य स्थल बनाने के लिए कई आकर्षक प्रावधान किए गए हैं। इनमें कई तरह की विशेष छूट और अनुदान शामिल हैं। वेयरहाउस, साइलो, कोल्ड स्टोरेज, इनलैण्ड कन्टेनर डिपो, कन्टेनर फ्रेट स्टेशन, एयर फ्रेट स्टेशन, कार्गो टर्मिनल, ट्रकर पार्क इत्यादि के लिए 5 से 50 करोड़ रुपए तक इलिजिबल फिक्स्ड कैपिटल इन्वेस्टमेंट (ईएफसीआई) की 25 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी दस वर्षों तक देने का प्रावधान किया गया है।

आर्थिक विकास को गति देंगी 13 नई नीतियां

राज्य सरकार पारदर्शिता, सुशासन और त्वरित नीतिगत सुधारों के माध्यम से राजस्थान को देश का सर्वश्रेष्ठ निवेश गंतव्य बनाने के लिए मजबूती से प्रयास कर रही है। गत सवा साल में प्रदेश के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लिए राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024, राजस्थान एमएसएमई नीति 2024, राजस्थान निर्यात संवर्द्धन नीति, राजस्थान एक जिला एक उत्पाद नीति 2024, एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, राजस्थान AVGC&XR नीति 2024, राजस्थान पर्यटन इकाई नीति 2024, राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024, राजस्थान खनिज नीति 2024, राजस्थान एम-सेण्ड नीति 2024 , राजस्थान टैक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी 2025, राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी 2025, राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी 2025 जैसी 13 नीतियां लाई गई हैं। इन नीतियों को लेकर देशी-विदेशी और स्थानीय, छोटे-बड़े और मध्यम सभी वर्गों के निवेशकों एवं उद्यमियों में अच्छा रुझान देखने को मिला है।

लॉजिस्टिक्स सेक्टर में युवाशक्ति के लिए सृजित होंगे रोजगार के अवसर

राज्य सरकार ने नीति के माध्यम से युवाओं को सक्षम बनाने और उन्हें निजी क्षेत्र में रोजगार के उचित अवसर उपलब्ध कराने के दृष्टिगत भी कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं। इसमें दक्षता एवं प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए कार्मिक प्रशिक्षण की कुल लागत का 50 प्रतिशत पुनर्भरण (अधिकतम 4000 रुपए प्रति वर्कर प्रति माह, 6 माह तक) का प्रावधान शामिल है। तकनीकी उन्नयन के तहत ट्रक ट्रैकिंग उपकरणों की लागत पर प्रति ट्रक 2000 तक 50 प्रतिशत पुनर्भरण, लॉजिस्टिक्स प्रबंधन सॉफ्टवेयर के प्रति इंस्टॉलेशन पर 2 लाख रुपए तक 50 प्रतिशत पुनर्भरण और फायर डिटेक्शन सिस्टम की लागत पर 20 प्रतिशत (अधिकतम 10 लाख रूपए) एकमुश्त पुनर्भरण की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित करने पर मिलेंगी विशेष रियायतें

प्रदेश में लॉजिस्टिक्स पार्क का विकास करने वाले निवेशकों को भी विशेष रियायतें दी गई हैं। निजी मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और एकीकृत लॉजिस्टिक्स पार्क डेवलपर्स को 7 वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान मिलेगा, जिसकी वार्षिक सीमा 50 लाख रुपए होगी। कर एवं शुल्कों में विभिन्न रियायतें भी दी जाएंगी, जिसमें स्टाम्प ड्यूटी पर 75 प्रतिशत छूट और 25 प्रतिशत पुनर्भरण, इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी पर 7 वर्षों तक 100 प्रतिशत छूट, कन्वर्जन ऑफ लैंड चार्जेज पर 75 प्रतिशत छूट और 25 प्रतिशत पुनर्भरण तथा मंडी फीस पर 7 वर्षों तक 100 प्रतिशत छूट शामिल हैं।

आगामी औद्योगिक क्षेत्रों में 10 प्रतिशत भूमि लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के लिए होगी आरक्षित

प्रदेश में अधिक से अधिक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रीको के आगामी औद्योगिक क्षेत्रों में अधिकतम 10 एकड़ अथवा 10 प्रतिशत आवंटन योग्य भूमि लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के लिए ही आरक्षित होगी। नीति में पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहन देने की दिशा में महत्वपूर्ण बिन्दु शामिल हैं। इसमें 12.5 करोड़ रूपये तक हरित प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत ईटीपी, सीईटीपी, औद्योगिक अवशिष्ट का पुनः उपयोग एवं रीसाइक्लिंग, कॉमन स्प्रे ड्रायर आदि पर लागत का 50 प्रतिशत एकमुश्त पुनर्भरण किया जा सकेगा।

नशा मुक्ति केंद्र में युवक से बर्बरता, संचालक पर मारपीट का आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

शहर के न्यू लाइफ नशा मुक्ति केंद्र में एक युवक के साथ बर्बरता का मामला सामने आया है। केंद्र संचालक और उसके साथियों पर युवक को लाठियों और लात-घूंसों से पीटने का आरोप लगा है। इसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मेवात के हसनपुर निवासी मनोज ने बताया कि उसने अपने भाई गुलाब को शराब की लत छुड़वाने के लिए भर्ती कराया था। 1 अप्रैल को केंद्र संचालक रमेश और उसके साथियों ने गुलाब को बेरहमी से पीटा, जिससे वह बेहोश हो गया। मनोज ने भिवाड़ी के हरचंदपुर निवासी पंकज पर भी मारपीट में शामिल होने का आरोप लगाया है। पुलिस को लिखित शिकायत देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। पीड़ित गुलाब ने बताया कि केंद्र में एक युवक ने गलती से गेट खोल दिया, जिससे कुछ लोग बाहर आ गए। इसी बात पर गुस्साए संचालक ने उसे पकड़कर पोल से बांध दिया और लकड़ी से सात बार मारा। गुलाब का आरोप है कि यह नशा मुक्ति केंद्र फर्जी है। यूआईटी थाना अधिकारी सत्यनारायण ने बताया कि अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। वहीं, जिला अस्पताल प्रभारी डॉ. सागर अरोड़ा के अनुसार, भिवाड़ी में केवल तीन नशा मुक्ति केंद्र रजिस्टर्ड हैं, बाकी अवैध हो सकते हैं। यदि शिकायत मिलती है, तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नकली सरसों बनाने के आरोप में 6 आरोपी गिरफ्तार आरोपियों से नकली सरसों बनाने मे मशीने, विद्युत मोटर, छलनी वगैरा की जब्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा किशनगढ़बास

नकली सरसों बनाने के आरोप में 6 आरोपी गिरफ्तार आरोपियों से नकली सरसों बनाने मे काम ली जाने वाली मशीने, विद्युत मोटर छलनी वगैरा की जब्त डी एस पी राजेंद्र सिंह ने बताया की महेंद्र सिंह रावत पुत्र रासा सिंह रावत निवासी जयपुर हाल राज्य प्रमुख नेफेड राज जयपुर ने जनवरी मे खैरथल थाने मे मामला दर्ज कराया की नेफेड द्वारा विभिन्न क्रेयविक्रय सहकारी समिति के माध्यम से किसानों से सरसों खरीद कर राजस्थान राज्य भंडारण निगम कस्बा खैरथल पर सरसों की कुल 151 573 बोरी वजन 7576.40 एम टी जमा की गई थी 4 नवंबर से से 26 नवंबर तक कुल 1,49,383 बोरी वजन 7470.808 एम टी की निकासी की गई है एव भंडार गृह में 2190 बोरी वजन 105.595 एम टी शेष रहा था उक्त बिक्री के दौरान खरीद पार्टियों द्वारा जमा स्टॉक में नकली मिलावटी सरसों का मिश्रण प्राप्त होने की शिकायत पर अधिकारी द्वारा राज्य भंडार गृह खैरथल में संयुक्त जांच की गई भंडार गृह में डिलीवरी संपन्न होने के पश्चात 6 जनवरी 2025 तक कुल 1450 कट्टे से शेष बचे मिलावटी (नकली)नकली स्टॉक का भंडारण कर राज कोष को हानि पहुंचाने का मुकदमा दर्ज किया गया मामले की जांच डीएसपी राजेंद्र सिंह किशनगढ़ द्वारा की गई घटना के संबंध में सूचना मिले पर 6 आरोपी गिरफ्तार किए गए आरोपी माधो चौधरी पुत्र किशन सिंह जाति जाट निवासी खेड़ी रामगढ़, उन्नस खान पुत्र रत्न खान निवासी डहरा का बास अलवर, , साहिल खान पुत्र सॉहुन खान निवासी बझेडी गोविंदगढ़, सुरेश यादव पुत्र सादा राम यादव निवासी धन खेड़ा (अलवर) ओम प्रकाश पुत्र नेमीचंद ब्राहमण निवासी बामबोली (अलवर) सुरेश चौधरी पुत्र कचौड़ी राम निवासी (अलवर) है मिट्टी व केमिकल मिलाकर छलनी से छानकर तैयार करते थे नकली सरसों

पवित्र मनन दीप सत्संग सेवा संस्थान कोटकासिम द्वारा नवरात्रा के विशाल भंडार एवं जागरण का हुआ आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटकासिम

पवित्र मनन दीप सत्संग सेवा संस्थान कोटकासिम द्वारा भूतेश्वर मंदिर में हर वर्ष की भांति नवरात्र में विशाल भंडारे जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुदेव भास्कर भारद्वाज, मुख्य अतिथि एवं गणमान्य लोगों द्वारा दीप प्रज्वलित कर मंत्र उच्चारण के साथ किया गया। वहीं कालू राजा और पार्टी द्वारा एक से बढ़कर एक सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान पंडित वेद प्रकाश शर्मा, विशिष्ट अतिथि नंदलाल जांगिड़ थाना अधिकारी कोटकासिम, योगेश गोयल प्रांत सह संपर्क प्रमुख विश्व हिंदू परिषद, नगर पालिका अध्यक्ष ओम प्रकाश सैनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष यशपाल उर्फ सोलू शर्मा, भाजपा मंडल पूर्व अध्यक्ष रामनिवास यादव, एमपीएस मुन्ना यादव, विश्व हिंदू परिषद जिला सह मंत्री मुकेश सैनी, डॉ0 पंकज सैनी, डॉ0 राजेश सैनी, हीरालाल लखेरा, पंकज पवार, गयाशीराम सैनी, राजेश कुमार, राजकुमार शर्मा, प्रिंसिपल लालसिंह मीणा, देवेंद्र जांगिड़, मोहन योगी, दुर्गेश योगी, अनिल कुमार, लीलू यादव, दीपक गौतम, नूतन भूषण, चरण सिंह यादव, पोनी सोनी, प्रेम गुप्ता, पुनीत कुमार सहित काफी संख्या में श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

तीन बदमाशों ने पुलिस टीम पर किया हमला, पुलिस ने पीछा कर एक बदमाश को दबोचा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा थाना अंतर्गत बुधवार की शाम को तीन बदमाशों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया, पुलिस ने पीछा कर एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है वहीं पुलिस अब अन्य बदमाशों की तलाश कर रही है। तिजारा थाना प्रभारी महेंद्र सिंह ने बताया कि मुखबिर से खबर मिली कि हसनपुर माफी में तीन बदमाशों की मौजूदगी है। पुलिस की टीम गांव के मदरसे के पास पहुंचे तो वहां पर एक क्रेटा कार खड़ी मिली। पुलिस को देखते ही कार चालक ने वाहन तिजारा की तरफ भगा दिया। एस एच ओ ने कार रोकने का इशारा किया इस पर बदमाशों ने उन पर ही कार चढ़ाने का प्रयास किया, एस एच ओ ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। कार में चालक के अलावा अरशद उर्फ लंगड़ा और अजीम उर्फ अज्जी सवार थे। पुलिस ने बदमाशों का पीछा किया, इस दौरान बदमाश कार को तिजारा बाईपास की तरफ ले गए। इस दौरान थाने की गाड़ी को टक्कर लगने से पुलिस की जीत भी क्षतिग्रस्त हो गई, तथा इस दौरान क्रेटा गाड़ी के चालक को एस एच ओ और पुलिस जाब्ता ने घेरा देकर मौके पर ही पकड़ लिया। बदमाश ने अपना नाम राहुल उम्र 30 वर्ष निवासी मिर्जापुर किशनगढ़ बास होना बताया तथा क्रेटा गाड़ी को अजीम उर्फ अज्जी मेव निवासी बाघोर की होना बताया। पुलिस पूछताछ में राहुल ने बताया की अजीम उर्फ अजी तथा अरशद उर्फ लंगड़ा मैं उसे कहा था की वे दोनों कई मुकदमों में थाने से फरार चल रहे हैं तथा चाहे पुलिस को जान से ही क्यों ना मारना पड़े, गाड़ी नहीं रोकनी है। पुलिस पूछताछ में राहुल ने बताया कि स्विफ्ट कर मस्तक में निवासी पालपुर की है जिसको मुस्ताक ही चल रहा है मुस्ताक को अरशद उर्फ लंगड़ा ने गाड़ी भागते समय फोन करके बुलाया था। पुलिस बदमाशों का पीछा करती हुई ग्राम पालपुर पहुंची तथा एक स्विफ्ट कार अलापुर से रूपवास की घाटी में खड़ी होने की सूचना मिली, रात करीब 11.00 बजे पुलिस वहां पर पहुंची तो एक स्विफ्ट कार घाटी में खड़ी हुई मिली। कर को जप्त कर पुलिस थाने लेकर आई है तथा पुलिस फरार तीनों आरोपियों की तलाश सरगर्मी से कर रही है।

चिंतन

भारत के लिए आपदा में अवसर है ट्रंप का टैरिफ

डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार से पूरी दुनिया में दहशत का माहौल है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है तो पाकिस्तान पर 29 फीसदी टैरिफ लगाया है। बांग्लादेश पर ट्रंप ने 37 फीसदी टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने 180 से ज्यादा देशों पर टैरिफ का ऐलान किया है और लगभग सभी देशों ने इससे निपटने की तैयारी भी कर ली है। चीन, जापान और दक्षिण कोरिया तो बाकायदा इसके लिए आपसी गठजोड़ बनाने का ऐलान भी कर चुके हैं। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसे अमेरिका फर्स्ट की और बढ़ता कदम बता रहे हैं, वहीं अर्थशास्त्रियों का कहना है कि यह खुद अमेरिका के लिए घातक कदम होगा। न्यूयॉर्क के एक इन्वेस्टमेंट बैंक एवरकोर का अनुमान है कि अमेरिका में औसत टैरिफ दर बढ़कर 29 फीसदी हो गई है। बजट लैब की एक रिसर्च के अनुसार 1800 के दशक के अंत में टैरिफ 30 फीसदी से ज्यादा था, तब से अब तक यह सबसे ज्यादा है। कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस कदम से 2025 में अमेरिका में मंदी आने की संभावना बढ़ गई है। अनेक देश जवाबी कदम उठा सकते हैं और अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ बढ़ा सकते हैं। इससे वैश्विक व्यापार युद्ध की स्थिति बन सकती है। हालांकि, ट्रंप कह रहे हैं कि यह टैरिफ अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करेगा। जहां तक भारत की बात है तो ट्रंप के इस कदम को देश के लिए कुछ नुकसान तो कुछ फायदे का माना जा रहा है। इस फैसले से भारतीय वस्त्र उद्योग को नुकसान होने की बजाय फायदा हो सकता है। अमेरिका ने वियतनाम, बांग्लादेश और चीन से आने वाले कपड़ों पर भारी टैक्स लगाया है। वियतनाम से आने वाले कपड़ों पर 46, बांग्लादेश पर 37 और चीन पर 34 फीसदी टैक्स लगाया गया है। इसके मुकाबले भारत को कम टैक्स देना पड़ रहा है, जिससे भारतीय टेक्सटाइल कंपनियों को फायदा मिल सकता है। हालांकि, भारतीय टेक्सटाइल उद्योग का योगदान देश की जीडीपी में केवल 2 फीसदी है, जबकि बांग्लादेश के लिए यह 11 और वियतनाम के लिए 15 प्रतिशत है। भारत अमेरिका को मुख्य रूप से दवाएं, टेलीकॉम उपकरण, रत्न और आभूषण, पेट्रोलियम उत्पाद, सोना और सूती वस्त्र बेचता है। अमेरिका भारत से इन सामानों की बड़ी मात्रा में खरीदारी करता है, जिससे भारतीय उद्योगों को अच्छी कमाई होती है। दूसरी ओर, भारत अमेरिका से कच्चा तेल, कोयला, पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी और एयरोस्पेस से जुड़े उपकरण खरीदता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार संतुलन में हमेशा असमानता रही है, क्योंकि भारत अमेरिका को ज्यादा सामान बेचता है और वहां से कम सामान खरीदता है। इस नए टैक्स का सबसे ज्यादा असर भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और रत्न-आभूषण उद्योग पर पड़ेगा। अमेरिका हर साल भारत से लगभग 14 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स और 9 अरब डॉलर के गहने और रत्न खरीदता है। अब 27 फीसदी टैक्स लगने से भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिका में अपने उत्पाद बेचना महंगा हो जाएगा। इससे निर्यात में गिरावट आ सकती है और इन उद्योगों में काम करने वाले लाखों लोगों की नौकरियों पर भी असर पड़ सकता है। ट्रंप के फैसले से पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश के कपड़ा उद्योग पर भी संकट हो सकता है। हालांकि भारत की स्थिति बेहतर है। यह आपदा में अवसर जैसा है। हम चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान और वियतनाम के अमेरिका निर्यात को अपने पाले में ला सकते हैं, जिससे देश में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

विमर्श

विनोद पाठक

क्या योगी आदित्यनाथ दे रहे कोई संकेत!

भाजपा समर्थक अक्सर यह नारा देते हैं कि मोदी के बाद योगी। नरेंद्र मोदी के बाद योगी आदित्यनाथ को देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में एक बड़ा वर्ग प्रोजेक्ट करता आ रहा है। पिछले 8 साल से योगी आदित्यनाथ आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की कमान संभाल रहे हैं। कानून-व्यवस्था के साथ विकास के एक नए मॉडल के रूप में उन्होंने उत्तर प्रदेश को पेश किया है, लेकिन अपनी सरकार के 8 साल पूरे होने पर एक साक्षात्कार में योगी आदित्यनाथ ने यह कहते हुए सबको चौंका दिया कि राजनीति उनके लिए महज एक कोई फुल टाइम जॉब नहीं है, असल में वह एक योगी हैं, जब तक वह यहां हैं, काम कर रहे हैं। आखिर इस बयान के पीछे योगी आदित्यनाथ की क्या मंशा हो सकती है? यह सत्य है कि वह गोरखनाथ मठ के गोरक्षपीठाधीश्वर हैं और अक्सर लखनऊ छोड़कर गोरखपुर में अपने मठ चले जाते हैं। यह सिलसिला उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद भी जारी है। उनका यह बयान क्या उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देख रहे समर्थकों के लिए एक झटका है या भारतीय जनता पार्टी के अंदर चल रही अंदरूनी खींचतान या वो संघ और पार्टी को कोई संकेत दे रहे हैं? वर्तमान में योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व का बड़ा चेहरा है। फायर ब्रांड नेता हैं। देशभर में भाजपा उन्हें प्रचार के लिए भेजती है और उनकी सबसे अधिक डिमांड रहती है। अपने सख्त प्रशासनिक कौशल को लेकर उनकी एक बड़ी फैन फॉलोइंग है। यही कारण है कि वह उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार बहुमत की सरकार चला रहे हैं। वह जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं, लेकिन क्या ऊपर से जो दिख रहा है, वो उतना सरल है? शायद नहीं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव पर यदि नजर दौड़ाएं तो उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को सबसे बड़ा धक्का लगा था। यह माना गया कि योगी आदित्यनाथ के बढ़ते कदमों को रोकने के लिए पार्टी के भीतर ही राजनीतिक खेल चले और प्रदेश में पार्टी की सीटें सिमटकर रह गईं। योगी आदित्यनाथ के सुझाए नेताओं को टिकट नहीं मिला। आदित्यनाथ का एक लंबा राजनीतिक करियर है। वर्ष 1998 में महज 26 साल की उम्र में वह गोरखपुर से सांसद चुनकर लोकसभा में पहुंचे थे। उन्होंने लगातार पांच लोकसभा चुनावों में गोरखपुर से जीत हासिल की। उनका अंदाज आज भी नहीं बदला है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि योगी आदित्यनाथ को लेकर भारतीय जनता पार्टी का रुख क्या है? आज उत्तर प्रदेश एक बीमारू राज्य न होकर सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। पिछले दिनों प्रयागराज में सफल महाकुंभ मेले के आयोजन बाद योगी आदित्यनाथ की फैन फॉलोइंग और बढ़ गई है। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनाने की बात कह रहे हैं। अपराध मुक्त और समृद्ध उत्तर प्रदेश का सपना दिखाकर योगी आदित्यनाथ दिल्ली की कुर्सी पर नजर रखते हैं, ऐसा उनके विरोधी भी मानते हैं। वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी के प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव में एक साक्षात्कार में कहा था कि यदि योगी आदित्यनाथ दोबारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनते हैं तो वह प्रधानमंत्री पद के दावेदार हो जाएंगे। उनके आलोचक कहते हैं कि योगी आदित्यनाथ की रुचि लखनऊ से अधिक गोरखपुर के गोरखनाथ मठ में रहती है। क्या यह माना जाए कि योगी आदित्यनाथ कोई संकेत दे रहे हैं? क्या उत्तर प्रदेश या कहें कि भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में कुछ उथल-पुथल चल रही है, जो बाहर से नहीं दिख रही है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नागपुर में संघ मुख्यालय गए थे। वहां क्या चर्चा हुई? यह स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन योगी आदित्यनाथ का यह बयान उसके बाद ही आया है। हालांकि, योगी आदित्यनाथ संघ के हर पैमाने पर फिट बैठते हैं। उन्हें राजनीति का लंबा अनुभव है। शासन चलाने का कौशल वह जानते हैं। हिंदुत्व का बड़ा चेहरा हैं। क्या यह मान लिया जाए कि योगी आदित्यनाथ ने यह जो बयान दिया है, वो महज अकस्मात है। वह केवल यह बता रहे हैं कि जब तक उन्हें दायित्व मिलता रहेगा, वह राजनीति करते रहेंगे।फिलहाल उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ को विपक्ष की ओर से कोई बहुत बड़ी चुनौती मिलती नहीं दिख रही है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं और योगी आदित्यनाथ तीसरी बार फिर विपक्ष से दो-दो हाथ करते हुए नजर आने वाले हैं। आज की तारीख में वह बेहद मजबूत स्थिति में नजर आते हैं। स्पष्ट है कि योगी आदित्यनाथ राजनीति को भले फुल टाइम जॉब न कहें, लेकिन उन्होंने पार्टी और संघ को इशारों में कुछ संकेत जरूर दिया है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

तालाब आज भी हमारी धरोहर

विचार

डॉ. संजय शुक्ला

सुप्रसिद्ध गांधीवादी और पर्यावरणविद् अनुपम मिश्र की साल 1993 में लिखी किताब " आज भी खरे हैं तालाब" आज के परिदृश्य में सबसे ज्यादा प्रासंगिक किताब है। इस किताब में छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश सहित अनेक राज्यों के विभिन्न कथानकों को तालाबों से जोड़कर शब्द का आकार दिया गया है। देश के अनेक शहरों का नामकरण और पहचान जहां वहां के तालाबों के नाम पर है वहीं शहरों, कस्बों और गांवों के मोहल्लों की के नाम भी वहां के तालाबों पर है। हालांकि शहरीकरण और व्यवसायीकरण के चलते तालाबों की जगह अब वहां पर रिहायशी और व्यवसायिक कॉम्पलेक्स तन चुके हैं। हालांकि शहरीकरण और व्यवसायीकरण के चलते तालाबों की जगह अब वहां पर रिहायशी और व्यवसायिक कॉम्पलेक्स तन चुके हैं। दूसरी ओर अनेक तालाबों के नाम उनके बनवाने वाले शासकों, राजाओं - महाराजाओं, जातियों - समुदायों या धार्मिक- मजहबी परंपराओं से जोड़ कर रखे गए हैं जो हमारे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से हमें स्मृतिबोध कराते हैं। देश में तालाबों के खत्म होने और उनकी दुर्दशा पर पर्यावरणविद् अनुपम मिश्र ने ठीक ही लिखा है " सैकड़ों, हजारों तालाब अचानक शून्य से प्रकट नहीं हुए थे, उनके पीछे एक इकाई थी बनवाने वालों की , तो दहाई थी बनाने वालों की। पिछले दो सौ बरसों में नए किस्म की पढ़ाई पढ़ गए समाज ने इस इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार को 'शून्य' ही बना दिया "। दरअसल यह कटाक्ष उस तथाकथित सभ्य समाज के लिए है जिसने सबसे ज्यादा असभ्यता उन्हीं नदियों, तालाबों - पोखरों के प्रति दिखाई है जिनके सभ्यता का विकास इन्हीं के गोद में हुआ है। लिहाजा आज की पीढ़ी को यह किताब जरूर पढ़ना चाहिए ताकि वे तालाबों के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को जान सकें।

रायपुर का 600 साल पुराना बूढ़ातालाब एक बार फिर से सुर्खियों में है शहर के महापौर ने इस तालाब में हो रहे चौपाटी निर्माण पर सख्त ऐतराज जताते हुए शहर के धरोहर से खिलवाड़ नहीं होने का ऐलान किया था लेकिन इस ऐलान के बावजूद निर्माण एजेंसी द्वारा काम बंद नहीं करने पर नागरिक संगठनों द्वारा धरना- प्रदर्शन किया जा रहा है। अलबत्ता यह पहला मौका नहीं है जब बूढ़ातालाब के सौंदर्यीकरण के आड़ में इसके व्यवसायीकरण के खिलाफ नागरिकों और राजनीतिक दलों ने आंदोलन किया हो बीते दशकों के दौरान इस तालाब के लिए दर्जनों धरना प्रदर्शन हुए हैं और मामला अदालत में भी पहुंचा है लेकिन अभी भी यह तालाब हर सरकार और नगरीय प्रशासन के लिए प्रयोगशाला बना हुआ है। गौरतलब है कि इस तालाब से जहां शहर का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत जुड़ा हुआ है वहीं इसके नजदीक गर्ल्स स्कूल और कॉलेज हैं जहां के शैक्षणिक माहौल पर विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना है। रायपुर शहर में बूढ़ातालाब ही इकलौता तालाब नहीं है जो अपने अस्तित्व बचाने के लिए जद्दोजहद कर रहा हो बल्कि अमूमन सभी तालाब अवैध कब्जों के चपेट में हैं। नवा रायपुर का झांझ व सेंध जलाशय के तट को सौंदर्यीकरण और वॉटर स्पोर्ट्स योजना के नाम पर पाटा जा रहा है बाद में यहां पर चौपाटी बनाकर व्यवसायिक गतिविधियां भी संचालित होने की पूरी संभावना है। आश्चर्यजनक यह कि सत्ता और प्रशासन में बैठे जिम्मेदारों को एनजीटी और वेटलैंड अथॉरिटी के निर्देशों की तनिक भी परवाह नहीं है। दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका पर दिए गए आदेश के परिप्रेक्ष्य में रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के अनेक शहरों में तालाबों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। आश्चर्यजनक तौर पर राजधानी रायपुर में आधा दर्जन तालाब अवैध कब्जे की वजह से नक्शे से गायब हो चुके हैं तो बाकी तालाबों पर बीते दस सालों के दौरान 60 फीसदी कब्जा हो चुका है।

बहरहाल तालाबों पर हो रहे अवैध कब्जों के मामले सामने आने पर राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ' एनजीटी ' ने सरकार से रिपोर्ट तलब किया है। एनजीटी के निर्देश पर सूबे के नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी नगरीय निकायों को पत्र लिखकर तालाबों से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया है। हालांकि इस पत्र पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है लेकिन जानकारी के मुताबिक राज्य के 122 तालाबों पर लोगों ने अवैध कब्जा कर कहीं घर, दुकान, होटल या स्कूल बना लिया है। ऐसा नहीं है कि सरकार और प्रशासन ने इन तालाबों के संरक्षण और स्वच्छता की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया हो। पूर्ववर्ती मध्यप्रदेश और वर्तमान छत्तीसगढ़ के सरकारों ने तालाबों के संरक्षण के लिए 'सरोवर हमारी धरोहर' जैसे अनेक जन अभियान भी चलाया था इसके अलावा अनेक तालाबों में करोड़ों रुपए खर्च कर सफाई अभियान चलाया बावजूद राज्य में तालाबों की संख्या लगातार घट रही है। अलबत्ता तालाबों और पोखरों के खत्म होने का नतीजा यह हो रहा है कि शहरों, कस्बों और गांवों में भू-जल स्तर लगातार गिरते जा रहा है फलस्वरूप लोगों को गर्मियों में भीषण पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है वहीं आम निस्तारी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। दरअसल तालाब आज भी एक बड़ी आबादी और मवेशियों के दैनंदिन निस्तारी के प्रमुख साधन हैं लेकिन गर्मियों में तालाबों के सूखने की वजह से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है वहीं पालतू और वन्य पशु भी प्यास से बेहाल शहरों की ओर पलायन के लिए विवश हो जाते हैं।

देश में पेयजल की स्थिति पर गौर करें तो भारत में सोलह करोड़ लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिल पाता, पच्चीस करोड़ से ज्यादा लोगों को पानी के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।भारत में जल संकट बढ़ने का एक प्रमुख कारण यह है कि हम वर्षाजल का बहुत कम संरक्षण कर पाते हैं।दरअसल तालाब, पोखर और झील जल संरक्षण के प्रमुख साधन हैं लेकिन शहरों में बेतहाशा कांक्रीटीकरण, अवैध कब्जों, बरसाती नालों के रास्ते अवरूद्ध होने, तालाबों में सौंदर्यीकरण के नाम पर कांक्रीटीकरण, तलहटी में गाद इकट्ठा होने, जलकुंभियों एवं अन्य अपशिष्टों की वजह से तालाबों की प्राकृतिक रिचार्ज क्षमता और जलसंग्रहण दोनों प्रभावित हो रहा है। प्रशासन और एनजीटी के तमाम बंदिशों के बावजूद लोग कृत्रिम रंगों से बने प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों, प्लास्टिक, थर्मोकोल, पूजा - अनुष्ठान के विसर्जन सामाग्रियों को तालाब में ही विसर्जित कर रहे हैं फलस्वरूप तालाबों के सेहत पर घातक प्रभाव पड़ रहा है।

बहरहाल तालाब केवल जलसंरक्षण और निस्तारी के ही माध्यम नहीं हैं बल्कि इनका सदियों से आध्यात्मिक, सामुदायिक और व्यवसायिक महत्व रहा है। व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक अनेक रस्मों - रिवाज और कर्मकांड इन्हीं तालाबों में संपन्न होते हैं। तालाब गंगा - जमुनी तहजीब का भी प्रतीक है जहां हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के लोग अपनी अनेक परंपराओं और पर्वों को मनाते हैं। अलबत्ता अनेक तालाबों की मान्यता है कि इनमें डूबकी लगाने से कई प्रकार के चर्मरोग ठीक हो जाते हैं। हालांकि इस मान्यता के पीछे प्रमुख वजह ऐसे तालाबों के पानी में औषधि महत्व वाले सल्फर जैसे रसायनों का उपस्थित होना है।तालाबों में पैदा होने वाले वनस्पति और फूल लोगों के जीविकोपार्जन के प्रमुख साधन हैं। भारत के किसानों के लिए तालाबों में मत्स्य पालन आज आर्थिक विकास और आजीविका का प्रमुख जरिया बन चुका है । इसके अलावा कृषि प्रधान देश में तालाब खेती के लिए सिंचाई का अहम स्त्रोत है जिससे देश की जीडीपी जुड़ी हुई है। बहरहाल आसन्न जल संकट के मद्देनजर सरकार और समाज को तालाबों के संरक्षण की दिशा में दृढ़ इच्छाशक्ति प्रदर्शित करनी होगी अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब भविष्य की पीढ़ी पानी के भयावह संकट के लिए अपनी पुरानी पीढ़ी को दोषी ठहराए आखिरकार " जल है तो कल है"।

जीवन-ऊर्जा बाहर की तरफ यात्रा कर रही है

संकलित

दर्शन

हम दीपावली अमावस की रात को मनाते हैं! दीयों की पंक्तियां बाहर जला लेते हैं, पर दीये तो भीतर नहीं जा सकते। भीतर की अमावस तो अमावस ही रहेगी। धोखे छोड़ो! इसे स्वीकार करो कि तुम बुझे हुए दीपक हो। अपने ही कारण तुम बुझे हुए हो। अपने ही कारण भीतर प्रकाश नहीं जागा। कहां चूक हो गई है? वस्तुतः हमारी सारी जीवन-ऊर्जा बाहर की तरफ यात्रा कर रही है। इस बहिर्यात्रा में ही हम भीतर अंधेरे में पड़े हैं। यह ऊर्जा भीतर की तरफ लौटे तो यही ऊर्जा प्रकाश बनेगी। तुम्हारा सारा प्रकाश बाहर पड़ रहा है। सबको देख लेते हो, अपने प्रति अंधे रह जाते हो। जिसने स्वयं को न देखा, उसने कुछ भी न देखा। तुम्हारे भीतर का दीया कैसे जले, सच्ची दीपावली कैसे पैदा हो? उसके सूत्र हैं बड़े मधु-भरे! पीओगे तो जी उठोगे। ध्यान धरोगे इन पर, संभल जाओगे। डुबकी मारोगे इनमें, तो तुम जैसे हो वैसे मिट जाओगे और तुम्हें जैसा होना चाहिए, वैसे ही प्रकट हो जाओगे। सूत्र यह है कि जिस प्रकाश को तुम खोज रहे हो, वह तुम्हारे भीतर बैठा है। तुम्हारी खोज के कारण ही तुम उसे नहीं पा रहे हो। तुम दौड़े जाते हो। थकते हो, गिरते हो। जिसे तुम खोजने चले हो, उस मालिक ने तुम्हारे घर में बसेरा किया हुआ है। तुम जिसे खोजने चले हो, वह अतिथि नहीं है, आतिथेय है। खोजने वाले में ही छिपा है। वह जो गंतव्य है, कहीं दूर नहीं, कहीं भिन्न नहीं, गंता की आंतरिक अवस्था है। अगर उसे देखना हो, उसके प्रति चैतन्य से भरना हो तो आंखें उलटाना सीखना पड़ेगा। यही ध्यान है। ध्यान साधारणतया दृश्य से जुड़ा है।

जब हमसे कोई गलती हो जाए तो उसे स्वीकारें

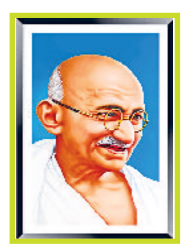

संकलित

प्रेरणा

महात्मा गांधी के बचपन का चर्चित किस्सा है। जब गांधी जी छोटे थे, तब एक दिन उन्होंने अपने ही घर में चोरी कर ली थी। इस बारे में गांधी जी ने भी खुद जिक्र किया था। बालक मोहनदास ने बड़े भाई के सोने के कड़े में से कुछ सोना निकाल लिया था। मोहनदास अपनी कुछ जरूरतें पूरी करना चाहते थे, जिसके लिए उन्हें धन की जरूरत थी। उन्होंने चोरी कर ली, लेकिन बाद अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्हें बहुत पछतावा हुआ। वे सोचने लगे कि अब इस गलती को किसके सामने स्वीकार किया जाए? मोहनदास ने पिता के सामने गलती स्वीकार करने का निश्चय किया। उन्हें डर भी लग रहा था कि अगर चोरी के बारे में बताऊंगा तो सजा भी मिलेगी। मोहनदास ने डरते-डरते अपने पिता को एक चिट्ठी लिखी, चिट्ठी में उन्होंने अपनी गलती के बारे में लिखा था। जब मोहनदास के पिता को चिट्ठी मिली तो उन्होंने उसे पढ़ा। चिट्ठी में पूरी बात लिखने के साथ ही लिखा था कि मैंने गलती की है और मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूं, मैं इसकी सजा मानने के लिए भी तैयार हूं। जैसे ही मोहनदास के पिता ने चिट्ठी पढ़ी तो उनकी आंखों से आंसु आ गए और वे मौन हो गए। जबकि मोहनदास ने सोचा था कि पिता से डांट पड़ेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। पिता के मौन ने गांधी जी की सोच बदल दी, इस घटना के बाद से ही संसार को महात्मा गांधी के रूप में सबसे ईमानदार व्यक्ति मिल गया।

अंतर्मन

आज की पाती

हमारा देश चीन से मुकाबला कैसे करेगा?

हमें यह भी समझना होगा कि आखिर क्यों चीन आर्थिक स्थिति में हमसे मजबूत है? जबकि सन 1990 तक हमारा देश और चीन विकास के मामले में लगभग एक धरातल पर खड़े थे, लेकिन उसके बाद चीन आगे क्यों बढ़ता गया और हमारा देश इससे पिछड़ता गया। अब दोनों की अर्थव्यवस्थाओं में एक खाई क्यों पट चुकी है? इसका कारण यह है कि हमारा देश जातिवाद, धर्म के नाम पर आरक्षण के दलदल में धंसता गया, मुफ्तखोरी और रेवड़ी संस्कृति हमारे देश में फलने फूलने लगी, कृषि प्रधान होने के बावजूद देश में लोगों की रुचि कृषि से घटती गई, नागरिकों की भी रुचि चाईना के सामान की तरफ बढ़ती गई और सरकारों की गलत नीतियों के कारण चीन का व्यापार हमारे देश में मजबूत होता चला गया। उधर चीन मजबूत होकर उभरा। चीन से मुकाबले के लिए ठोस रणनीति बनानी होगी। – *गोविंद रावत, धमतरी*

ट्रेंड

रामायण का आकर्षक प्रदर्शन

थाई रामायण, रामकियेन का आकर्षक प्रदर्शन देखा। यह वास्तव में समृद्ध अनुभव था जिसने भारत और थाईलैंड के बीच साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। रामायण वास्तव में एशिया के इतने सारे हिस्सों में दिलों और परंपराओं को जोड़ता है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अटल कैंटीन

झुग्गी-झोपड़ी क्लस्टरों में 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का संकल्प पूरा करने के लिए अटल कैंटीन के लिए 100 करोड़ का बजट आवंटित किया। अटल जी की जन्म शताब्दी पर 100 स्थानों पर कैंटीन खोली जाएंगी।

- रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

प्रधानमंत्री जवाब दें

प्रधानमंत्री जवाब दें कि सरकार चीन द्वारा अतिक्रमण किए 4,000 वर्ग किलोमीटर को कैसे वापस लेगी या अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक रूप से विनाशकारी 26% टैरिफ का जवाब कैसे देगी?

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

लोग बदलाव तलाश रहे

भारत रचनात्मकता से भरपूर है। सिर्फ तथाकथित 'पिरामिड' के शीर्ष पर ही नहीं बल्कि निचले स्तर पर भी, जहां लोग सक्रिय रूप से बदलाव की तलाश कर रहे हैं। एआई दुनिया की पहली सच्ची लोकतांत्रिक तकनीक है।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से हंगरी की हटने की योजना

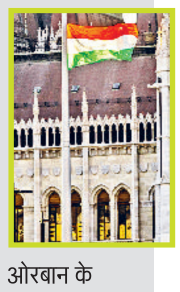

हंगरी ने गुरुवार को कहा कि वह युद्ध अपराध और जनसंहार के लिए दुनिया के एकमात्र स्थायी वैश्विक न्यायाधिकरण से हटने की प्रक्रिया शुरू करेगा। प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान के चीफ ऑफ स्टाफ गेरगेली गुलेयास ने एक संक्षिप्त बयान में कहा, 'हंगरी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से हटेगा। सरकार संवैधानिक और अंतरराष्ट्रीय कानूनी ढांचे के अनुसार बृहस्पतिवार को वापसी की प्रक्रिया शुरू करेगी।' यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट पहुंचे हैं। गाजा पट्टी में युद्ध के लिए उनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट जारी है। ओरबान के नेतृत्व वाली हंगरी की सरकार ने नवंबर में नेतन्याहू को यह निमंत्रण दिया था, वहीं नीदरलैंड के हेग स्थित आईसीसी ने मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोप में उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। नेतन्याहू के करीबी सहयोगी ओरबान ने गिरफ्तारी वारंट को 'निंदनीय' करार दिया था।

ऑफ बीट

अमेरिका की योजना युद्ध के लिए रोबोट तैयार करने की

अमेरिका की रेप्लिकेटर पहल का उद्देश्य सेना की सभी शाखाओं के लिए अत्यधिक संख्या में किफायती प्रणालियों का उत्पादन करने के वास्ते रक्षा और अन्य तकनीकी कंपनियों के साथ समन्वय करना है। पिछले करीब एक दशक के आसपास विभिन्न स्तरों में स्वतंत्र संचालन के लिए सक्षम सैन्य प्रणालियाँ तेजी से सामान्य हुई हैं। लेकिन अमेरिकी घोषणा स्पष्ट करती है कि युद्ध का भविष्य बदल गया है : लड़ाके रोबोट का दौर आ गया है। विचार को हकीकत में बदलने का समय आ गया है। बीते दशक में, सैन्य उद्देश्यों के लिए उन्नत रोबोटिक प्रणालियों का खासा विकास हुआ है। इनमें से कई तो परिवर्तित वाणिज्यिक प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं, जो स्वयं अधिक सक्षम, सस्ती और व्यापक रूप से उपलब्ध हो गई है। हाल ही में, ध्यान इस बात पर प्रयोग करने पर केंद्रित हो गया है कि युद्ध में इनका सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जाए। यूक्रेन में रूस के युद्ध ने दिखा दिया है कि वास्तविक दुनिया में तैनाती के लिए प्रौद्योगिकी तैयार है। बख्तरबंद वाहनों और तोपखाने का पता लगाने और उन पर हमला करने के लिए रोबोट हवाई वाहन का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है।

छात्राओं को एसपी कार्यालय व पुलिस थाने का करवाया भ्रमण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

स्टूडेंट पुलिस कैडेट योजना के तहत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हसोरा की 41 छात्राओं को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय और कोटपूतली थाने का भ्रमण कराया गया। एसपी राजन दुष्यंत के निर्देशानुसार और एएसपी वैभव शर्मा के सुपरविजन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसपीसी प्रभारी कुसमलता यादव, स्टाफ सदस्य लक्ष्मी यादव और एचटीयू प्रभारी हेड कांस्टेबल कविता की देखरेख में छात्राओं को पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। इस दौरान उन्हें राजकॉप एप के 'नीड हेल्प' फीचर, पोक्सो एक्ट, महिला सुरक्षा कानून, गुड टच-बैड टच, साइबर अपराध से बचाव, आत्म-कौशल शिविर और यातायात नियमों की जानकारी दी गई। इसके अलावा, छात्राओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के महत्व के बारे में बताया गया, जिससे वे किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता प्राप्त कर सकें। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को कानून व्यवस्था और सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था, जिससे वे आत्मनिर्भर और सतर्क नागरिक बन सकें।

नल कनेक्शन के लिए अब नहीं लगाने होंगे विभाग के चक्कर, ऑनलाइन करना होगा आवेदन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

नल कनेक्शन लेने वालों के लिए राहत की खबर है। अब जलदाय विभाग के दफ्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी। नल कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा और 8100 रुपए शुल्क अदा करना होगा। जलदाय विभाग ने इस काम के लिए फर्म का टेंडर जारी कर दिया है और जल्द ही वर्क ऑर्डर जारी किया जाएगा। नए नियमों के तहत नल कनेक्शन के लिए मकान मालिक होना भी अनिवार्य नहीं होगा। इच्छुक व्यक्ति जल मित्र पोर्टल या मोबाइल ऐप के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा, ईमित्र केंद्रों के जरिए भी आवेदन संभव होगा। आवेदन के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी या पासपोर्ट जैसे दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद जलदाय विभाग स्वयं सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करेगा। विभाग ही रोड कटिंग, पाइप फिटिंग, मीटर लगाने और कनेक्शन जोड़ने का कार्य करेगा। विभाग के एक्सईएन संजय सिंह के अनुसार, नल कनेक्शन के लिए चुनी गई फर्म का टेंडर पूरा हो चुका है और एक सप्ताह में वर्क ऑर्डर जारी कर दिए जाएंगे। इस नई प्रक्रिया से आमजन को विभागीय प्रक्रियाओं की उलझनों से राहत मिलेगी और नल कनेक्शन की प्रक्रिया सुगम व तेज हो जाएगी।

शहर में सरस डेयरी के निशुल्क दूध जांच शिविर शुरू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर में सरस डेयरी द्वारा निशुल्क दूध जांच शिविरों की शुरुआत शुक्रवार से हजूरी गेट से होगी। यह शिविर सुबह 7.30 बजे से दोपहर 10.30 बजे तक संचालित होगा। इस पहल के तहत विभिन्न स्थानों पर शिविर लगाए जाएंगे, जहां उपभोक्ता अपने दूध की गुणवत्ता की जांच करा सकेंगे। 5 अप्रैल को कचहरी रोड स्थित सांदीपन स्कूल के सामने, 6 अप्रैल को पुलिस लाइन पीलखाना, 7 अप्रैल को गायत्री मंदिर, 8 अप्रैल को शाहजी का कुआं मिलिट्री हॉस्पिटल के पास, 9 अप्रैल को पंचवटी पार्क के पास, 10 अप्रैल को खोहरा मोहल्ला नंगली सर्किल, 11 अप्रैल को रोजगार कार्यालय आकाशवाणी, 12 अप्रैल को स्कीम नंबर 8 बीएल हॉस्पिटल के पास, 13 अप्रैल को विवेकानंद नगर चौराहा, 14 अप्रैल को मालवीय नगर पंडित जी की दुकान और 15 अप्रैल को जगन्नाथ मंदिर में यह शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में दूध की जांच कराने वाले उपभोक्ताओं को उसकी सही गुणवत्ता की जानकारी मिलेगी, जिससे मिलावटी और शुद्ध दूध की पहचान करना आसान होगा।

यूआईटी ने हनुमान सर्किल से बख्तल की चौकी तक सफाई व्यवस्था को दी मंजूरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर शहर की पुरानी दिल्ली रोड को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में नगर विकास न्यास (यूआईटी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यूआईटी ने हनुमान सर्किल से बख्तल की चौकी तक सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ-साथ इस मार्ग पर डिवाइडर पर रोड लाइट लगाने की योजना को मंजूरी दे दी है। इस कार्य के लिए 4 करोड़ 29 लाख 20 हजार रुपए की स्वीकृति जारी की गई है। अब तक यह मार्ग नगर निगम की सीमाओं से बाहर होने के कारण सफाई व्यवस्था से वंचित था, जिससे आने-जाने वाले लोगों को धूल और गंदगी का सामना करना पड़ता था। यह मार्ग दिल्ली, आगरा, हरियाणा, यूपी, जयपुर और भरतपुर से आने वाले वाहनों का मुख्य प्रवेश द्वार है। ऐसे में इस रोड की अनदेखी से शहर की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। यहां डिवाइडर के दोनों ओर लगातार मिट्टी जमा रहने से धूल उड़ती रहती थी, जिस पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) भी कई बार जिला प्रशासन को निर्देश दे चुका है। यूआईटी द्वारा अब 36 लाख रुपए वार्षिक की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है, जिससे नियमित सफाई व्यवस्था कायम की जाएगी। साथ ही डिवाइडर पर सजावटी पोल और डेकोरेटिव लाइट्स भी लगाई जाएंगी। यह कार्य जल्द ही शुरू किया जाएगा। यह पूरी योजना लगभग 8 किलोमीटर लंबी सड़क पर लागू होगी। इस मार्ग पर सूर्यनगर, वैशाली नगर, अंबेडकर नगर समेत कई यूआईटी की आवासीय योजनाओं और निजी बिल्डर्स की कॉलोनियों के निवासियों का रोजाना आना-जाना होता है। इसके अलावा एमआईए औद्योगिक क्षेत्र के भारी वाहनों की आवाजाही भी इसी रोड से होती है। लेकिन अब तक पूरे रास्ते में एक भी डिवाइडर पर रोड लाइट नहीं थी, जिससे रात के समय अंधेरा और असुरक्षा बनी रहती थी। यूआईटी सचिव धायगुडे स्नेहल नाना के अनुसार, हनुमान सर्किल से केसरोली मोड़ के पास बगड़ तिराहे तक डिवाइडर पर लाइट लगाई जाएगी। इस कार्य से न केवल सफाई व्यवस्था में सुधार आएगा बल्कि रात के समय मार्ग की रोशनी से आवागमन भी सुरक्षित और सुगम हो जाएगा।

घर के बाहर खड़ी कार का शीशा तोड़ 90 हजार की नकदी और बंदूक चोरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

वैशाली नगर थाना क्षेत्र के सूर्य नगर जैन मंदिर के पास एक घर के बाहर खड़ी कार से अज्ञात बदमाशों ने नकदी और लाइसेंसी बंदूक चोरी कर ली। बदमाशों ने कार का शीशा तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। थानाधिकारी गुरुदत्त सैनी ने बताया कि सूर्य नगर निवासी कुलदीप सरदार ने इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल की रात उनकी कार घर के बाहर खड़ी थी, जिसमें करीब 80 से 90 हजार रुपए नकद और एक लाइसेंसी बंदूक रखी थी। बदमाशों ने कार का शीशा तोड़कर नकदी और बंदूक चुरा ली और मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि बदमाशों की पहचान हो सके। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

बाबा बालनाथ आश्रम का निरीक्षण, तैयारियों को लेकर अधिकारियों ने दिए आवश्यक निर्देश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

आगामी 06 अप्रैल को बावड़ी स्थित बाबा बालनाथ आश्रम में प्रस्तावित केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संभावित दौरे की तैयारियों को लेकर गुरुवार को विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, संभागीय आयुक्त पूनम, आईजी अजयपाल लांबा, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल और एसपी राजन दुष्यंत ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सभा स्थल, सुरक्षा प्रबंध, यातायात नियंत्रण, पार्किंग, पेयजल, विद्युत आपूर्ति और चिकित्सा सुविधाओं सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की बारीकी से समीक्षा की गई। संभागीय आयुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी तत्परता बरतने के निर्देश दिए।

व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने मंदिर परिसर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों व आश्रम कमेटी को समन्वय से कार्य करते हुए सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने को कहा। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था और आमजन की सहूलियत के लिए अन्य व्यवस्थाएं पुख्ता रखने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त पूनम ने कहा कि आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है, ऐसे में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान भी अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। आईजी अजयपाल लांबा ने कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वीआईपी आगमन और आमजन की सुविधा के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद होनी चाहिए। यातायात नियंत्रण और रूट डायवर्जन की प्रभावी योजना बनाई जाए ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने आयोजकों और संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए छाया, पेयजल और बैठने की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। चिकित्सा सुविधाओं के तहत एंबुलेंस और प्राथमिक चिकित्सा दल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। एसपी राजन दुष्यंत ने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस जाप्ता तैनात रखा जाए और वीआईपी रूट पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बारीकी से निगरानी की जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने हैलीपेड, बाबा बालनाथ समाधि स्थल, यज्ञशाला, मंदिर परिसर, सनातन सम्मेलन स्थल और भोजनशाला का जायजा लिया। साफ-सफाई, शौचालय, एलईडी स्क्रीन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह यादव, एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एएसपी वैभव शर्मा सहित समस्त उपखंड अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

लाखों रूपयों की लागत से बनी सीवरेज लाईन ठप, गांव में हाहाकार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

बहरोड़ क्षेत्र के ग्राम कुतीना में लाखों रुपये की लागत से बनी सीवरेज व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो चुकी है। गांव की गलियों में जगह-जगह दूषित पानी भर रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर सीवरेज के ढक्कन उखड़े या टूटे पड़े हैं, जिससे जलभराव और दुर्गंध ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। गांववासियों का कहना है कि सीवरेज की खराब व्यवस्था के कारण मक्खी-मच्छर तेजी से पनप रहे हैं, जिससे बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। समस्या को लेकर कई बार शिकायतें दर्ज कराई जा चुकी हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों का कहना है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद सीवरेज प्रणाली चालू नहीं हो सकी, जिससे वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। पंसस सुरेंद्र सिंह, सतपाल सिंह, महावीर सिंह, नवीन सिंह व वेदप्रकाश सहित अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा स्वच्छता और विकास के नाम पर भारी भरकम बजट खर्च किया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। सीवरेज व्यवस्था शुरुआत में ही ठप हो गई थी और अब गलियों में भरे गंदे पानी के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के निवासी कृष्ण सिंह ने बताया कि बाबा कुंदनदास की ढ़ाणी में सीवरेज लाइन डलवाने के कुछ समय बाद ही पाइप उखड़ गए, जिससे सीवरेज का पानी सड़कों पर बहने लगा। वहीं, हल्की बारिश के बाद गांव की गलियां जलमग्न हो जाती हैं और कई जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं, जो हादसों को न्योता दे रहे हैं। इस मामले पर ग्राम विकास अधिकारी का कहना है कि 15 लाख रुपये की लागत से सीवरेज लाइन डाली गई थी, लेकिन कुछ जगहों पर लाइन चोक हो जाने के कारण ठेकेदार की भुगतान रोक दी गई है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब इतनी बड़ी राशि खर्च की गई थी, तो आखिरकार यह परियोजना इतनी जल्दी कैसे विफल हो गई? अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस समस्या का समाधान कब तक करता है या फिर ग्रामीणों को ऐसे ही समस्याओं से जूझना पड़ेगा।

फर्जी किरायानामा तैयार कर आबकारी कार्यालय में पेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

शहर के मुख्य चौराहे दिल्ली रोड पर स्थित एक शराब दुकान के फर्जी किरायानामे का मामला सामने आया है। दुकान मालिक हेतराम जाट ने शराब ठेकेदार शशि कपूर और अन्य के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, हेतराम की दुकान को शशि कपूर ने एक मार्च 2024 से 31 मार्च 2025 तक किराए पर लिया था। हाल ही में जब शशि कपूर ने किरायेदारी बढ़ाने की बात कही तो हेतराम ने मना कर दिया और 31 मार्च तक दुकान खाली करने का निर्देश दिया। लेकिन जब हेतराम एक अप्रैल को दुकान पहुंचे, तो वहां शराब की बोतलें रखी मिलीं और तीन व्यक्ति मौजूद थे। जब दुकान खाली करने के लिए कहा गया, तो खेमचंद, अतरसिंह और एक अन्य व्यक्ति ने इनकार कर दिया। मामला तब खुला जब हेतराम ने आबकारी कार्यालय में शिकायत की। वहां पता चला कि शराब ठेकेदार ने एक फर्जी किरायानामा पेश किया था, जिसमें हेतराम के नकली हस्ताक्षर और फोटो लगे थे। जांच में सामने आया कि शशि कपूर ने ₹500 का स्टाम्प पेपर खरीदकर किरायानामा तैयार करवाया और उसमें खेमचंद व अतरसिंह को गवाह के रूप में दिखाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच बहरोड़ कोतवाली थानाधिकारी विक्रांत शर्मा को सौंपी है।

कार्यालयों में नहीं बैठ रहे अधिकारी, समय पर नहीं हो रहे काम - बलजीत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं को लेकर पूर्व विधायक बलजीत यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी और पुलिस प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए। गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बहरोड़ क्षेत्र में लगातार चोरी की वारदातें हो रही हैं, जिससे आमजन में भय का माहौल है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से निष्क्रिय हो चुके हैं। बलजीत यादव ने बताया कि चोर अब केवल घर या दुकानों तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि कुओं से भी चोरी कर रहे हैं और ज्वैलर्स की दुकानों में सेंधमारी कर रहे हैं। गांव कांकरदोपा और नंगला रूद्ध से चोर दो झोटे चुरा ले गए, जो कि कानून व्यवस्था की बदहाली को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि चोर बेलगाम होते जा रहे हैं और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है।

साइबर क्राइम प्रभावित 25 गांवों में जनजागरण अभियान शुरू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

मूंगसका में अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन के कोर ग्रुप की बैठक आयोजित हुई, जिसमें नौगांवा और रामगढ़ क्षेत्र के 25 साइबर क्राइम प्रभावित गांवों में जनजागरण अभियान शुरू करने का निर्णय लिया गया। संस्था अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद हनीफ ने जानकारी दी कि इस अभियान की शुरुआत शुक्रवार सुबह 9 बजे रामगढ़ थाना क्षेत्र के कोटा गांव से की जाएगी। अभियान के तहत गांव-गांव जाकर साइबर अपराध की रोकथाम के लिए सामाजिक और सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। साथ ही, इस समस्या की जमीनी हकीकत की तथ्यात्मक जानकारी जुटाई जाएगी। बैठक में चर्चा हुई कि साइबर अपराधियों की पहचान कर समाज स्तर पर दंडित करने के साथ-साथ पुलिस प्रशासन के सहयोग से उन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत सजा दिलाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इसके अलावा, बैठक में तेलियाबास में पुलिस रेड के दौरान एक माह की बच्ची की मौत और 26 मार्च को कोटाखुर्द निवासी शाकिर खान की रामगढ़ थाने में कथित पिटाई की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई गई। वक्ताओं ने पुलिस प्रशासन से इन मामलों में उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया।

महिला टीचर से दुष्कर्म के आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

सरकारी स्कूल की महिला शिक्षक से कार में दुष्कर्म करने के आरोपी शिक्षक गौतम यादव की अग्रिम जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। आरोपी ने बुधवार को एडीजे संख्या-1 अलवर की अदालत में अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई थी, जिस पर गुरुवार को सुनवाई हुई। पीड़िता के वकील रिपुदमन ने बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश धीरज शर्मा ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को राहत देने से इनकार कर दिया। पीड़िता महिला टीचर ने 20 नवंबर 2024 को शिवाजी पार्क थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमें उसने कार में दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था। शिकायत में यह भी बताया गया था कि आरोपी ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और कई बार धमकाया। पीड़िता ने पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी नेकीराम पर भी आरोप लगाया कि उन्होंने आरोपी शिक्षक से मिलीभगत कर उसे लगातार परेशान किया। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा है, लेकिन पीड़िता का कहना है कि पुलिस की लापरवाही के चलते आरोपी खुलेआम घूम रहा है। गुरुवार को भी आरोपी गौतम यादव कचहरी परिसर में दिखाई दिया। इस पर पीड़िता के परिजन ने जांच अधिकारी पुलिस उपाधीक्षक पूनम चौहान को इसकी सूचना दी। लेकिन पुलिस की ओर से तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई। पूनम चौहान का कहना है कि मामले की फाइल कोर्ट में भेजी गई है और जैसे ही फाइल लौटेगी, आरोपी से पूछताछ की जाएगी। पीड़िता ने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि जब तक आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक उसे न्याय नहीं मिलेगा। वहीं, लगातार सामने आ रही पुलिस की लापरवाही से पीड़िता और उसके परिवार में रोष व्याप्त है। अदालत का यह निर्णय पीड़िता के लिए राहतभरा जरूर है, लेकिन मामले में अब तक गिरफ्तारी नहीं होना पूरे तंत्र पर सवाल खड़े करता है। मामले को लेकर पीड़िता ने अधिकारियों से कार्रवाई की मांग करते हुए कहा है कि आरोपी की गिरफ्तारी जल्द से जल्द होनी चाहिए ताकि उसे न्याय मिल सके और अन्य पीड़ितों को भी यह संदेश जाए कि न्याय व्यवस्था उनके साथ है।

11 विधायकों को मिलेंगे 55 करोड़, विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने में जुटे पंचायतों के सरपंच

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

नए वित्तीय वर्ष में विधायक निधि के तहत 11 विधायकों को कुल 55 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की जाएगी। प्रत्येक विधायक को 5 करोड़ रुपए की राशि मिलेगी, जिससे उनके क्षेत्र में विकास कार्यों को अंजाम दिया जाएगा। इस राशि के उपयोग के लिए पंचायतों के सरपंच अपने-अपने क्षेत्रों में आवश्यक कार्यों की सूची तैयार करने में जुट गए हैं। ग्रामीण इलाकों में अधिकतर विकास कार्यों की जिम्मेदारी स्थानीय ग्राम पंचायतों को दी जाती है। गर्मी के मौसम में जल संकट को देखते हुए हैंडपंप और बोरिंग जैसी सुविधाओं की मांग सबसे ज्यादा रहती है। विधायक निधि का एक बड़ा हिस्सा इसी समस्या के समाधान में खर्च किया जाता है। फिलहाल पंचायतों में प्रशासकीय कार्यकाल चल रहा है, लेकिन आगामी चुनावों को देखते हुए सरपंच इन विकास कार्यों को जनता के सामने उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहे हैं। शहरी क्षेत्र में भी यही स्थिति बनी हुई है। नगर निगम के पार्षदों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, लेकिन विकास कार्यों को गति देने के लिए वे भी प्रस्ताव तैयार करवा रहे हैं। विधायक निधि की पहली किश्त मई या जून तक जिला परिषद को प्राप्त हो जाती है। यह राशि लैप्स नहीं होती, बल्कि यदि कोई राशि बच जाती है तो वह अगले वित्तीय वर्ष में जुड़ जाती है। गौरतलब है कि अलवर शहर के विधायक संजय शर्मा ने पिछले वर्ष अपनी पूरी 5 करोड़ रुपए की निधि जल संकट से निपटने के लिए खर्च की थी। वर्ष 2009 तक विधायकों को वार्षिक रूप से 80 लाख रुपए मिलते थे, जो 2010 में बढ़ाकर एक करोड़ कर दी गई। इसके बाद 2012 में यह राशि दो करोड़, 2014 में 2.25 करोड़ और पिछली सरकार के कार्यकाल में इसे बढ़ाकर 5 करोड़ कर दिया गया। विधायक निधि का उपयोग सड़क निर्माण, चारदीवारी, नाली निर्माण, हैंडपंप, बोरिंग, स्कूलों के कक्षा कक्ष, श्मशान घाटों के निर्माण, सार्वजनिक भवनों की मरम्मत, सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, अस्पतालों के लिए आवश्यक उपकरण, एंबुलेंस, अध्ययन सामग्री, खेल मैदान, स्टेडियम और सरकारी भवनों के निर्माण जैसे कार्यों के लिए किया जाता है। सांसद निधि की राशि भी 5 करोड़ रुपए होती है, लेकिन यह पूरे लोकसभा क्षेत्र के लिए होती है, जबकि विधायक निधि का उपयोग विधानसभा क्षेत्र में ही किया जाता है।

निगम का 304 करोड़ का बजट पास, सफाई पर 5 करोड़ ज्यादा खर्च होंगे, रोडलाइट पर फोकस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर नगर निगम का वर्ष 2025-26 का बजट 304.17 करोड़ रुपए का पास किया गया है। यह बजट पिछले साल के मुकाबले 6.53 करोड़ रुपए अधिक है। निगम ने इस साल कुल 268.15 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई है। बजट में सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण और रोडलाइट जैसे जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों पर विशेष जोर दिया गया है। नगर निगम ने साफ-सफाई पर 5 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी की है, जिससे अब इस मद में कुल 47.60 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सार्वजनिक शौचालयों की सफाई के लिए राशि 25 लाख से बढ़ाकर 40 लाख और बोरिंग के रखरखाव पर 30 लाख से 40 लाख की गई है। किराए के वाहनों का बजट भी 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख किया गया है, जिससे निगम के पास अधिक वाहन उपलब्ध रहेंगे। सड़कों के लिए भी बड़ी योजना बनाई गई है। सीसी सड़कों पर कुल 24.5 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसमें निगम की ओर से 7 करोड़, छठे राज्य वित्त आयोग से 14 करोड़ और 15वें वित्त आयोग से 3.5 करोड़ की राशि शामिल है। डामर सड़क और इंटरलॉकिंग टाइल्स के लिए कुल 14 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसमें एनकैप से 6 करोड़, छठे राज्य वित्त आयोग से 4.5 करोड़ और निगम से 3.5 करोड़ रुपए खर्च होंगे। रोडलाइट व्यवस्था पर 3.5 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं नाली व पुलिया निर्माण पर कुल 3.5 करोड़ की योजना है। नगर निगम ने अपनी आय बढ़ाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। ठेकेदारों के रजिस्ट्रेशन शुल्क से 1.5 लाख की आय, मैरिज होम पंजीकरण शुल्क से 10 लाख और भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क से 2.5 करोड़ रुपए की आय का अनुमान है। कांजी हाउस की आय भी 4 लाख से बढ़ाकर 4.50 लाख कर दी गई है। हालांकि, कुछ मदों में आय घटाई गई है। कैरिंग चार्ज को 4.25 लाख से घटाकर 4 लाख और फायर सर्टिफिकेट फीस को 75 हजार से घटाकर 20 हजार कर दिया गया है। इससे संकेत मिलता है कि निगम इन क्षेत्रों में सख्ती कम करेगा। पूर्व पार्षद रमन सैनी ने कहा कि बजट में विकास पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया है, जबकि एएओ हंसराज मीणा ने बताया कि बजट को संतुलित रखते हुए मुख्य आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कुल मिलाकर, अलवर नगर निगम का बजट जनसुविधाओं पर खर्च बढ़ाकर साफ-सफाई और आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने की दिशा में एक कदम माना जा रहा है, लेकिन इसकी प्रभावशीलता आने वाले समय में ही साफ हो पाएगी।

आईपीएल : मुंबई-लखनऊ के बीच मैच आज, फार्म में नहीं रोहित और पंत

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जॉइंट्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में शुक्रवार को यहां जब आमने सामने होंगी तो सभी की निगाह रोहित शर्मा और ऋषभ पंत के प्रदर्शन पर टिकी रहेगी। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का इस सत्र में अभी तक प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है तथा तीन मैच में उसके केवल दो अंक हैं।

भारतीय कप्तान रोहित की खराब फॉर्म मुंबई के लिए चिंता का विषय है। यही बात लखनऊ के कप्तान पंत पर भी लागू होती है जो रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इन दोनों प्रमुख बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का असर परिणाम पर साफ नजर आ रहा है। इन दोनों टीमों ने अभी तक तीन में से केवल एक मैच जीता है और ऐसे में शुक्रवार को होने वाले मैच में जो टीम परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाएगी, उसकी जीत की संभावना बढ़ जाएगी।

पावर प्ले से निकलेगा जीत

इस बार क्यूरेटर घरेलू टीमों के अनुकूल पिच तैयार नहीं कर रहे हैं जिस पर कुछ फ्रेंचाइजी के कोच और खिलाड़ियों ने खुलकर नाराजगी व्यक्त की है। ऐसे में पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम की जीत की संभावना बढ़ जाएगी।

अश्वनी नई सनसनी

मुंबई के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की चोट भी चिंता का विषय है। बुमराह कब तक वापसी करेंगे इसको लेकर हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली टीम ने चुप्पी साध रखी है। बुमराह की जगह लेना आसान नहीं है लेकिन बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करके मुंबई की टीम में आशा की नई किरण जगाई है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर चार विकेट लिए थे।

फार्म में पूरन, पंत कर रहे निराश

जहां तक लखनऊ की बात है तो विशाखापत्तनम में आईपीएल के शुरुआती मैच में दिल्ली कैपिटल्स से मिली एक विकेट की निराशाजनक हार के बाद उसकी टीम अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई है। लखनऊ के लिए अच्छी बात यह है कि वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरन अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने तीन मैच में अभी तक 189 रन बनाए हैं लेकिन ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श को छोड़कर लखनऊ का कोई भी अन्य बल्लेबाज पूरण की तरह बल्लेबाजी नहीं कर पाया है। लखनऊ की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी गेंदबाजी और कप्तान पंत का अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना है।

खास खबर

निजी कारणों से आईपीएल छोड़कर स्वदेश लौटे रबाडा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा निजी कारणों से आईपीएल छोड़कर स्वदेश रवाना हो गए हैं। उनकी टीम गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। टाइटंस ने यह नहीं बताया कि रबाडा कब तक लौटेंगे। अभी तक उन्होंने दो ही मैच खेले हैं। गुजरात टीम ने एक बयान में कहा, 'कैगिसो रबाडा कुछ महत्वपूर्ण निजी मसले से निपटने के लिए दक्षिण अफ्रीका लौट गए हैं।' रबाडा ने पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक एक विकेट लिया था। उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बुधवार को बेंगलुरू में खेले गए मैच में टीम में जगह नहीं दी गई। रबाडा की जगह अरशद खान को उतारा गया जिन्होंने विराट कोहली का कीमती विकेट लिया।

अच्छी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध था

बेंगलुरु। गुजरात टाइटंस के सीनियर बल्लेबाज जोस बटलर ने स्वीकार किया कि यहां खेले गए आईपीएल मैच के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट का कैच छोड़ने के बाद वह शर्मिंदा महसूस कर रहे थे। बटलर ने 39 गेंद पर नाबाद 73 रन बनाए जिससे गुजरात की टीम ने यह मैच आठ विकेट से जीता। बटलर ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि ऐसा कैसे हुआ लेकिन मैं शर्मिंदा महसूस कर रहा था। हम सभी जानते हैं कि साल्ट कितना खतरनाक खिलाड़ी है।

कैरम बॉल पर कर रहा था काम : किशोर

बेंगलुरु। गुजरात टाइटंस के स्पिनर आर साई किशोर इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में अपनी कैरम बॉल से बल्लेबाजों को गच्चा देने के लिए तैयार हैं जिस पर वह पिछले 3-4 वर्षों से काम कर रहे थे। किशोर ने बुधवार को यहां गुजरात की बेंगलुरु के खिलाफ आसान जीत के दौरान अपनी कैरम बॉल से क्रुणाल पंड्या को हैरान कर दिया था। इस 28 वर्षीय स्पिनर ने मैच के बाद खुलासा किया कि वह पिछले कुछ सत्र से कैरम बॉल पर काम कर रहे थे लेकिन उन्होंने किसी भी तरह के मैच में अभी तक इसका उपयोग नहीं किया था।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	2	2	0	4
दिल्ली	2	2	0	4
बेंगलोर	3	2	1	4
गुजरात	3	2	1	4
कोलकाता	4	2	2	4
मुंबई	3	1	2	2
लखनऊ	3	1	2	2
चेन्नई	3	1	2	2
राजस्थान	3	1	2	2
हैदराबाद	4	1	3	2

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
189 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
09 विकेट
चेन्नई

वैभव और वरुण को 3-3 विकेट, वेंकटेश-अंगकृष ने फिफ्टी बनाई

अय्यर ने आलोचकों को दिया जवाब केकेआर ने सनराइजर्स को हराया

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

वेंकटेश अय्यर ने अपने आलोचकों को जवाब देते हुए 29 गेंद में 60 रन बनाये जिसकी मदद से कोलकाता नाइट राइडर्स ने बृहस्पतिवार को आईपीएल के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 80 रन से शिकस्त दी। अंगकृष रघुवंशी (32 गेंद में 50 रन) ने भी पचासा जड़ा और कप्तान अजिंक्य रहाणे (27 गेंद में 38 रन) के साथ 81 रन की साझेदारी की जिसके दम पर मेजबान टीम ने छह विकेट पर 200 रन बनाये। जवाब में सनराइजर्स की टीम 16.4 ओवर में 120 रन पर आउट हो गई। तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा ने ट्रेविस हेड (चार) और ईशान किशन (दो) को लगातार दो ओवरों में आउट किया। उन्होंने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट चटकाये। हर्षित राणा ने अभिषेक शर्मा (दो) का विकेट लिया तब सनराइजर्स का स्कोर तीसरे ओवर में नौ रन पर तीन विकेट था। आंद्रे रसेल और सुनील नारायण ने भी एक एक विकेट लिये। सनराइजर्स ने दस ओवर तक पांच विकेट 66 रन पर गंवा दिये थे। इसके बाद वरूण चक्रवर्ती ने दो गेंद के भीतर दो विकेट लेकर निचले क्रम को रवाना किया । उन्होंने चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट लिये। गत चैम्पियन केकेआर पहले तीन में से दो मैच गंवाने के बाद जीत की राह पर लौटी है। अब उसे मंगलवार को सुपर जाइंट्स से खेलना है। वहीं सनराइजर्स की यह लगातार तीसरी हार थी और अब उसका सामना रविवार को गुजरात टाइटंस से होगा। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर केकेआर की नयी सलामी जोड़ी का संघर्ष जारी रहा। डिकॉक (एक) और नारायण (सात) सस्ते में आउट हो गए। सनराइजर्स ने बीच के ओवरों में किफायती गेंदबाजी की जब श्रीलंका के मेंडिस ने आईसीसी के इतिहास में पहली बार एक ही ओवर में दोनों हाथों से गेंदबाजी की। उन्होंने बायें हाथ की स्पिन से रघुवंशी को बोल्ड किया और फिर खब्बू बल्लेबाज रिंकू सिंह को आफ स्पिन डाली। दो ओवरों तक कोई बाउंड्री नहीं लगी लेकिन अय्यर और रिंकू ने पारी को ढर्रे पर लाया। अय्यर ने 29 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 60 रन बनाये। रिंकू ने 17 गेंद में चार चौकों और एक छक्के के साथ नाबाद 32 रन बनाये।

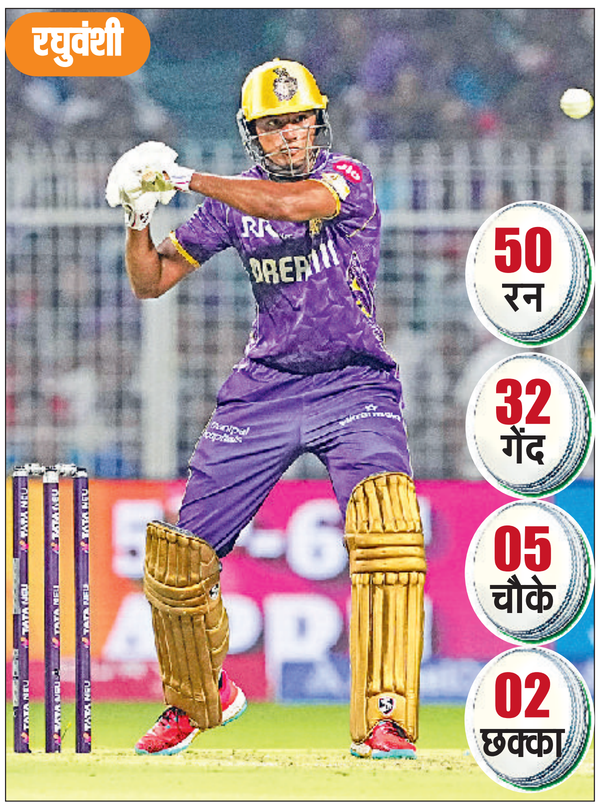

बुमराह फिट पर अधिक वर्कलोड से खतरा, आकाशदीप आज खेल सकते हैं डेब्यू मैच

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी में अभी और वक्त लग सकता है। उन्होंने अभी तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सलेंस की तरफ से पूरी तरह फिट नहीं घोषित किया है। हालांकि, सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें बुमराह नेट्स पर गेंदबाजी करते दिखाई दे रहे हैं। वहीं, लखनऊ सुपर जाएंट्स के तेज गेंदबाज आकाश दीप जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह पूरी तरह फिट हैं लेकिन बीसीसीआई की मेडिकल टीम का मानना है कि तेज गेंदबाज के वर्कलोड में वृद्धि उनके लिए खतरे की घंटी साबित हो सकती है।

रामनवमी से 3 दिन पहले 'सूर्य-तिलक'...

अयोध्या। आईपीएल 2025 का रोमांच जारी है। शुक्रवार को मुंबई इंडियंस का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले जाने वाले इस मैच से पहले गुरुवार को मुंबई के स्टार खिलाड़ियों ने अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किए। इनमें सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, दीपक चाहर और कर्ण शर्मा शामिल हैं। सूर्या और दीपक पत्नियों के साथ नजर आए। सभी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से तस्वीरें साझा कीं। रविवार को रामनवमी के अवसर पर भगवान राम का सूर्य-तिलक (सूर्य की रोशनी का भगवान के माथे पर चमकना) भी होगा।

खबर संक्षेप

सारा तेंदुलकर ने खरीदी क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर देश के सबसे अमीर क्रिकेटर्स में शामिल हैं। उन्हें देश में क्रिकेट का भगवान कहा जाता है। सचिन के कारण ही उनके परिवार का भी इस खेल से खास नाता है। उनके बेटे अर्जुन तेंदुलकर क्रिकेट खेलते हैं तो वहीं उनकी बेटी सारा ने भी अब इस दुनिया में कदम रख दिया है। सारा तेंदुलकर ने क्रिकेट टीम खरीदी है। सारा तेंदुलकर ने इंस्टाग्राम पर ऐलान किया कि उन्होंने क्रिकेट टीम खरीदी है जो कि मुंबई से जुड़ी है। सारा ने ग्लोबल इ-क्रिकेट प्रीमियर लीग में मुंबई फैंचाइजी को खरीदा है। लीग ने इसका ऐलान किया।

मनीष, हितेश, अभिनाश सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के मनीष राठौड़, हितेश और अभिनाश जामवाल ने बुधवार को अपने-अपने वजन वर्ग में आसान जीत के साथ विश्व मुक्केबाजी कप ब्राजील 2025 में सेमीफाइनल में जगह बनाई। जामवाल ने 65 किग्रा वर्ग में जर्मनी के डेनिस ब्रिल को सर्वसम्मत फैसले से हराया जबकि हितेश ने इटली के गैब्रिएल गुइडी रोनतानी को 70 किग्रा वर्ग में सर्वसम्मत फैसले से शिकस्त दी। मनीष ने 55 किग्रा वर्ग में ऑस्ट्रेलिया के पेरिस ओलंपियन यूसुफ चोटिया को हराया। सेमीफाइनल में मनीष की भिड़ंत कजाखस्तान के नूरसुल्तान अल्तिनबेक से होगी जबकि हितेश को माकन तराओरे के खिलाफ खेलना है।

यूटीटी में कोचिंग में पदार्पण करेंगे पेइफर

नई दिल्ली। जर्मनी के विशेषज्ञ क्रिस पेइफर और एस रमन अहमदाबाद में 29 मई से 15 जून तक होने वाले अल्टीमेट टेबल टेनिस के छठे सत्र में कोचिंग में पदार्पण करेंगे। इनके अलावा ट्रेनर पावेल रेहोरेक, जूलियन गिरार्ड और भारत के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जुबिन कुमार भी विभिन्न टीमों के साथ कोच के रूप में मौजूद होंगे। पेइफर 2022 से शरत कमल अकादमी के मुख्य कोच हैं। वह अहमदाबाद एसजी पाइपर्स के मेंटोर होंगे।

क्रिकेट

सूर्यकुमार मुंबई को छोड़कर कहीं नहीं जा रहा : एमसीए

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई क्रिकेट संघ ने गुरुवार को उन खबरों का खंडन किया कि सूर्यकुमार यादव अपने कुछ साथियों के साथ आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए गोवा जाने की योजना बना रहे हैं। एमसीए ने कहा कि भारत का टी20 कप्तान खेल के प्रत्येक प्रारूप में मुंबई का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुंबई के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल रणजी टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के साथ कथित मतभेदों के कारण पहले ही मुंबई से गोवा जाने की घोषणा कर चुके हैं। बुधवार को एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि सूर्यकुमार अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली मुंबई रणजी टीम छोड़ सकते हैं। असल में सूर्यकुमार ने खुद ही अपने एक्स हैंडल पर इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। एमसीए सचिव अभय हदाप ने कहा, 'मुंबई क्रिकेट संघ को सूर्यकुमार यादव के कुछ अन्य खिलाड़ियों के साथ गोवा की टीम से जुड़ने को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों की जानकारी है। एमसीए के अधिकारियों ने आज सुबह सूर्य से बात की और हम पुष्टि कर सकते हैं कि ये अफवाहें पूरी तरह से निराधार और झूठी हैं। सूर्यकुमार यादव मुंबई की तरफ से खेलने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह मुंबई का प्रतिनिधित्व करने में बहुत गर्व महसूस करते हैं।'

एक प्रतियोगिता में भाग लेना अनिवार्य

नई दिल्ली। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने 2025 सत्र की पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप फेडरेशन कप में भाग लेने के लिए एथलीटों के लिए कम से कम एक क्षेत्रीय प्रतियोगिता या ग्रां प्री जैसी देशव्यापी एकदिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेना अनिवार्य कर दिया है। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है कि एथलीट पूरी तैयारी के साथ आएं या उनके प्रदर्शन में निरंतरता हो क्योंकि 27-31 मई तक कोरिया में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का चयन फेडरेशन कप में प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा जिसका आयोजन 21-24 अप्रैल तक केरल के कोच्चि में किया जाएगा।

निशानेबाजी विश्व कप

पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में वरूण पांचवें व रविंद्र छठे स्थान पर

ब्यूनस आयर्स। भारत के वरुण तोमर और रविंदर सिंह बृहस्पतिवार को यहां सत्र के पहले अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे। दोनों ने क्वालीफिकेशन में 580 के समान स्कोर के साथ सातवें और आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। रविंदर 10 अंक के अंदरूनी हिस्से में अधिक निशाने लगाने के कारण एक स्थान आगे रहे। हालांकि दोनों, विशेषकर रविंदर आठ पुरुषों के 24 शॉट के फाइनल के शुरुआती चरण में पदक की होड़ में रहने के बाद क्रमशः 16वें और 18वें शॉट के बाद बाहर हो गए। स्पर्धा में हिस्सा ले रहे तीसरे भारतीय सौरभ चौधरी 577 के स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में 16वें स्थान पर रहे। स्कीट प्रतियोगिताएं भी बृहस्पतिवार को शुरू हुई जिसमें क्वालीफाइंग के शुरुआती दो दौर में से प्रत्येक में 25-25 निशाने लगाने को मिले। महिलाओं की स्कीट में भारत की रेजा ढिल्लों ने 25 में से 25 निशाने लगाकर शानदार शुरुआत की और वह सबसे आगे चल रही हैं। शुक्रवार को दो फाइनल होने हैं जिसमें पुरुषों और महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन्स (3पी) के पदक तय किए जाएंगे। दोनों स्पर्धाओं में भारत के तीन-तीन निशानेबाज चुनौती पेश करेंगे।

बार्सिलोना और रियल मैड्रिड में होगा खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

बार्सिलोना ने बुधवार रात को यहां एटलेटिको मैड्रिड को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 1-0 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जहां उसका सामना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड से होगा।

बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने पहले हाफ में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले इन दोनों टीमों के बीच फरवरी में खेला गया सेमीफाइनल का पहला चरण 4-4 से बराबर रहा था। इस तरह से बार्सिलोना ने कुल मिलाकर 5-4 से जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई। यह पिछले चार सत्र में पहला अवसर है जबकि बार्सिलोना इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। रियल मैड्रिड ने मंगलवार को अतिरिक्त समय तक चले मैच में रियल सोसिदाद को 5-4 के कुल स्कोर से पराजित करके फाइनल में जगह बनाई थी। इन दोनों टीमों के बीच 2013-14 सत्र के बाद पहली बार फाइनल खेला जाएगा। तब रियल मैड्रिड ने खिताब जीता था।

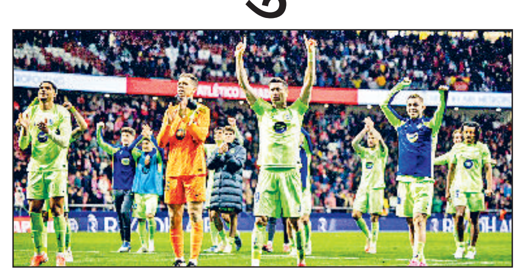

संयुक्त राष्ट्र खेलों का सह आयोजक है भारत

एजेंसी ▶▶| संयुक्त राष्ट्र

भारत खेलों के माध्यम से कूटनीति और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों का सह आयोजक है जिसमें वह योग और शतरंज जैसे खेलों में अगुवाई करेगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'दूसरे संयुक्त राष्ट्र खेलों के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। सह आयोजक के रूप में, भारत शतरंज और योग में अग्रणी भूमिका निभाएगा।' हरीश ने कह कि संयुक्त राष्ट्र खेल एकता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना का उत्सव हैं।

लखनऊ बनाम पंजाब मैच को लेकर मेंटोर जहीर खान हुए थे नाराज

होम ग्राउंड का रोना रो रही टीमें, बीसीसीआई ने दी हिदायत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आपीएल के 18वें सीजन में अबतक 14 मैच हुए हैं लेकिन कई मौके ऐसे भी आए हैं जब टीमें पिच की शिकायत करती दिखीं। शिकायत ये कि होम ग्राउंड पर खेलने के बाद भी उन्हें फायदा नहीं मिल रहा क्योंकि पिच उनके मनमाफिक क्यूरेट नहीं हुई है। ताजा मामला मंगलवार को हुए लखनऊ बनाम पंजाब मैच का है।

हार के बाद लखनऊ के मेंटॉर जहीर खान तो यहां तक बोल गए कि ऐसा लगा जैसे हमारे होम ग्राउंड की पिच को पंजाब के क्यूरेटर ने तैयार किया है। अब इन शिकायतों को लेकर बीसीसीआई ने फ्रैंचाइजियों को ही हिदायत दी है कि वे अपनी जरूरतों को लेकर पिच क्यूरेटर को पहले ही बताएं, सीजन के बीच में नहीं।

कई फ्रैंचाइजी नाराज

आईपीएल के मौजूदा सीजन के शुरुआती दौर में ही होम ग्राउंड की पिच को लेकर कई फ्रैंचाइजी ने असंतोष जताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी मांग की है कि ईडन गार्डन्स की पिच ऐसी हो जो स्पिनर्स को मदद पहुंचाए। दिल्ली कैपिटल्स का मैनेजमेंट भी अपने शुरुआती दो होम मैचों की पिच को लेकर क्यूरेटर से नाखुश है। कुछ ऐसा ही हाल चेन्नई सुपर किंग्स का भी जो होम पिच को लेकर खुश नहीं है। पंजाब के खिलाफ हार के बाद लखनऊ ने मेंटॉर जहीर खान ने तो प्रेस कॉन्फ्रेंस में ही पिच को लेकर अपनी नाखुशी का इजहार किया है।

क्यूरेटर को पहले से बताएं टीमें

ऐसा लगता है कि बीसीसीआई आईपीएल मैचों की पिच को लेकर संतुष्ट है और उसे इनसे कोई दिक्कत नहीं है। बीसीसीआई सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया गया है कि बोर्ड का कहना है कि फ्रैंचाइजी पिच को लेकर अपनी जरूरतों के बारे में क्यूरेटर को अडवांस में बताएं क्योंकि ये एक हफ्ते के भीतर तो हो नहीं पाएगा।

पिचें अबतक अच्छी

रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई सूत्र ने कहा, 'पिचें अबतक अच्छी रही हैं। वे ऐसी पिच की मांग कर सकते हैं जो गेंदबाजों को ज्यादा फायदा पहुंचाए लेकिन इसके लिए फ्रैंचाइजी और क्यूरेटर्स के बीच में बेहतर संवाद की जरूरत है। यह आईपीएल सीजन में एक हफ्ते के भीतर नहीं हो सकता।'

बीसीसीआई की गाउडलाइंस

बीसीसीआई की गाउडलाइंस के मुताबिक, पिच का नेचर क्या हो, इसमें न तो किसी फ्रैंचाइजी की चलेगी और न ही किसी खिलाड़ी की। क्यूरेटर को ऐसी पिच तैयार करनी है जिससे तेज गेंदबाजों को भी मदद मिले और स्पिनर्स को भी यानी इनमें अच्छा संतुलन बना रहे। कुछ टीमें होम पिच को लेकर शिकायत कर रही हैं तो इसके पीछे कहीं न कहीं, पिच क्यूरेटर्स को बीसीसीआई की तरफ से दिए गए ये निर्देश ही हैं।

जैसलमेर के बीजेपी विधायक के बेटे को पीटा, गाड़ी में तोड़फोड़, नाके पर आग लगाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जैसलमेर

जैसलमेर के बीजेपी विधायक छोटू सिंह भाटी के बेटे भवानी सिंह भाटी को रॉयल्टी ठेकेदार शैतान सिंह के लोगों ने जमकर पीटा। उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं। फॉर्च्युनर गाड़ी में तोड़फोड़ की और नाके पर आग लगा दी। उधर, रॉयल्टी ठेकेदार ने खुद पर हमला होने की बात कही। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया- मामले में करीब 24 लोगों को हिरासत में लिया गया है। अब हालात काबू में हैं। मौके पर पुलिस बल को तैनात किया गया है। फिलहाल मामले में कोई मुकदमा दोनों पक्षों की तरफ से नहीं दिया गया है। सदर पुलिस बयानों के आधार पर जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को रॉयल्टी ठेकेदार के लोगों ने पत्थरों से भरे ट्रकों सदर इलाके के सम रोड स्थित काहला फांटा पर रोक दिया। वहां हाथों में लाठी लेकर खड़े लोग रॉयल्टी मांगने लगे। इससे नाराज ट्रक ड्राइवरों ने ठेकेदार यूनियन के संरक्षक और विधायक के छोटे भाई नखत सिंह को कॉल किया। सुबह करीब नौ बजे नखत सिंह, विधायक के बेटे भवानी सिंह समेत कई लोग रॉयल्टी नाके पर पहुंच गए। यहां बातचीत के दौरान दोनों पक्षों में विवाद हो गया।

लाठी-तलवारों से हमला किया

विधायक के बेटे भवानी सिंह ने कहा- जब हम बातचीत करने गए तो सामने वाले पक्ष ने झगड़ा शुरू कर दिया। इस दौरान लाठी और तलवारों से हमला किया। नाके पर रॉयल्टी ठेकेदार के लोगों ने ही आग लगाई। इसके बाद मेरी फॉर्च्युनर गाड़ी में भी जमकर तोड़फोड़ की। इधर, घायलों को जैसलमेर के सरकारी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। रॉयल्टी ठेकेदार शैतान सिंह ने बताया- मैंने जैसलमेर में दुर्गा टिम्बर एंड ग्रेनाइट फर्म के नाम से रॉयल्टी का काम लिया। मेरे पार्टनर राजेंद्र सिंह हैं। हमने 10 करोड़ 10 लाख रुपए में मेसेनरी स्टोन का ठेका लिया है। आज दिन में हम रॉयल्टी नाके पर बैठे थे। सदर थाने के एसआई गुमान सिंह, हेड कॉन्स्टेबल बलदान और माइनिंग के आनंद भी हमारे साथ बैठे थे। इस दौरान 10-15 गाड़ियों में विधायक छोटूसिंह भाटी के बेटे भवानी सिंह, विधायक के भाई नखत सिंह, नखत सिंह के बेटे गिरधर सिंह 10-15 गाड़ियों में आदमियों को लेकर आए। उन्होंने आते ही हम पर तलवारों-हथियारों से हमला कर दिया। हमारी 2-3 गाड़ियों में तोड़फोड़ की और नाके को आग लगा दी। हमारे लोगों से मारपीट की, जिनमें 2 लोगों की हालत गंभीर है। उनको जोधपुर रेफर किया गया है।

पिछले कई दिनों से अनबन चल रही है

रॉयल्टी को लेकर ठेकेदार यूनियन और रॉयल्टी ठेकेदार में कई दिनों से अनबन चल रही है। इसको लेकर एक अप्रैल को जैसलमेर ठेकेदार एसोसिएशन ने रॉयल्टी ठेकेदार के खिलाफ कलेक्टर प्रताप सिंह को ज्ञापन दिया था।

सोने के चेन चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार, 300 से ज्यादा सीसीटीवी चेक कर पकड़ा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

अजमेर में महिला जायरीन की चेन चोरी करने वाली महिला को दरगाह थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

भीड़ का फायदा उठाकर महिला ने वारदात को दिया था अंजाम। आरोपी से पुलिस ने 8 ग्राम सोने की चेन को भी बरामद कर लिया है। दरगाह थाना पुलिस मामले में अनुसंधान कर रही है। दरगाह थाने के एएसआई हुकमाराम सारण ने बताया कि राजसमंद निवासी शेख साबिर अली ने थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया था। पीड़ित ने शिकायत देकर बताया कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ दरगाह जियारत करने के लिए पहुंचा था। इस बीच उसकी पत्नी के गले से 8 ग्राम सोने की चेन कोई चोरी कर फरार हो गया। मामले में मुकदमा दर्ज का टीम का गठन किया गया और कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। टीम की ओर से दरगाह के आसपास लगे 300 से ज्यादा सीसीटीवी चेक किए गए। मुखबिर की सूचना पर संदिग्ध महिला को डिटेन किया गया। पूछताछ करने पर उसने वारदात करना स्वीकार किया। टीम की ओर से कार्रवाई करते हुए हनुमानगढ़ निवासी प्रीति सिंह(20) पत्नी आकाश सिंह को गिरफ्तार किया है। महिला से सोने के चेन बरामद कर ली है। भीड़ का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया गया था। महिला का आपराधिक रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है।

कोटा में चोर को पाइप से बांधकर पीटा, झंडे-पोशाक नहर में फेंक रहा था

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

चोरी करने के बाद मंदिर के झंडे और पोशाक को नहर में फेंक रहा चोर पकड़ा गया। उसे सामने हॉस्टल में रहने वाले युवकों ने देख लिया। पूछताछ की तो वह जवाब नहीं दे पाया सकपका गया। जांच की तो चोर के पास से बर्तन और मूर्तियां बरामद हुई। इसके बाद लोगों ने उसे पकड़कर पाइप से पेड़ से बांध दिया और 1 घंटे तक पीटते रहे। वीडियो में चोर कहता नजर आ रहा है कि ऊपरवाला नहीं मार रहा तो तुम क्यों मार रहे हो। मामला कोटा के कुन्हाड़ी थाना इलाके की लैंडमार्क सिटी के शिव मंदिर का गुरुवार सुबह का है। मंदिर पुजारी महावीर पाराशर ने बताया कि आज सुबह मंदिर के सामने वाले हॉस्टल के वार्डन से सूचना मिली कि एक युवक मंदिर में चोरी करते हुए पकड़ा गया है। उसे पेड़ से बांधा है आप जल्दी आ जाओ। वहां पहुंचा तो लोग उसे पीट रहे थे। मंदिर में जाकर देखा तो यहां लड्डू गोपाल की मूर्ति, गुरु जी की मूर्ति और अन्य बर्तन भी गायब भी थे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी और चोर को सौंप दिया गया। घटना का किसी ने वीडियो भी बना लिया। इसमें कुछ युवक चोर को पाइप से बांधकर कर बेल्ट से पीटते हुए नजर आ रहे हैं। इसमें वे उसे पीटते हुए चोरी के बारे में पूछते हैं। इसपर चोर कहता है- ऊपरवाला ही नहीं मार रहा तो तुम क्यों मार रहे हो। इसके बाद युवक पेड़ से बंधे चोर को बेल्ट से पीटता है। कुन्हाड़ी थाना अधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि एक व्यक्ति को डिटेन किया गया है थाने पर लेकर आए हैं। उस व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है।

भेड़ चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार, मारुति वैन से तीन भेड़ें किए चोरी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ़

प्रतापगढ़ पुलिस ने भेड़ चोरी के मामले में आज आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार बंसल के निर्देश पर की गई कार्रवाई में धोलापानी थाना पुलिस ने आरोपी राधेश्याम मोग्या (36) को पकड़ा है। जो छोटीसादड़ी का रहने वाला है। पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल की गई मारुति वैन को भी जब्त कर लिया है। मामला 18 फरवरी का है, जब भेड़ पालक छेलाराम रेबारी अपने साथी के साथ ईटों के तालाब के पास भेड़ें चरा रहे थे। इसी दौरान एक मारुति वैन में सवार बदमाशों ने तीन भेड़ें चुरा लीं। पीड़ित छेलाराम पाली जिले के खिमेड़ा थाना क्षेत्र के नयागांव का रहने वाला है। 21 फरवरी को शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। आसूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर राधेश्याम को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

खेत में मिला महिला का शव, पुलिस कारणों की जांच में जुटी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ

सुहागपुरा थाना क्षेत्र के दोतड़ गांव में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका बंशा (41) पत्नी देवीलाल मीणा बुधवार को खेत पर काम करने गई थी। शाम तक जब वह घर नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश की। लेकिन उनको कोई सफलता नहीं मिली। गुरुवार सुबह मृतका का देवर नानालाल खेत पर गया। वहां उसे बंशा का शव मिला। नानालाल ने सुबह 7 बजे पुलिस को सूचना दी। थानाधिकारी छबिलाल तुरंत मौके पर पहुंचे। मृतका के पति देवीलाल ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाया और परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

'पुलिस जिंदाबाद है' सीकर में पुलिस पर हमला करने वालों का निकला जुलूस, 44 हमलावरों पर मुक़दमा दर्ज

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सीकर

सीकर जिले के अजीतगढ़ थाना इलाके के गढ़ टकनेत की डाला वाली ढाणी में बीती देर रात एक वांछित आरोपी महिपाल को पकड़ने गए पुलिस जवानों को बंधक बनाने और बचाव के लिए गए पुलिस टीम पर बदमाशों की ओर से पथराव कर मारपीट करने के मामले में गिरफ्तार किए गए 13 आरोपियों का आज अजीतगढ़ कस्बे में भारी पुलिस जाब्ते के साथ जुलूस निकाला गया. इस दौरान स्थानीय लोगों ने 'पुलिस जिंदाबाद' के नारे लगाकर पुलिस की हौसला अफजाई की. पुलिस ने 'अपराधियों में भय और आमजन विश्वास' के स्लोगन को सार्थक करने और अपराधियों को सबक सिखाने के लिए सभी आरोपियों का मुख्य बाजार में जुलूस निकाला. पुलिस ने जब सभी आरोपियों का जुलूस निकाला तो अजीतगढ़, थोई, खंडेला, श्रीमाधोपुर, रींगस सहित करीब एक दर्जन थाने के थानाधिकारी, डीएसटी टीम, क्यूआरटी और आरएसी का पुलिस जाब्ता सुरक्षा की दृष्टि से रहा. वहीं, सीकर एडिशनल एसपी गजेंद्र सिंह जोधा, नीमकाथाना प्रोबेशनर्स आईपीएस रोशन लाल मीणा, श्रीमाधोपुर डिप्टी उमेश गुप्ता सहित अन्य आलाधिकारी भी मौजूद रहे. सीकर एडिशनल एसपी गजेंद्र सिंह जोधा ने बताया कि अजीतगढ़ थाने में एक प्रकरण दर्ज था. जिसके वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अजीतगढ़ पुलिस थाने से टीम गई थी. पुलिस टीम जब आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए पहुंची तो आरोपी के परिजनों, साथियों और पड़ोसियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया. जिसके चलते 11 पुलिसकर्मी घायल हो गए और गाड़ियों में भी नुकसान हुआ. पुलिस टीम पर हमले की सूचना पर आसपास के इलाकों का पुलिस ज़ाब्ता मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया. मामले में तुरंत ही पुलिस ने 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए अलग-अलग पुलिस टीम गठित कर दबिश दी जा रही है. एडिशनल एसपी जोधा ने बताया कि मामले में 44 नामजद लोगों के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है. इसके अलावा अनुसंधान के बाद जो भी नाम सामने आएंगे उनके अनुसार ही आगे की कार्रवाई की जाएगी.

बसवा में रविंद्र भाटी का शक्ति प्रदर्शन, पूर्वी राजस्थान में बढ़ती पकड़ से राजनीति में हलचल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भरतपुर

पश्चिम से पूर्व तक अपनी पकड़ मजबूत करने के प्रयास में निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने राजस्थान की राजनीति में एक नई हलचल मचा दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह क्षेत्र और सचिन पायलट की कर्मभूमि माने जाने वाले भरतपुर संभाग में भाटी का भव्य स्वागत हुआ। जयपुर से जब भाटी का काफिला रवाना हुआ, तो उसमें मात्र 10 गाड़ियां थीं, लेकिन बसवा पहुंचते-पहुंचते यह संख्या 100 से अधिक हो गईं। रास्ते में 40 से ज्यादा जगहों पर भव्य स्वागत हुआ, जिसमें राजपूत, गुर्जर और मीणा समाज के युवा बढ़-चढ़कर शामिल हुए। यही वह स्थान है, जहां "सचिन पायलट आई लव यू" का नारा जन्मा था, लेकिन इस बार भाटी को भी युवाओं ने अपनी पलकों पर बैठा लिया। भाटी ने महाराणा सांगा के महाप्रयाण स्थल पर पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उनके साथ उत्तर प्रदेश के पूर्व एमएलसी ब्रजेश सिंह और भाजपा युवा नेता शशांक शेखर भी मौजूद रहे। इससे पहले भाटी ने राजेश पायलट के निर्वाण स्थल पर भी श्रद्धांजलि दी, जो उनके व्यापक सामाजिक समर्थन को दर्शाता है। हाल ही में सपा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा सदन में वीर शिरोमणि राणा सांगा पर की गई टिप्पणी के बाद राजपूत समाज सहित पूरे सर्व समाज में आक्रोश है। भाटी का यह कदम केवल श्रद्धांजलि तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे समाज को एकजुट करने और राजनीतिक समीकरणों को साधने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। बसवा क्षेत्र अब राजस्थान की राजनीति का नया पावर सेंटर बनता दिख रहा है। यह क्षेत्र मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सचिन पायलट दोनों के लिए अहम है। ऐसे में भाटी की मौजूदगी और उनके प्रति युवाओं का आकर्षण, आने वाले दिनों में नए राजनीतिक समीकरणों को जन्म दे सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाटी की यह सक्रियता सिर्फ एक समाज तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे सर्व समाज को जोड़ने की एक सोच-समझी रणनीति है। राजस्थान की राजनीति में इस घटनाक्रम का कितना असर होगा, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा, लेकिन इतना तय है कि भाटी ने पूर्वी राजस्थान में अपनी दस्तक मजबूती से दे दी है।

वक्फ-बिल पर बोले डोटसरा-भाजपा की विचारधारा एक-दूसरे से लड़ाने की, कहा- उन्हें जनहित के कामों से सरोकार नहीं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दौसा

प्रदेश कांग्रेस कमेटी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने दौसा में वक्फ बिल को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। कहा- भाजपा की विचारधारा लोगों को एक दूसरे से लड़ाने की रही है। जनहित के कामों से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। मंगलवार को जयपुर से दिल्ली जाते वक्त डोटासरा ने यह बात दौसा में कही। दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा के नेतृत्व में उनका स्वागत किया गया। गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- कांग्रेस के किसी भी सांसद ने यह नहीं कहा कि हम वक्फ कानून नहीं मानेंगे। हमने सिर्फ अपनी बात रखी है। जब भी कोई कानून बनता है, अगर उसमें कोई कमियां हैं तो उस पर बात रखी जाती है। कांग्रेस की विचारधारा हिंदू-मुस्लिम करना और लोगों को आपस में लड़ाना नहीं है। सरकार को जनहित के काम करने चाहिएं। बेरोजगारों को रोजगार देना चाहिए। आमजन को राहत देने के काम करने चाहिएं। लेकिन भाजपा का ऐसे कामों से कोई सरोकार नहीं है। डोटासरा ने कहा- वक्फ बिल संशोधन की 70 साल से कोई आवश्यकता महसूस नहीं हुई। फिर ऐसे क्या कारण रहे जो इस बिल को लाया गया। यह आरएसएस और भाजपा की अनबन है और यह बिल आरएसएस के एजेंडे में था। केंद्र और राज्य की सरकार विध्वंसकारी है। यह डबल इंजन की सरकार कहते हैं, लेकिन यह विध्वंस कर रहे हैं। कांग्रेस राइट टू हेल्थ, राइट टू फूड, राइट टू वर्क जैसे कानून लेकर आई तो लोगों को राहत मिली। भाजपा सरकार को भी जनहित के कानून बनाने चाहिएं। पीसीसी चीफ ने कहा- राजस्थान में भजनलाल सरकार ने राइजिंग राजस्थान के तहत कई एमओयू किए। लेकिन वे सब झूठ बोल रहे हैं। बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल रहा। कांग्रेस शासन में इंग्लिश मीडियम स्कूल शुरू की गई थी, उन्हें बंद किया जा रहा है। क्या गरीब का बेटा इंग्लिश नहीं पढ़ सकता। राणा सांगा को लेकर सपा सांसद द्वारा की गई टिप्पणी के मामले में डोटासरा ने कहा- किसी भी वीर महापुरुष जाति धर्म को लेकर अपमानित करने वाली बात नहीं होनी चाहिए। इसकी व्यवस्था हमारे संविधान में भी है।

मोबाइल और नकदी लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश, पुलिस ने कार्रवाई कर चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा उदयपुर

उदयपुर पुलिस ने मोबाइल और नकदी लूटने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया और दो विधि से संघर्षरत बाल अपचारियों को निरुद्ध किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों ने 45 से अधिक वारदातें करने की बात स्वीकार की है। उनके कब्जे से 11 मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा और वृत्ताधिकारी सूर्यवीर सिंह राठौड़ के सुपरविजन में थानाधिकारी दिलीप सिंह झाला के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

भीलवाड़ा में पुलिस पर हमला, गाड़ियां तोड़ीं, लाठीचार्ज कर खदेड़ा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

बोनस की मांग करते हुए भीलवाड़ा की कपड़ा फैक्ट्री के मजदूर उग्र हो गए। उन्होंने फैक्ट्री में जमकर तोड़फोड़ की। पुलिस पहुंची तो उनका गुस्सा और बढ़ गया। पुलिस पर भी हमला बोल दिया। मजदूरों ने पुलिस की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। मामला हमीरगढ़ (भीलवाड़ा) के चित्तौड़ रोड स्थित संगम इंडिया लिमिटेड का है। उधर, भारतीय मजदूर संघ जिला सह मंत्री देवेंद्र वैष्णव ने कहा कि फैक्ट्री में मजदूर और मैनेजमेंट के बीच बातचीत चल रही है। हमीरगढ़ थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया- संगम इंडिया लिमिटेड में तोड़फोड़ की सूचना मिली थी। हम वहां पहुंचे तो हमारी गाड़ी पर भी पत्थर फेंके और तोड़फोड़ की। राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज कर 7 लोगों को हिरासत में लिया गया है। संगम इंडिया लिमिटेड में कपड़ा बनता है। यहां 150 से 200 मजदूर काम करते हैं। बताया जा रहा है कि यहां के कर्मचारी दीपावली से बोनस की मांग कर रहे हैं। आरोप है कि इनकी मांगों पर फैक्ट्री प्रबंधन ध्यान नहीं दे रहा है। इसी को लेकर कर्मचारी सुबह करीब 10 बजे धरने पर बैठ गए। फैक्ट्री प्रबंधन से बात भी हुई। मांगों पर सहमति नहीं बनी तो श्रमिक उग्र हो गए। कर्मचारियों ने फैक्ट्री में तोड़फोड़ शुरू कर दी। सूचना मिलने पर हमीरगढ़ थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस को देख भीड़ ?और उग्र हो गई। पुलिस पर भी पथराव शुरू कर दिया। भारतीय मजदूर संघ जिला सह मंत्री देवेंद्र वैष्णव ने कहा- मजदूरों में बोनस और हाजिरी को लेकर गुस्सा है। मजदूरों को पूरा पैसा नहीं दिया जा रहा है। कई बार बातचीत करने के बाद भी सहमति नहीं बन पाई है। जो मांग रखी गई है, उसे नहीं मानी जा रही है। इसी के चलते आज माहौल खराब हुआ है। इसके बाद सभी श्रमिक धरने पर बैठ गए। मजदूर बोनस के साथ उपस्थिति भत्ता देने की मांग कर रहे थे। कुछ मजदूरों को बोनस और भत्ता दे दिया था, लेकिन बाकी के साथ भेदभाव किया गया। संगम ग्रुप के चेयरमैन रामपाल सोनी ने बताया- बोनस में भेदभाव जैसी कोई बात नहीं है। मार्च क्लोजिंग के चलते प्रोडक्शन बेस्ड पर मजदूरों को भर्ती किया गया था। इनके सबके अलग-अलग अकाउंट हैं। जिन मजदूरों ने पूरा प्रोडक्शन दिया था, उन्हें पूरा-पूरा बोनस दिया गया है। कुछ मजदूर ऐसे थे, जिनका प्रोडक्शन कम आया है तो उनका बोनस कम बना था। बुधवार को कुछ मजदूरों को सैलरी और बोनस दिया गया था। गुरुवार को शेष मजदूरों को बोनस के लिए बुलाया गया था। इस बीच मजदूरों और पुलिस के बीच में झड़प हो गई।

अयोध्या को क्यों कहते हैं धार्मिक नगरी

अयोध्या नगरी यूं ही खास नहीं है, बल्कि इस नगर से विशेष धार्मिक महत्व भी जुड़े हैं। इसलिए तो अथर्ववेद में इसे देवताओं का स्वर्ग बताया गया है। सरयू नदी में बसी पवित्र नगरी अयोध्या को स्कंद पुराण में ब्रह्मा, विष्णु और महेश त्रिदेवों की पवित्र स्थली कहा गया है। अथर्ववेद में अयोध्या को ईश्वर का नगर बताते हुए इसकी तुलना स्वर्ग से की गई है। वहीं स्कंद पुराण के अनुसार, अयोध्या का 'अ' शब्द ब्रह्मा 'य' कार विष्णु और 'ध' कार रुद्र का स्वरूप है। वहीं महाकवि महर्षि वाल्मीकि ने भी महाकाव्य रामायण में अवध को पवित्र नगर बताया है।अयोध्या नगरी के धार्मिक दृष्टिकोण को लेकर एक कथा खूब प्रचलित है। जिसके अनुसार, अयोध्या के महाराज विक्रमादित्य एक बार भ्रमण करते हुए सरयू नदी के पास पहुंचे। उस समय उन्हें अयोध्या की भूमि में कुछ चमत्कार दिखाई दिए। आस-पास के संतों ने महाराज विक्रमादित्य को अवध भूमि की धार्मिक महत्ता के बारे में बताया। इसके बाद विक्रमादित्य ने यहां विभिन्न मंदिरों, सरोवर, कूप आदि का निर्माण कराया। इसके साथ ही अयोध्या नगरी में एक सीता कुंड भी। मान्यता है कि, इस कुंड में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप कर्मों का नाश होता है। भारत की प्राचीन सांस्कृतिक सप्तपुरियों में अयोध्या का स्थान प्रथम है। अयोध्या को श्रीराम की जन्मभूमि के साथ ही साकेत नगरी के नाम से भी जाना जाता है। हिंदुओं के साथ ही बौद्ध और जैन धर्म के लिए भी अयोध्या नगरी का खास धार्मिक महत्व है। आइये जानते जन्मभूमि अयोध्या कैसे नगरी।

अयोध्या की स्थापना

रामायण के अनुसार, सरयू नदी के किनारे बसी अयोध्या नगरी की स्थापना सूर्य पुत्र वैवस्वत मनु द्वारा की गई। वैवस्वत मनु का जन्म लगभग 6673 ईसा पूर्व बताया जाता है। ये ब्रह्मा जी के पौत्र कश्यप की संतान थे। इसके बाद मनु के 10 पुत्र हुए जिनमें- इल, इक्ष्वाकु, कुशनाम, अरिष्ट, धृष्ट, नरिष्यंत, करुष, महाबली, शर्याति और पृषध थे। इक्ष्वाकु कुल में ही भगवान राम का जन्म हुआ था।

कैसे हुआ देवशिल्पी नगर 'अयोध्या' का निर्माण

स्कंद पुराण के अनुसार, जिस तरह से काशी भगवान शिव के त्रिशूल पर टिकी है। ठीक इसी तरह से अयोध्या विष्णु जी के सुदर्शन चक्र पर बसी है। इसे लेकर एक पौराणिक कथा है, जिसके अनुसार, मनु ब्रह्माजी के पास एक नगर निर्माण की योजना लेकर पहुंचे। ब्रह्माजी ने मनु को भगवान विष्णु के पास भेजा। विष्णु जी ने मनु के लिए साकेतधाम का चयन किया। साकेतधाम के निर्माण के लिए ब्रह्मा जी, मनु, भगवान विष्णु, शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा और महर्षि वरिष्ठ गए। भूमि का चयन सरयू नदी के किनारे किया गया और इसके बाद आरंभ हुई देवशिल्पी नगर निर्माण की। इसलिए अयोध्या को साकेत के नाम से भी जाना जाता है। वहीं भगवान राम के जन्म के समय इस नगर को अवध के नाम से जाना जाता था।

अयोध्या नगरी से जुड़ी खास बातें

- वाल्मीकि रामायण के 5वें सर्ग के बालकांड में अयोध्या का वर्णन करते हुए कहा गया है कि अयोध्या 12 योजन लंबी और 3 योजन चौड़ी थी। अयोध्या मंदिर और घाटों की प्रसिद्ध नगरी भी है। यहां के प्रसिद्ध सरयू नदी के किनारे 14 प्रमुख घाट भी हैं। जिसमें- गुप्त द्वार घाट, कैकयी घाट, कौशल्या घाट, पापमोचन घाय, लक्ष्मण घाट आदि हैं।
- अयोध्या में ही भगवान श्रीराम का जन्म हुआ। इसलिए इसे राम जन्मभूमि कहा जाता है, लेकिन इसी के साथ यहां कई महान योद्धा, ऋषि-मुनि और अवतारी पुरुष भी हुए। जैन मतानुसार, अयोध्या में ही आदिनाथ समेत 5 तीर्थकारों का भी जन्म हुआ था।
- 12 वीं सदी के आसपास अयोध्या में बड़े पैमाने पर सूफी-संतों के भी रहने का प्रमाण मिलता है।
- कहा जाता है कि भगवान श्रीराम जी के समाधि लेने के बाद त्रेतायुग में ही अयोध्या नगरी उजड़ गई थी। तब श्रीराम के पुत्र कुश ने अयोध्या को फिर से बसाया।
- कुश द्वारा अयोध्या का पुनर्निर्माण कराने के बाद सूर्यवंश की अगली 44 पीढ़ियों तक अयोध्या का अस्तित्व बरकरार रहा, लेकिन महाभारत युद्ध के बाद अयोध्या फिर से उजाड़ हो गई।
- इसके बाद अयोध्या मौर्य से लेकर गुप्त, कन्नौज, मुगल शासकों के अधीन रही। 1528 में बाबर के सेनापति मीरबकी ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर स्थित मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनवाई थी।
- इसके बाद भी अयोध्या में मंदिर-मस्जिद विवाद नहीं थमा और कई आंदोलन व सांप्रदायिक दंगे हुए। मामला कोर्ट पहुंचा और लंबी लड़ाई के बाद फैसला श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में आया।
- अब एक बार फिर से पवित्र और धार्मिक नगरी श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण हुआ, जिसमें रामलला विराजें हैं।

पढ़ने के दौरान नींद आए तो क्या करें

पढ़ने के दौरान कई बार किताबें उठाते ही क्या आपके बच्चे को भी नींद आने लगती है। बच्चों ही नहीं बड़ों के साथ भी ये समस्या देखने को मिलती है। चाहकर भी वे पढ़ नहीं पाते हैं। दरअसल, जब हम पढ़ाई करते हैं,तो आंखों से जुड़े मसल्स पर प्रेशर पड़ने लगता है। हमारा ब्रेन पढ़ी हुई चीजों को याद कर उसे कलेक्ट करता रहता है। जब आंखों के मसल्स थक जाते हैं या स्लो काम करने लगते हैं तो नींद आने लगती है। कई बार पढ़ने के दौरान हमारे बैठे का तरीका भी गलत होने पर नींद आ सकती है।

अंधेरे में पढ़ाई न करें

जब भी आप पढ़ाई करने बैठे तो ऐसी जगह चुनें जहां पर्याप्त रोशनी हो। इससे आंखों पर कम प्रभाव पड़ेगा और कम रोशनी वाली जगह बैठने से भी बच जाएंगे।अंधेरे में पढ़ाई करने पर नींद आने लगती है।

ओपन स्पेस में ही पढ़ें

खुली जगहों जैसे छत या बालकनी में हवा और रोशनी काफी अच्छी आती है। इसलिए ऐसी जगहों पर पढ़ाई करना चाहिए। इससे सुस्ती कम महसूस होगी और नींद भी नहीं आएगी। इसका फायदा आंखों को भी होगा।

कभी भी बिस्तर पर न पढ़ें

कुछ लोग बिस्तर पर बैठकर पढ़ाई करते हैं। ऐसा करने से आलस और सुस्ती महसूस होती है। जिससे पढ़ने में बिल्कुल भी मन नहीं लगेगा। इसलिए जब भी पढ़ाई करें तो टेबल और कुर्सी पर करें।

पढ़ाई से पहले हल्का भोजन करें

ज्यादा खाने के बाद सुस्ती और नींद आना स्वाभाविक है। ऐसे में जब भी खाना खाएं तो तुरंत बाद पढ़ने न बैठें। पढ़ने से पहले हल्का और पचने वाले भोजन करें। इससे नींद नहीं आएगी और आलस भी नहीं लगेगा।

तांबे के बर्तन से पानी पीने के फायदे

एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर

तांबे के बर्तन में रखा पानी एंटी-ऑक्सीड़ेंट्स से भरपूर होता है। इस पानी को पीने पर शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स की छुट्टी हो जाती है। इसके अलावा, कॉपर मेलानिन के प्रोडक्शन में हेल्प करता है जिसस त्वचा सूरज की हानिकारक किरणों से बचती है।

एजिंग प्रोसेस धीमा होता है

कॉपर इलास्टिन और कोलाजन के प्रोडक्शन में मदद करता है। इलास्टिन और कोलाजन स्किन को जवां बनाए रखने के लिए जरूरी होते हैं। कॉपर की बोतल में पानी रखा जाए और इस पानी को नियमित रूप से पिएं तो त्वचा पर झुर्रियां और फाइन लाइंस कम नजर आती हैं।

पाचन रहता है दुरुस्त

तांबे वाला पानी पाचन के लिए अच्छा होता है। इस पानी को पीने पर डाइजेस्टिव रसों का प्रोडक्शन बढ़ता है, इससे पाचन बेहतर तरह से हो पाता है और डाइजेस्टिव अंगों को भी सहायता मिलती है।

हर्बल टी बनाकर पिएं

लेमनग्रास एंड जिंजर टी

इसके लिए थोड़ी सी लेमनग्रास ले लें और अदरक को कूटकर उसे पानी में डालकर दोनों को साथ उबालें। इसमें लौंग भी डालें और थोड़ी देर उबालने के बाद छानकर पिएं। अगर टेस्ट बिटर लगे तो हल्का सा गुड़ डाल लें। ये सर्दियों में गले में बहुत आरात देती है और पेट के लिए भी बेहतरीन होती है।

हनी, लेमन एंड टरमरिक टी

ये चाय सर्दियों का अमृत कही जाती है। इसे बनाने के लिए थोड़ी सी काली मिर्च कूटकर और एक कच्ची हल्द की गांठ छोटे टुकड़े करके पानी में उबालें। कच्ची हल्दी गर्म होती है इसलिए मात्रा कम ही लें। थोड़ी देर बाद इसे छान लें और ऊपर से लेमन और हनी मिक्स करके पिएं।

तुलसी टी

तुलसी टी के जितने फायदे कहे जाएं कम हैं। इसे तो चाय के तौर पर अपनी रेग्यूलर चाय में मिक्स करके या पानी में उबालकर कैसे भी ले सकते हैं। ये इम्यूनिटी तो बढ़ाती ही है साथ ही स्किन के लिए भी बहुत अच्छी होती है। इसकी चाय बनने के लिए एक बाउल में तुलसी की पत्तियां उबालें और छानने के बाद ऊपर से एक चम्मच हनी और नींबू का रस मिलाकर पिएं।

मिंट टी, सिनेमन टी

सिनेमन इतना गर्म होता है कि इसे सर्दी में लेना ही ठीक है। इसके लिए सिनेमन को पानी में उबालें और काली मिर्च भी कूटकर डालें। इसे नीचे उतारकर गुड़ मिलाएं और पी लें। ये वेट लॉस में बहुत फायदा करती है। इसी तरह मिंट टी भी पी सकते हैं। मिंट टी पेट के लिए बेहतरीन होती है।

चिपचिपे बालों को इस तरह करें शैम्पू

गर्मी के मौसम में बाल धोने के अगले दिन से ही ये फिर से गंदे नजर आने लगते हैं। जिसकी वजह से काफी उलझन होती है। और किसी भी तरह की कोई हेयरस्टाइल भी नहीं बन पाती। अगर आप भी इस तरह की समस्या से रोजाना दो चार होती हैं। तो शैंपू करते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। क्योंकि गंदे बालों से ना केवल बदबू आना शुरू हो जाती है। बल्कि इससे चेहरे और गर्दन पर भी एक्ने की समस्या होने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि बालों को सही तरह से शैंपू कर धोया जाए।

शैंपू करने का सही तरीका

हो सकता है कि आप शैंपू करती हों लेकिन वो स्कैल्प से तेल को ना हटा पाता हो। इसका कारण है स्कैल्प में ठीक से शैंपू का ना पहंचना। इसके लिए आप शैंपू को पानी में घोलकर गीला कर लें। फिर इसको बालों में डालकर शैंपू करें। क्योंकि गीला शैंपू बालों में तेजी से फैलता है। स्कैल्प पर शैंपू करते वक्त उंगलियों की सहायता लें। उंगलियों से बालों को धीरे-धीरे करके मसाज करें। जिससे कि सारा शैंपू पूरे बालों में लग जाए और अच्छी तरह से गंदगी छुट जाए। फिर बालों को पानी से अच्छी तरह से साफ कर लें। -जिससे कि सारा शैंपू ठीक से छुट जाए। शैंपू करते वक्त कभी भी जल्दबाजी में ना रहें। शैंपू को लगाकर कम से कम एक से दो मिनट के लिए छोड़ दें। फिर इन्हें उंगलियों की सहायता से मसाज करके पानी से धोएं। ऐसा करने से बालों का सारा तेल एक बार में ही निकल जाएगा।

खाना खाने के बाद जरूर खाइए इलायची

माना जाता है कि इलायची के बीज, तेल और अर्क में प्रभावशाली औषधीय गुण होते हैं, जो सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है। दो इलायची अगर आप खाना खाने के बाद खा लेते हैं तो फिर आपको इसको ढेरो फायदे होंगे। यह माउथ फ्रेशनर का भी अच्छा काम करता है। दो इलायची अगर आप खाना खाने के बाद खा लेते हैं। यह माउथ फ्रेशनर का भी अच्छा काम करता है। तो चलिए आपको बताते हैं इलायची खाने के कितने फायदे हैं।

- इलायची के एंटीऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं जो मांसपेशियों को तंदुरुस्त रखने में का काम करते हैं। लेकिन ज्यादा सेवन शरीर में गर्मी पैदा कर सकता है, जिससे पेट खराब हो सकता है।
- इलायची का इस्तेमाल पेट से जुड़ी परेशानियों से निजात पाने के लिए किया जाता है। यह स्वाद में तीखी होती है लेकिन फायदे बहुत होते हैं। इसके सेवन से दिल की सेहत भी अच्छी होती है। यह नींद की समस्या से भी निजात दिलाने का काम करती है।
- यह मसाला गुर्दे की पथरी को ठीक करने में भी मदद कर सकता है। इसके अलावा सर्दी जुकाम (cold cough) में इससे से बनी चाय आराम पहुंचाती है। तो आज से ही आप इसको अपनी डाइट का हिस्सा बना लीजिए।

सर्दियों में वजन बढ़ना

सर्दियों के मौसम में खान–पान का अपना ही मजा है। इस मौसम में तरह–तरह की सब्जियां बाजार में आ जाती हैं जिनसे हम कई तरह के स्वादिष्ट व्यंजन बनाते हैं ।इस मौसम में सुबह के नाश्ते में पराठे ज्यादातर लोगों के घरों में बनने लगता है । गोभी पराठे, आलू पराठे, मेथी पराठे, पालक पराठे आदि कई वेराईटी के लोग स्वादिष्ट पराठे बनाकर खाना पसंद करते हैं । यही नहीं इस मौसम लोग हलवा खुब पसंद से खाते हैं । इसके साथ चाय और कॉफी का भी मजा ज्यादा लेते हैं । ऐसे में इस मौसम में अधिकतर लोगों को वजन बढ़ जाता है । कई बार लोगों को समझ नहीं आता है कि सर्दियों के मौसम में वजन क्यों बढ़ जाता है । सर्दियों में वजन बढ़ना नार्मल है । आइए जानते हैं यहां?

शारीरिक गतिविधियां कम

सबसे पहली वजह यह है कि सर्दियों में हम अक्सर घर पर ही रहते हैं. ठंढी हवाओं से बचने के लिए हम बाहर टहलने-फहलने नहीं जाते. इससे हमारी शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं.

ज्यादा कैलोरी लेना

दूसरा कारण यह है कि हम गर्म और तेलीय भोजन जैसे मोटर, गाजर का हलवा, पराठे आदि अधिक खाने लगते हैं जिससे कैलोरी की मात्रा बढ़ जाती है. सर्दियों के मौसम में हमारी खान-पान की आदतें बदल जाती हैं. इस मौसम में हम गर्म और पौष्टिक भोजन की ओर अधिक आकर्षित होते हैं। इस प्रकार सर्दियों में हम जो भोजन करते हैं उसमें कैलोरी की मात्रा सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक होती है ।आवश्यकता से अधिक कैलोरी का सेवन करने से वजन तेजी से बढ़ने लगता है।

मेटाबॉलिज्म धीमा होना

सर्दियों में हमारा मेटाबॉलिज्म यानी चयापचय क्रिया धीमी पड़ जाना भी एक कारण है कि हम अधिक कैलोरी ले लेते हैं। इसे हम इस प्रकार लिख सकते हैं। हमारे शरीर का तापमान गिर जाता है। कोशिकाओं में रासायनिक प्रतिक्रियाएं यानी चयापचय क्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं।

सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर

सर्दियों के मौसम में कई लोगों को सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर की समस्या होती है. इस विकार की वजह से व्यक्ति को सतत उदासी, अवसाद और सुस्ती जैसे लक्षण महसूस होते हैं. साथ ही भूख में भी परिवर्तन आता है. ऐसे लोग भोजन में रुचि कम हो जाने या ज्यादा खाने की आदत डाल लेते हैं।

बच्चे को नहलाने से पहले ध्यान में रखें ये बातें

ठंड अपने चरम पर पहुंच चुका है । ऐसे में बड़े सर लेकर बच्चे, सभी को नहाने में मौत आती हैं । सभी लोग पानी वाले किसी भी काम को करने से बचते हैं,लेकिन कुछ लोग ऑफिस के चलते शाम में घर वापस आने पर नहाते हैं और अपने छोटे बच्चे को भी उसी समय नहलाते हैं । गर्मी में तो ये ठीक है,लेकिन ठंड का मौसम में ऐसा करना गलत है । ठंड में अगर बॉडी पर अधिक ठंडा पानी डाला गया तो इससे बॉडी को बहुत नुक्सान हो सकता है,बल्कि डॉक्टर सीधे सिर पर पानी डालने से मना करते हैं क्योंकि इससे ब्रेन हेमरेज होने का खतरा रहता है । वैसे तो बच्चों को रात में नहलाना ज्यादा रिस्की हो सकता हैं ।

भूलकर भी ना यूज करें ठंडा पानी

ठंड के मौसम में दिन के समय में भी ठंडा पानी बर्दास्त के बाहर होता है। ऐसे में अगर आप अपने बच्चे को रात में ठंडे पानी से नहलाएंगे तो ये उनकी नाजूक स्किन के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकता हैं। ऐसा करने से उनकी त्वचा लाल हो सकती हैं और इंफेक्शन होने का भी डर रहता है। अपने बच्चे को हमेशा हल्के गुनगुने पानी से नहलाएं।

सीधे रजाई में लेकर ना जाएं

अगर आपकी भी आदत हैं अपने बच्चे को रात में नहलाकर उसे सिधे रजाई में लेकर घूस जाने की तो इसे आज और अभी से छोड़ दें। ऐसा करने से उसके बॉडी का तापमान अचानक से बदलता हैं जिससे वायरल बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही इससे बच्चे को सांस से जुड़ी समस्या हो सकती हैं।

सीधे पानी में ना डालें

कई लोग अपने बच्चे को नहलाने के लिए सीधे बाथ टब में डाल देते हैं। ऐसा करना बंद कर दें। छोटे बच्चों को नहलाने के लिए पहले उनकी बॉडी को टावल भीगोकर अच्छी तरह से पोछें। फिर उन्हें हल्के गर्म पानी से वाइप करें। बड़ों की तरह उन्हें मग से या तेज शावर से नहलाने से बचे।

देर रात सोने के फायदे

ये तो हमने कई बार सुना है कि रात में देर तक सोने से शरीर को कई तरह की नुकसान को झेलना पड़ता है। लेकिन क्या आपको पता है इसके कई सारे फायदे भी हैं। अगर आप रात में देर तक जागते हैं तो इसका आपके दिमाग पर कुछ ऐसा असर होता है। आप इसे इसके फायदे की तरह भी देख सकते हैं। अक्सर यह कहा जाता है कि रात में देरी से सोने वाले लोग काफी ज्यादा क्रिएटिव होते हैं।

जो रात में देर से सोते हैं उन्हें रात के वक्त अच्छे और क्रिएटिव विचार आते हैं क्योंकि रात के वक्त उनका दिमाग शांत हो जाता है। रात में उन्हें अच्छे विचार आते हैं।देर रात सोने वाले ज्यादा स्मार्ट और चालाक किस्म के होते हैं। कई रिसर्च में यह बात साफ भी हो चुकी है कि उनका आईक्यू लेवल काफी ज्यादा होता है। यही नहीं वो बहुत ही ज्यादा क्रिएटिव, जिज्ञासु, बहादुर स्मार्क होते हैं। यानि वह आधी रात अकेले बैठकर आराम से फिल्म देख सकते हैं। ऐसे लोग अपने काम फटाफट से करते हैं। जाहिर है कि अगर रात में देर से सो रहे हैं तो सुबह देर से ही जागेंगे, लेकिन आगे के काम करने में देरी हो सकती है। जो लोग रात में देर तक जागते हैं वह अपनी पढ़ाई राते में बहुत जल्दबाजी में कर लेते हैं। डेडलाइन तो इनके लिए बच्चों का खेल है।

दिमाग में तरह-तरह का आइडिया आता है

जिन लोगों को रात के वक्त देर तक जागने की आदत है उन्हें रात के वक्त तरह-तरह के आइडिया आते हैं। इस आइडिया को ध्यान में रखकर वह अगले दिन को लेकर प्लान कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

बजाज ऑटो की बिक्री में एक फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। बजाज ऑटो की मार्च में निर्यात सहित कुल वाहन बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत बढ़कर 3,69,823 इकाई हो गई। मार्च 2024 में उसने 3,65,904 वाहन बेचे थे। कंपनी ने बृहस्पतिवार पिछले महीने कुल घरेलू बिक्री 2,21,474 इकाई पर स्थिर रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,20,393 इकाई थी।

फोर्टिस हेल्थकेयर ने 200 करोड़ में पाया ट्रेडमार्क

नई दिल्ली। उसने 200 करोड़ रुपये की बोली लगाकर नीलामी के जरिये फोर्टिस ट्रेडमार्क हासिल किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 29 अक्टूबर, 2024 के आदेश के जरिये सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से 'फोर्टिस'' ट्रेडमार्क और संबद्ध चिह्नों की बिक्री का आदेश दिया था। यह आदेश उच्चतम न्यायालय के 22 सितंबर, 2022 के फैसले के अनुसार था।

हीरो मोटोकॉर्प की मार्च में बिक्री 12 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प की मार्च में कुल बिक्री सालाना आधार पर 12 प्रतिशत बढ़कर 5,49,604 इकाई हो गई। कंपनी ने मार्च, 2024 में 4,90,415 वाहन बेचे थे। हीरो मोटोकॉर्प ने बयान में कहा कि घरेलू बाजार में उसकी थोक बिक्री मार्च में 5,10,086 इकाई रही जो मार्च, 2024 के 4,59,257 इकाई के आंकड़े से 11 प्रतिशत अधिक है।

सेबी ने एचडीएफसी बैंक को दिया चेतावनी पत्र

नई दिल्ली। सेबी ने एचडीएफसी बैंक को नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने को लेकर चेतावनी पत्र जारी किया। बैंक के कामकाज के समय-समय पर होने वाले निरीक्षण के बाद, सेबी ने कुछ नियामकीय दिशानिर्देशों का कथित तौर पर अनुपालन नहीं करने के लिए एक प्रशासनिक चेतावनी पत्र जारी किया है।

विपुल के राइट्स इश्यू को 180 फीसदी अभिदान

नई दिल्ली। विशेष रसायन कंपनी विपुल ऑर्गेनिक्स के राइट्स इश्यू को अंतिम दिन बुधवार तक 180 प्रतिशत अभिदान मिला है। कंपनी का राइट्स इश्यू 21 मार्च को खुला था। राइट्स इश्यू में 10 रुपये अंकित मूल्य के 44,37,291 शेयर 46 रुपये प्रति शेयर (36 रुपये प्रति शेयर प्रीमियम सहित) की दर से पेश किए गए, जिनकी कुल कीमत 2041.15 लाख रुपये थी।

पीएनबी की ऋण वृद्धि मार्च तिमाही में 13.6 प्रतिशत

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने कहा कि उसने मार्च तिमाही में 13.6 प्रतिशत की ऋण वृद्धि दर्ज की है। इस दौरान उसका ऋण बढ़कर 11.17 लाख करोड़ रुपये हो गया है। पीएनबी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि 31 मार्च, 2024 के अंत में उसका कुल अग्रिम 9.83 लाख करोड़ रुपये था। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के अंत में बैंक की कुल जमा 13.69 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 14.3 प्रतिशत बढ़कर 15.65 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

भरना है इनकम टैक्स तो पहले जान लें क्या है आईटीआर का नियम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने का समय आ गया है। हर साल की तरह, सैलरीड कर्मचारी सहित सभी टैक्सपेयर वर्तमान में उपलब्ध सात आईटीआर फॉर्म में से किसी एक का इस्तेमाल करके अपना टैक्स रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। अभी के समय में, विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर टैक्स देने वालों के लिए 7 आईटीआर फॉर्म उपलब्ध हैं। आईटीआर फाइलिंग प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा सही आईटीआर फॉर्म की पहचान करना जरूरी है। आपकी आय के लिए कौन सा इनकम टैक्स रिटर्न फॉर्म सही है। इस खबर के माध्यम से बताने जा रहे हैं कि आईटीआर फॉर्म भरते समय आपको कौन सा फॉर्म सलेक्ट करना है।

- आईटीआर प्रक्रिया में सही इनकम टैक्स रिटर्न फार्म की पहचान करना जरूरी

आईटीआर फॉर्म क्या है?

इनकम टैक्स रिटर्न यानी आईटीआर एक प्रकार का फॉर्म होता है, जिसमें आपकी इनकम की सभी जानकारी भरी होती है। इस फॉर्म का इस्तेमाल औसत सैलरीड कर्मचारियों या निवासियों द्वारा किया जा सकता है जिनकी कुल आय वेतन/पेंशन, एक मकान संपत्ति और अन्य स्त्रोतों से 50 लाख रुपए तक है।

सात आईटीआर फार्म में से किसी एक का उपयोग करते हैं

आईटीआर 1 दाखिल करने के लिए कौन पात्र नहीं है?

आईटीआर-1 फॉर्म का इस्तेमाल वह व्यक्ति नहीं कर सकता जिसकी भारत से बाहर संपति है या जो विदेश से आय अर्जित कर रहा है। साथ ही, जिन व्यक्तियों की वार्षिक आय 50 लाख रुपए से अधिक है, वे इस फॉर्म का इस्तेमाल नहीं कर सकते। कृषि से 5,000 रुपए से अधिक की वार्षिक आय वाले लोगों को आईटीआर 1 दाखिल करने की अनुमति नहीं है।

आईटीआर 2 कौन दाखिल कर सकता है? : आईटीआर 2 फॉर्म ऐसे व्यक्ति या एचयूएफ भर सकते हैं जिनकी आय व्यवसाय या किसी पेशे से होने वाले लाभ या लाभ के आईटम में नहीं है। एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख रुपए से अधिक आय वाले व्यक्तियों और एचयूएफ को यह फॉर्म भरना चाहिए।

आईटीआर 2 दाखिल करने के लिए कौन पात्र नहीं है? : वो व्यक्ति या एचयूएफ, जिनकी साल की कुल आय में व्यापार या पेशे से प्राप्त लाभ है, वे आईटीआर 2 दाखिल नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा, वे टैक्स देने वाले लोग जिनकी आय ब्याज, वेतन, बोनस आदि से होती है। वे जो साझेदारी फर्म से कमीशन या पारिश्रमिक से आय अर्जित करते हैं, वे आईटीआर 2 दाखिल नहीं करेंगे।

सरकार ने आईटीआर 2 फॉर्म में क्या बदलाव किए हैं? : नया अपडेट 25 मार्च 2025 को लांच किया गया था। यह धारा 139 (8ए) के तहत संशोधित रिटर्न दाखिल करने की सुविधा प्रदान करता है, जिससे व्यक्ति आवश्यकता पड़ने पर अपने रिटर्न में सुधार कर सकते हैं। इससे सैलरीड कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और अन्य गैर-व्यावसायिक करदाताओं को रिटर्न दाखिल करना आसान हो जाता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 27 फीसदी जवाबी शुल्क लगाया

भारत के झींगा, कालीन और स्वर्ण आभूषण क्षेत्र पर अमेरिकी शुल्क का सबसे ज्यादा असर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दो अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक नई शुल्क नीति की घोषणा की। घोषणा में सभी आयातित वस्तुओं पर एक सार्वभौमिक 10 प्रतिशत शुल्क शामिल है, जो पांच अप्रैल से प्रभावी होगा। वहीं नौ अप्रैल से 27 प्रतिशत का शुल्क लागू होगा।

शुल्क से 60 से अधिक देश प्रभावित

अमेरिका द्वारा घोषित उपायों से 60 से अधिक देश प्रभावित हो रहे हैं। अमेरिका घरेलू झींगा मछली उद्योग का सबसे बड़ा बाजार है। अधिक शुल्क के कारण अब झींगा मछली, अमेरिकी बाजार में काफी कम प्रतिस्पर्धी रह जाएगी। अमेरिका ने पहले से ही भारतीय झींगा पर डंपिंग-रोधी और प्रतिपूरक शुल्क लगा रखा है। भारत के कुल झींगा निर्यात में से 40 प्रतिशत अमेरिका को भेजा जाता है।

भारत के प्रमुख प्रतिस्पर्धी इक्वाडोर व इंडोनेशिया

अमेरिकी बाजार में घरेलू निर्यातकों के प्रमुख प्रतिस्पर्धी इक्वाडोर और इंडोनेशिया हैं। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जमे हुए झींगा का निर्यात 7,16,004 टन था। पिछले वित्त वर्ष में अमेरिका ने 2,97,571 टन आयात किया, उसके बाद चीन (1,48,483 टन), यूरोपीय संघ (89,697 टन) और जापान (35,906 टन) का स्थान रहा।

भारत के झींगा मछली, कालीन, चिकित्सा उपकरण और स्वर्ण आभूषण जैसे निर्यात क्षेत्रों पर अमेरिका द्वारा बुधवार को घोषित 27 प्रतिशत शुल्क का असर देखने को मिलेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। हालांकि, इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा और फार्मा जैसे निर्यात क्षेत्र अमेरिका में अपने प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले थोड़ी बेहतर स्थिति रहेंगे।

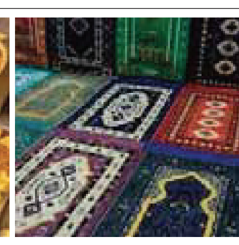

- भारत अमेरिका में प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले बेहतर स्थिति में
- अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करने लगाया गया शुल्क
- घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने नई शुल्क नीति घोषित की गई

अमेरिका भारत से कालीन का सबसे बड़ा आयातक

अमेरिका को ब्लैक टाइगर झींगा का निर्यात मात्रा के लिहाज से 35.37 प्रतिशत और मूल्य के लिहाज से 32.35 प्रतिशत बढ़ा है। इसी तरह, अमेरिका भारत से कालीन का सबसे बड़ा आयातक है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह करीब दो अरब डॉलर था। वित्त वर्ष 2023-2024 में, भारत ने वैश्विक स्तर पर 32.85 अरब डॉलर के रत्न और आभूषण निर्यात किए, जिसमें अमेरिका का हिस्सा 30.28 प्रतिशत (10 अरब डॉलर) था।

भारत ने 11.88 अरब डॉलर के हीरे, सोने व चांदी का किया निर्यात : वर्ष 2024 में, भारत ने 11.88 अरब डॉलर के हीरे, सोने और चांदी का निर्यात किया। इसमें 13.32 प्रतिशत का शुल्क अंतर है। देश तराशे और पॉलिश किए गए हीरे, जड़े हुए सोने के आभूषण, सादे सोने के आभूषण, प्रयोगशाला में तैयार किये गए हीरे और चांदी के आभूषणों सहित कई तरह के उत्पादों का निर्यात करता है। अमेरिका भारत के सबसे बड़े आभूषण निर्यात बाजारों में से एक है, जिसकी हिस्सेदारी लगभग 30 प्रतिशत है।''

चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में चुनौतियां पैदा हो सकती है

एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री (एआईएमईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेरिका को चिकित्सा उपकरण निर्यात पर 27 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाने से इस क्षेत्र की वृद्धि के लिए चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में, भारत का अमेरिका को चिकित्सा उपकरण निर्यात 71 करोड़ 43.8 लाख डॉलर का था, जबकि अमेरिका से भारत में आयात काफी अधिक 1.52 अरब डॉलर का था।

भारत के प्रतिस्पर्धी देशों पर उच्च शुल्क लगाया गया

सकारात्मक पक्ष यह है कि भारत के लिए शुल्क में भारी वृद्धि के बावजूद, यह प्रथम दृष्टया परिधान क्षेत्र के लिए भारत के लिए लाभ का मामला प्रतीत होता है, क्योंकि भारत के प्रमुख प्रतिस्पर्धी देशों जैसे चीन, बांग्लादेश, वियतनाम, कंबोडिया और श्रीलंका पर अमेरिका द्वारा उच्च शुल्क लगाया गया है।

सोना 94,350 रुपए के नए शिखर पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- चांदी 1,000 रुपए टूटी
- सोने में 200 रुपए की तेजी

आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्ट की सतत लिवाली के बीच बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 200 रुपये बढ़कर 94,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी है। बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 94,150 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200 रुपये बढ़कर 93,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। हालांकि, चांदी की कीमत बुधवार के बंद स्तर 1,01,500 रुपये प्रति किलोग्राम से 1,000 रुपये टूटकर 1,00,500 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। एलकेपी सिक्योरिटीज में उपाध्यक्ष शोध विश्लेषक जिंस और मुद्रा जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''जवाबी शुल्क के प्रभाव से सुबह के सत्र में सोने में शुरुआती तेजी देखी गई, लेकिन जल्द ही कीमतों में मुनाफावसूली का दौर शुरू हो गया।'' अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 43.39 डॉलर या 1.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,089.64 डॉलर प्रति औंस रह गया। बुधवार को, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 60 से अधिक देशों पर शुल्क लगाने की घोषणा के बाद यह 3,167.71 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के शुल्क निर्णय के बाद जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ने से सोना 3,167 डॉलर प्रति औंस के नए रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया।

बाजार का ध्यान बेरोजगारी व पीएमआई आंकड़ों पर

अबन्स फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चिंतन मेहता ने कहा कि इसके अलावा, बाजार का ध्यान साप्ताहिक अमेरिकी बेरोजगारी दावों और बृहस्पतिवार को देर से जारी होने वाले सेवा पीएमआई आंकड़ों पर रहेगा, जो बढ़ते व्यापार तनाव के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती के बारे में और जानकारी दे सकते हैं।

ट्रंप की शुल्क घोषणा से सेंसेक्स 322 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

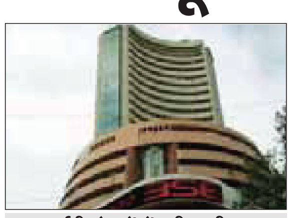

- आईटी शेयरों में रही भारी बिकवाली
- वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख से बाजार में रहा नुकसान

स्थानीय शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 322 अंक टूट गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत समेत 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा के बाद सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में बिकवाली तथा वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख से बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 322.08 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,295.36 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 809.89 अंक तक लुढ़क गया था। हालांकि, बाद में औषधि शेयरों में तेजी से बाजार नुकसान की कुछ हद तक भरपाई करने में सफल रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 82.25 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,250.10 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी एक समय 186.55 अंक तक लुढ़क गया था। भारत उच्च आयात शुल्क वसूलता है, ऐसे में अब देश के व्यापार घाटे को कम करने और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाना जरूरी था।

इन शेयरों में रहा नुकसान

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा स्टील के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट आई।

ये शेयर रहे लाभ में

दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में पावरग्रिड, सन फार्मास्युटिकल्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया, टाइटन, इंडसइंड बैंक और एक्सिस बैंक शामिल है।

रिलायंस आंध्र प्रदेश में सीबीजी संयंत्र लगाएगी...

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा है कि वह आंध्र प्रदेश में 500 'कॉम्प्रेस्ड बायोगैस' संयंत्र स्थापित करने में 65,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इनमें से पहले संयंत्र का शिलान्यास हो चुका है। कंपनी ने बयान में कहा कि आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश ने राज्य के प्रकाशम जिले के कनिगिरी में पहले रिलायंस कॉम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र की आधारशिला रखी। रिलायंस ने कहा, ''यह परियोजना 139 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश के साथ विकसित की जा रही है। यह आंध्र प्रदेश के लिए 65,000 करोड़ रुपये के कुल पूंजी व्यय से 500 संयंत्र लगाने की दिशा में पहला संयंत्र है। संयंत्र को नवीन प्रौद्योगिकी के साथ विकसित किया जाएगा और इसमें बायोगैस का उत्पादन करने के लिए बंजर और बेकार जमीन पर उगाई जाने वाली नेपियर यानी लंबी घास (हाथी घास) का उपयोग किया जाएगा।

रुपया शुरुआती नुकसान से उबरा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- 22 पैसे चढ़कर 85 .30 प्रति डॉलर
- विश्व की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर हुआ कमजोर

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बृहस्पतिवार को रुपया अपने शुरुआती नुकसान से उबरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 22 पैसे के उछाल के साथ 85.30 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। ऐसा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा करीब 60 देशों पर जवाबी शुल्क लगाने के बाद विश्व की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर होने के कारण हुआ। शुरुआती कारोबार में घरेलू मुद्रा को झटका लगा लेकिन जल्द ही इसने अपनी खोई जमीन फिर हासिल कर ली और दिन का अंत में यह सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ। अमेरिका ने भारत पर 27 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा करते हुए कहा कि भारत, अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च आयात शुल्क लगाता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में बेहतर स्थिति में है।

ओला इलेक्ट्रिक की उसी दिन पंजीकरण व डिलीवरी सुविधा

- पंजीकृत वाहनों पर कुछ ही घंटों में घर जा सकते हैं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ओला इलेक्ट्रिक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने वाहनों के उसी दिन पंजीकरण और डिलिवरी की पहल शुरू की है। बेंगलुरू स्थित फर्म ने बयान में कहा, ''हाइपरडिलिवरी का प्रायोगिक दौर, बेंगलुरु में शुरू हुआ है और इस तिमाही के दौरान चरणबद्ध तरीके से पूरे भारत में इसका विस्तार किया जाएगा।''

ग्राहक अब अपनी खरीदारी ऑनलाइन या ओला इलेक्ट्रिक स्टोर पर पूरी कर सकते हैं और अपने पूरी तरह से पंजीकृत वाहनों पर कुछ ही घंटों में घर जा सकते हैं। ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने कहा, ''हमने एआई-आधारित स्वचालन के माध्यम से और पंजीकरण प्रक्रिया को पूरी तरह से आंतरिक करके वाहनों के पंजीकरण के प्रसंस्करण समय में काफी कमी की है।' प्रवक्ता ने कहा, ''इसके साथ हम अपने ग्राहकों के लिए बहुत ही सहज खरीदारी अनुभव सुनिश्चित कर रहे हैं, थकाऊ खरीद प्रक्रियाओं और लंबी डिलिवरी समयसीमा को खत्म कर रहे हैं।''

रियल एस्टेट क्षेत्र में 1.3 अरब डॉलर का संस्थागत निवेश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- कोलियर्स इंडिया ने जारी की रिपोर्ट
- संस्थागत निवेशकों ने ऊंची छलांग लगाई

भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश ने ऊंची छलांग लगाई है। जनवरी-मार्च की तिमाही में रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 31 प्रतिशत बढ़कर 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया।

कोलियर्स इंडिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 31 प्रतिशत बढ़ा है। इसमें मुख्य रूप से घरेलू निवेश का योगदान रहा है। मार्च तिमाही में कुल प्रवाह में घरेलू निवेश का हिस्सा 60 प्रतिशत रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान घरेलू निवेश 80 करोड़ डॉलर रहा, जो सालाना आधार पर 75 प्रतिशत की वृद्धि है। घरेलू निवेश मुख्य रूप से औद्योगिक और गोदाम और कार्यालय खंड पर केंद्रित रहा।

निवेशक भरोसा दिखा रहे

कोलियर्स इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बादल याग्निक ने कहा कि भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र को लेकर संस्थागत निवेशक लगातार भरोसा दिखा रहें हैं। यह वृद्धि रियल स्टेट क्षेत्र की जुझारू क्षमता और ऐसे अवसरों को प्रदर्शित करती है, जिनका अभी तक दोहन नहीं हो सका है।

अनिवार्य सुरक्षा मानदंडों को पूरा करना जरूरी है कंपनियों को

बढ़ती लागत की वजह से दाम बढ़ा रही कार कंपनियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनिवार्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए कच्चे माल की बढ़ती लागत के साथ-साथ सभी संस्करणों में छह एयरबैग जैसी सुविधाओं के लिए उपभोक्ताओं की बढ़ती पसंद के कारण कार विनिर्माता सुस्त मांग के बावजूद कीमतों में बढ़ोतरी कर रहे हैं।

- सभी संस्करणों में छह एयरबैग जैसी सुविधा लागू की गई

उद्योग जगत के दिग्गजों ने यह बात कही है। अग्रणी ब्रांड मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को आठ अप्रैल से विभिन्न मॉडल की कीमतों में 2,500-62,000 रुपये तक की वृद्धि करने की घोषणा की है। इस साल यह उसकी दूसरी वृद्धि है। मारुति सुजुकी इंडिया ने इससे पहले एक फरवरी से विभिन्न मॉडल की कीमतों में 32,500 रुपये तक की वृद्धि की थी।

कच्चे माल की लागत में वृद्धि भी बड़ा कारण

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विक्रम पावाह ने कहा, "हम हर तिमाही में इसकी समीक्षा करते हैं और विनिमय दर तथा कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण हम कीमतों में संशोधन करते हैं। हमने अप्रैल में भी कुछ विशेष मॉडल पर तीन प्रतिशत तक की मामूली मूल्यवृद्धि की थी।"

सीट बेल्ट व पीछे की सीटों को मजबूत किया गया : उद्योग के जानकारों के अनुसार, 3-पॉइंट ईएलआर सीट बेल्ट और सामान रखने के लिए पीछे की सीटों को मजबूत बनाने जैसी सुरक्षा आवश्यकताओं के कारण भारत में यात्री वाहनों की लागत बढ़ गई है। उद्योग के एक अधिकारी ने कहा, "इसके अलावा, विभिन्न संस्करणों में छह एयरबैग जैसे अधिक सुरक्षा खूबियों की उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग के कारण भी इसकी लागत बढ़ गई है।"

वृद्धि एक से दो फीसदी के दायरे में रहेगी : कीमतों में बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब उद्योग में बिक्री में सुस्ती देखी जा रही है और चालू वित्त वर्ष (2025-26) में वृद्धि एक से दो प्रतिशत के दायरे में रहने का अनुमान है।

सुस्ती के बावजूद कीमतें बढ़ाई गई

इसी तरह, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने इस महीने से चुनिंदा मॉडल पर तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। हुंडई, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया और होंडा कार्स ने भी अप्रैल से वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजना की घोषणा की है। पूरे यात्री वाहन बाजार में सुस्ती के बावजूद कीमतों में वृद्धि करने के सवाल पर मारुति सुजुकी इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, "कीमतों में वृद्धि पूरी तरह से नियामकीय बदलावों के कारण कच्चे माल की लागत के चलते की गई है। आंशिक रूप से ऐसी लागत का बोझ ग्राहकों पर डाला गया है।"

होंडा मोटरसाइकिल की बिक्री मार्च में 11 प्रतिशत बढ़ी

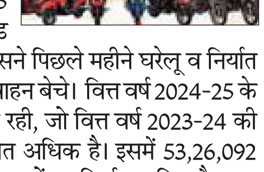

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की मार्च में कुल बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 4,27,448 इकाई हो गई। कंपनी ने मार्च, 2024 में 3,86,455 वाहन बेचे थे। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने कहा, उसने पिछले महीने घरेलू व निर्यात बाजारों में क्रमशः 4,01,411 और 26,037 वाहन बेचे। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए में कंपनी की बिक्री 58,31,104 इकाई रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 की 48,93,522 इकाई की बिक्री से 19 प्रतिशत अधिक है। इसमें 53,26,092 वाहनों की की घरेलू बिक्री और 5,05,012 वाहनों का निर्यात शामिल है।

मुस्लिम बस्तियों में 'फैक्ट फाइल', संसद से मंजूरी के बाद वक्फ पर क्या है भाजपा का नया प्लान?

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

वक्फ संशोधन विधेयक संसद से पास होने के बाद राजनीति के मैदान में इस मुद्दे को गर्माए जाने के साफ संकेत दिखाई दे रहे हैं। मुस्लिम मतों की राजनीति करने वाले विपक्षी दल जहां इसे भाजपा के विरुद्ध भुनाने की तैयारी में हैं तो भाजपा ने भी कमर कस ली है। ऐतिहासिक ट्रिपल तलाक कानून के सहारे मुस्लिम महिलाओं का कुछ विश्वास जीतने वाला भगवा खेमा अब संशोधित वक्फ कानून का इस वर्ग की महिलाओं के साथ ही गरीब और पिछड़े (पसमांदा) मुस्लिमों पर 'मोहिनी अस्त्र' के रूप में प्रयोग करेगा।

नए-पुराने कानून का जिक्र कर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के बीच जाएगी भाजपा

पुराने और नए कानून की फैक्ट फाइल लेकर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अल्पसंख्यक बस्तियों में जाएगा। संसद के दोनों सदनों में दिखा कि वक्फ संशोधन विधेयक पर घंटों चर्चा हुई। विपक्ष ने गंभीरता से इसमें हिस्सा तो लिया, लेकिन अधिकतर नेता विधेयक के तकनीकी बिंदुओं पर तर्क-वितर्क करने की बजाए न सिर्फ भाजपा को मुस्लिम विरोधी घोषित करने के प्रयास में रहे, बल्कि खुलकर भाजपा को मुस्लिम विरोध बताया भी। इस प्रतिक्रिया के लिए भाजपा पहले से तैयार थी। यही कारण है कि सरकार ने जहां कानून के प्रविधानों पर काम किया, वहीं संगठन ने इसके प्रभाव की राजनीतिक बिसात बिछाने पर दिमाग दौड़ाया। I.N.D.I.A के रूप में एक छतरी के नीचे संघर्ष कर रहे कांग्रेस, सपा, डीएमके, राजद, एनसीपी और टीएमसी जैसे दलों की आंखें एकजुट मुस्लिम मतों के अपने पक्ष में मजबूत होने की संभावना को लेकर चमक रही हैं तो भाजपा का दावा है कि इनके चेहरों से नकाब हटाना अब अधिक आसान होगा। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने बताया कि वक्फ के मुद्दे को जनता के बीच ले जाने की भाजपा की पूरी तैयारी है। निर्णय किया गया है कि यह विधेयक संसद से पारित होने वाली तिथि तीन अप्रैल को वक्फ आजादी दिवस के रूप में घोषित किया जाएगा। इस संदेश के साथ ही भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के 65 हजार पदाधिकारी और 38 लाख सदस्यों को मैदान में उतारने का प्रयास होगा। मोर्चा के कार्यकर्ता मुस्लिम बस्तियों में बेदारी मुहिम यानी जगाने वाला अभियान चलाएंगे। वह बताएंगे कि किस तरह लाखों-करोड़ों रुपये की वक्फ संपत्ति का दुरुपयोग अब तक कुछ माफिया कर रहे थे। सारे तथ्य सामने रखेंगे कि इस संपत्ति से कितनी आय हो सकती थी और उससे कैसे मुस्लिम समाज का भला होता। चूंकि, कानून में संशोधन के बाद वक्फ बोर्ड में महिलाओं के साथ ही पिछड़े मुसलमानों की भागीदारी का रास्ता भी खुल रहा है तो यह भी बताया जाएगा कि भाजपा ने गरीब-पिछड़े मुसलमानों के लिए कितना बड़ा काम किया है। मोर्चा अध्यक्ष का दावा है कि तीन तलाक कानून ने मुस्लिम महिलाओं की जिंदगी बदली, सरकार की योजनाओं में गरीब मुस्लिमों को लाभ मिला, जिसकी वजह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति उनका विश्वास बढ़ा है।

शिक्षक भर्ती मामलाः न्यायपालिका के प्रति सम्मान है, लेकिन फैसला स्वीकार नहीं: ममता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया है। स्कूल शिक्षकों की नियुक्तियों को अमान्य करार देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि, न्यायपालिका के प्रति सर्वोच्च सम्मान है, लेकिन फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। ममता ने कहा कि नौकरी खो चुके लोगों से मिलेंगे, उनसे उम्मीद न खोने को कहेंगे। वहीं ममता बनर्जी ने विपक्षी दल भाजपा पर तीखा हमला बोला है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पूछा, 'क्या भाजपा बंगाल की शिक्षा प्रणाली को ध्वस्त करना चाहती है? पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री जेल में हैं, एमपी व्यापम मामले में कितने भाजपा नेता गिरफ्तार हुए। सुप्रीम कोर्ट के 25 हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति रद्द करने के बाद पश्चिम बंगाल भाजपा ने सीएम ममता बनर्जी से इस्तीफा देने की मांग की। राज्य भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने एक्स पर लिखा कि शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी राज्य की असफल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से साफ है कि ममता बनर्जी के शासन में कैसे पश्चिम बंगाल में शिक्षित बेरोजगार युवाओं की योग्यता को पैसे के बदले बेचा गया। इस बड़े भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए मैं विफल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से तत्काल इस्तीफे की मांग करता हूं। अब और माफी नहीं मिलेगी।

मुसलमानों के लिए भाजपा की चिंता देखकर जिन्ना को भी शर्म आ जाएगी: उद्धव ठाकरे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को केंद्र की मोदी सरकार पर कटाक्ष किया। कोर्ट ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान भाजपा और उसके सहयोगियों की ओर से दिखाई गई चिंता पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना को शर्मिंदा कर देगी। लोकसभा से विधेयक पारित किए जाने के कुछ घंटों बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी विधेयक पर भाजपा के कपटपूर्ण रुख और जमीन छीनकर अपने उद्योगपति मित्रों को देने की उसकी चाल का विरोध करती है। भाजपा के पूर्व सहयोगी उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने केंद्र में तीसरी बार जीत हासिल की है। चीजें अच्छी चल रही हैं, फिर भी वह हिंदू-मुस्लिम मुद्दों को उठा रही है। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी कि अगर उसे मुसलमान नापसंद हैं तो वह अपने पार्टी के झंडे से हरा रंग हटा दे। ठाकरे ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश को अमेरिकी टैरिफ के खतरे और इसे कम करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में बताना चाहिए। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने विधेयक और उसे पारित कराने के लिए सरकार की ओर से दिखाई गई जल्दबाजी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह विधेयक जबरन पास कराया गया है, इसे थोपा गया है। इससे पहले लोकसभा ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को 12 घंटे की बहस के बाद आधी रात के बाद पारित कर दिया था। विपक्षी सदस्यों की ओर से पेश किए गए सभी संशोधनों को ध्वनि मत से खारिज किए जाने के बाद विधेयक को पारित किया गया। मत विभाजन के दौरान 288 वोट पक्ष में और 232 विपक्ष में पड़े। विधेयक अब गुरुवार को राज्यसभा में आएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों पर बैन हटाने से किया इनकार, कहा- दिल्ली में खतरनाक स्तर पर वायु प्रदूषण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर लगे प्रतिबंध को हटाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि लंबे समय से यहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइंया की बेंच ने कहा कि सड़कों पर काम करने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रदूषण से प्रभावित होते हैं। हर किसी के पास अपने घर या कार्यस्थल पर वायु शुद्धिकरण यंत्र लगाने की सुविधा नहीं होती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'पिछले छह महीनों में इस अदालत ने कई आदेश दिए हैं, जो दिखाते हैं कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति बहुत खराब रही है। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वास्थ्य का अधिकार हर नागरिक का हक है, जिसमें स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण में जीने का अधिकार भी शामिल है।' सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से बेहद कम प्रदूषण होता है, तब तक इस बैन पर दोबारा विचार करने का सवाल ही नहीं उठता। कोर्ट के अनुसार, दिल्ली में जो असाधारण स्थिति बनी हुई है, उसके चलते पटाखों पर रोक लगाना बिल्कुल जरूरी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि समय-समय पर पारित आदेशों से यह संकेत मिलता है कि पटाखों के उपयोग पर निर्देश

महाकुंभ की जमीन पर भी वक्फ ने किया था दावा, ये माफिया बोर्ड यूपी में नहीं चल सकताः योगी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज गुह्य की जयंती के अवसर पर एक समारोह में भाग लिया। उन्होंने भगवान राम और निषादराज की प्रसिद्ध मित्रता का स्मरण करते हुए वर्तमान में निषादराज पार्टी और भाजपा के बीच के गठबंधन की तुलना की। सीएम योगी ने प्रयागराज में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि देख रहे हो... जगह-जगह शहरों में वक्फ के नाम पर कब्जे किए गए। यहां पर भी निषादराज की पौराणिक भूमि पर कब्जा किया गया। हम पीएम मोदी आ आभार व्यक्त करते हैं। जिस समय हम महाकुंभ का आयोजन करने जा रहे थे, उस समय वो बयान दे रहे थे कि प्रयागराज में कुंभ की भूमि भी वक्फ की भूमि है। ये माफिया बोर्ड (वक्फ बोर्ड) उत्तर प्रदेश में नहीं चल सकता। हम लोगों ने वक्फ माफिया, भू माफियाओं को उत्तर प्रदेश से खदेड़ दिया है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर प्रयागराज के ऐतिहासिक महत्व को अनदेखा करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी सरकार प्रयागराज के पौराणिक गौरव को पुनर्स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने भूमि माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया और वक्फ संशोधन विधेयक के माध्यम से प्रयागराज के धार्मिक स्थलों की रक्षा करने की बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि अब यहां अपराध सहन नहीं किया जाएगा और सरकार शून्य सहनशीलता की नीति के साथ काम कर रही है। योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार, विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया, जिनके प्रयासों से वक्फ संशोधन विधेयक को पारित किया गया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक प्रयागराज के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था की रक्षा करेगा और इस पवित्र शहर की पहचान को सुरक्षित रखेगा। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ ने बहुत कुछ दे दिया प्रदेश,देश और सनातन धर्मावलिबंयों को। इतना बड़ा आयोजन रामभक्त ही कर सकते हैं। इसके लिए राष्ट्रनिष्ठा चाहिए। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति समर्पण नहीं, वह इतना बड़ा आयोजन नहीं कर सकता। कहीं भी जाएंगे कि मैं प्रयागराज से आया हूं, लोग सिर-आंखों पर बैठाने का काम करेंगे। सम्मान और पहचान मिल गई, इससे बढ़कर कुछ नहीं होता।

संसद में पारस्परिक टैरिफ का मुद्दा उठाएगी कांग्रेस, ट्रंप व्यवसायी, हमारा ग्राहक फंस गयाः खरगे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 26 फीसदी पारस्परिक टैरिफ ने एक राजनीतिक मुद्दे को जन्म दे दिया है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर लगातार केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। इस बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इस मुद्दे को संसद में उठाने की बात कही है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी की दोस्ती पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि ट्रंप एक व्यवसायी हैं, और हमारा ग्राहक फंस गया। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बृहस्पतिवार को संसद के बाहर कहा कि उनकी पार्टी अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगाए गए पारस्परिक टैरिफ पर चर्चा करेगी। इस मुद्दे पर एक बाइट देना उचित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर चर्चा के बाद एक विस्तृत बयान जारी करेगी। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाने के लिए तैयार है। खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच दोस्ती पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वे एक-दूसरे को गले लगाते हैं और बात करते हैं। इसके बाद ये टैरिफ लगाना दर्शाता है कि ट्रंप एक व्यवसायी हैं, और अब हमारा ग्राहक फंस गया है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ को व्यापार के लिए बेहद हानिकारक बताया। उन्होंने सरकार से इस मुद्दे को उठाने की अपील की। शुक्ला ने कहा, 'यह हमारे व्यापार के लिए बेहद हानिकारक होगा। भारत सरकार को इस मुद्दे को तुरंत अमेरिकी सरकार के समक्ष उठाना चाहिए।' बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को नए आयात शुल्क की घोषणा की। इसमें भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया गया। इस दौरान ट्रंप ने पीएम मोदी को अपना 'अच्छा मित्र' बताया और कहा कि भारत अमेरिका से 52 फीसदी शुल्क वसूलता है, जबकि हम उनसे कुछ भी शुल्क नहीं वसूलते हैं। ट्रंप ने कहा कि आप (पीएम मोदी) हमारे साथ सही व्यवहार नहीं कर रहे हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका अन्य देशों से मोटरसाइकिलों पर केवल 2.4 फीसदी शुल्क लेता है। जबकि थाईलैंड 60 फीसदी, भारत 70 फीसदी, वियतनाम 75 फीसदी और अन्य देश इससे भी अधिक शुल्क वसूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी विदेशी निर्मित ऑटोमोबाइल पर 25 फीसदी शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि हम सभी विदेशी निर्मित ऑटोमोबाइल पर 25 फीसदी टैरिफ लगाएंगे और यह आधी रात से प्रभावी होगा। ट्रंप ने चीन पर 34 फीसदी, यूरोपीय संघ पर 20, वियतनाम पर 46, ताइवान पर 32, जापान पर 24, भारत पर 26, यूनाइटेड किंगडम पर 10, बांग्लादेश पर 37, पाकिस्तान पर 29, श्रीलंका पर 44 और इस्राइल पर 17 फीसदी आयात शुल्क लगाने की घोषणा की।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सार्वजनिक करेंगे अपनी संपत्ति, जजों की बैठक में लिया गया अहम फैसला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। शीर्ष अदालत में हुई न्यायाधीशों की बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित 30 न्यायाधीशों ने अपनी संपत्तियों को न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के मुताबिक एक अप्रैल को हुई बैठक में जजों ने संकल्प लिया कि न्यायाधीश जब भी पदभार ग्रहण करेंगे या कोई अहम जिम्मेदारी लेंगे तो उनको मुख्य न्यायाधीश के सामने अपनी संपत्ति की घोषणा करनी होगी। अब तक 1997 के एक प्रस्ताव के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति की घोषणा मुख्य न्यायाधीश के समक्ष करनी होती थी। 2009 के एक निर्णय में न्यायालय की वेबसाइट पर संपत्ति घोषणा के स्वैच्छिक प्रकाशन की अनुमति दी गई थी, लेकिन सभी न्यायाधीशों ने ऐसा करने का विकल्प नहीं चुना। अब सुप्रीम कोर्ट के जजों ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक करने पर सहमति जताई। जिन न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा कर दी है, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। घोषणाओं का पूरा सेट सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह कदम जस्टिस यशवंत वर्मा मामले के बाद उठाया है। हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना के बाद कथित तौर पर नकदी की जली हुई गड्डियां मिली थीं। विवाद के बाद उनका तबादला इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कर दिया गया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि उनका तबादला नकदी मिलने के विवाद से संबंधित नहीं था। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस में शामिल हुए बीआरएस के कुछ विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाओं पर निर्णय लेने में तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कथित देरी का मुद्दा उठाने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। एक याचिका में तीन विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली याचिकाओं से संबंधित तेलंगाना उच्च न्यायालय के नवंबर 2024 के आदेश को चुनौती दी गई है। जबकि दूसरी याचिका दलबदल करने वाले शेष सात विधायकों से संबंधित है। पिछले साल नवंबर में उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष को तीनों विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाओं पर उचित समय के भीतर फैसला करना चाहिए।

सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ भाजपा ने खोला मोर्चा, पुलिस ने पूर्व सीएम येदियुरप्पा को हिरासत में लिया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बेंगलूरू

बंगलूरू में गुरुवार को सीएम सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ भाजपा ने मोर्चा खोला। भाजपा नेताओं ने राज्य की कांग्रेस सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। पुलिस ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने जा रहे पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र, कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक और भाजपा नेता सीटी रवि समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। कर्नाटक सरकार ने डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। इसे लेकर भाजपा विरोध कर रही है। बुधवार को भाजपा ने फ्रीडम पार्क में धरना प्रदर्शन किया। इसमें पूर्व सीएम येदियुरप्पा ने कहा, जरूरी वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण आम लोग संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के भीतर मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर आंतरिक खींचतान मची हुई है। ये दिखाता है कि सरकार को लोगों की कोई परवाह नहीं है, वे किसी तरह बस सत्ता में बने रहना चाहते हैं। गुरुवार को भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च शुरू किया। इस दौरान पुलिस ने भाजपा नेताओं को हिरासत में ले लिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा कि आंदोलन मूल्य वृद्धि, सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण तथा अनुसूचित जाति उपयोजना और अनुसूचित जनजाति उपयोजना के लिए निर्धारित धनराशि के दुरुपयोग के खिलाफ है। हम इन तीन प्रमुख मुद्दों को लोगों तक ले जा रहे हैं। कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ भाजपा ने ने सात अप्रैल से मैसूर से जनाक्रोश यात्रा निकालने की भी योजना बनाई है। इसे केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी हरी झंडी दिखाएंगे। यात्रा सात अप्रैल को मार्च मैसूर और चामराजनगर जिलों से गुजरेगी। 8 अप्रैल को यह मांड्या और हासन, 9 अप्रैल को यह कोडागु और मंगलुरु पहुंचेगी। यात्रा का पहला चरण 10 अप्रैल को उडुपी और चिकमंगलूर में संपन्न होगा। इसके बाद 13 अप्रैल से शुरू होने वाला दूसरा चरण शिवमोग्गा और उत्तर कन्नड़ जिलों में होगा। यह आंदोलन राज्य के हर जिले में होगा। हर जिले में दो से तीन किलोमीटर की पदयात्रा होगी।

ट्रंप के जवाबी टैरिफ पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल, कहा- यह हमें तबाह कर देगा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए 27 फीसदी टैरिफ को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं। लोकसभा में गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने टैरिफ का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि टैरिफ हमें तबाह कर देगा। सरकार इस मुद्दे पर क्या कर रही है? उन्होंने एलएसी की स्थिति का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विदेश नीति का मतलब बाहरी देशों को प्रबंधित करना है। हमारे सहयोगी अमेरिका ने अचानक हम पर टैरिफ लगाने का फैसला कर लिया है। राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरी तरह तबाह कर देंगे। विशेष रूप से ऑटो उद्योग, फार्मास्यूटिकल्स और कृषि जैसे क्षेत्रों को। उन्होंने कहा कि किसी ने एक बार इंदिरा गांधी जी से पूछा था कि विदेश नीति के मामले में आप बाएं या दाएं झुकती है और इंदिरा गांधी जी ने जवाब दिया था मैं बाएं या दाएं नहीं झुकती, मैं सीधी खड़ी होती हूं। मैं भारतीय हूं और मैं सीधी खड़ी होती हूं। भाजपा और आरएसएस का दर्शन अलग है। जब उनसे पूछा जाता है कि वे वामपंथी हैं या दक्षिणपंथी, तो वे कहते हैं, 'नहीं, नहीं, नहीं, हम अपने सामने आने वाले हर विदेशी के सामने अपना सिर झुकाते हैं। यह उनकी संस्कृति और इतिहास में है, हम यह जानते हैं। राहुल गांधी ने भारत और चीन द्वारा राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाने को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि चीन हमारी 4,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर बैठा है। कुछ समय पहले मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि हमारे विदेश सचिव विक्रम मिस्री चीनी राजदूत के साथ केक काट रहे थे। सवाल यह है कि चीन द्वारा हड़पे गए 4,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र का आखिर क्या हो रहा है? उन्होंने कहा कि गलवां में 2020 में 20 जवान शहीद हुए थे। उनकी शहादत पर केक काटकर जश्न मनाया जा रहा है। हम सामान्य स्थिति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उससे पहले यथास्थिति होनी चाहिए। हमें अपनी जमीन वापस मिलनी चाहिए। यह भी मेरे संज्ञान में आया है कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने चीन को पत्र लिखा है। राहुल गांधी ने कहा कि हमें यह बात अपने लोगों से नहीं पता चल रही है, बल्कि यह चीनी राजदूत हैं जो भारत के लोगों को बता रहे हैं कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने उन्हें पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को जवाब देना चाहिए कि वह हमारी भूमि के बारे में क्या कर रही है तथा हमारे सहयोगी ने हम पर जो शुल्क लगाए हैं

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा